खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) अंक-27

शुक्रवार 26 अगस्त, 2022 / 04 भाद्रपद, 1944 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

तीसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) में अंक 27 से अंक 31 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-3 (भाग-3) शुक्रवार, 26 अगस्त, 2022/04 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-27

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	निधन संबंधी उल्लेख	5-6
3.	सदन में अव्यवस्था	7-16
4.	सरकारी संकल्प (नियम-90) तथा उस पर चर्चा	18-145

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) शुक्रवार, 26 अगस्त, 2022/04 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-27

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.09 बजे समवेत हुआ।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1 श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
2 श्री अभय वर्मा
3 श्री अनिल कुमार बाजपेयी
4 श्री अजय कुमार महावर
5 श्री जितेंद्र महाजन
6 श्री महेंद्र गोयल
7 श्री महेन्द्र यादव
8 श्री मदन लाल
9 श्री मोहन सिंह बिष्ट
10 श्री नरेश यादव
11 श्री ओम प्रकाश शर्मा
12 श्री पवन शर्मा
13 श्री प्रलाद सिंह साहनी
14 श्री शोएब इकबाल
15 श्री विजेंद्र गुप्ता
16 श्री अजेश यादव
17 श्रीमती ए धनवती चंदीला ए
18 श्री अजय दत्त
19 श्रीमती आतिशी
20 श्री अमानतुल्ला खान

21 श्री अब्दुल रहमान
22 श्रीमती बंदना कुमारी
23 श्री भावना गौड़
24 श्री बी. एस. जून
25 श्री धर्मपाल लाकड़ा
26 श्री दिनेश मोहनिया
27 श्री दुर्गेश पाठक
28 श्री गिरीश सोनी
29 श्री हाजी युनूस
30 श्री जय भगवान
31 श्री जरनैल सिंह
32 श्री करतार सिंह तंवर
33 श्री कुलदीप कुमार
34 श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
35 श्री प्रवीण कुमार
36 श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
37 श्री प्रकाश जारवाल
38 श्री ऋतुराज गोविंद
39 श्री रघुविंदर शौकीन
40 श्री राजेश गुप्ता
41 श्री राजकुमार आनंद
42 श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
43 श्री राजेश ऋषि
44 श्री रोहित कुमार
45 श्री शरद कुमार चौहान
46 श्री संजीव झा
47 श्री सोम दत्त
48 श्री शिव चरण गोयल
49 श्री सोमनाथ भारती
50 श्री सौरभ भारद्वाज
51 श्री सही राम
52 श्री एस.के. बग्गा
53 श्री सुरेन्द्र कुमार
54 श्री विशेष रवि
55 श्री विनय मिश्रा
56 श्री वीरेंद्र सिंह कादियान

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) शुक्रवार, 26 अगस्त, 2022/04 भाद्रपद, 1944 (शक) अंक-27

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.09 बजे समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

(राष्ट्रीय गीत –वन्दे मातरम्)

माननीया अध्यक्षः माननीय सदस्यगण सातवीं विधान सभा के तीसरे सत्र के तीसरे भाग में, मैं आप सबका हार्दिक स्वागत करती हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज एक दिन का विशेष सत्र है। अतः आप सभी माननीय सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि आप कम से कम समय में शालीनतापूर्वक सहज भाव से अपने विचार प्रस्तुत करें ताकि सदन के समय का अधिकतम सदुपयोग किया जा सके। पिछले सत्र... आप बैठिए, आपको समय मिलेगा। ऐसे डिर्स्टबेंश नहीं। ऐसे डिर्स्टबेंश नहीं। मैं एक बार इसे कर लूं। इसको एक बार मैं पूरा पढ़ लूं। आज...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः कोई भी वैल में नहीं आएगा।

(सत्तापक्ष के विधायक वैल में आ गए)

माननीया अध्यक्षः कोई भी वैल में नहीं आयेगा कोई भी माननीय विधायक वैल में नहीं आएगा। कोई भी माननीय...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं हरेक विधायक की बात सुनूंगी। मैं हरेक, ऋतुराज जी सुनिये ऋतुराज जी दो मिनट सुनिए। दो मिनट सुनिए ऋतुराज जी सुनिए। ऋतुराज जी दो मिनट सुनिए। दो मिनट सुनिए। आप लोग, मैं खडी हूं तो इसका मतलब आपको अपनी सीट पर जाना है सबको और एक-एक सदस्य की बात को सुना जाएगा। चाहे सत्ता पक्ष के साथी हों, बैठिये। सारे साथी अपनी सीट पर बैठिए। बैठिए। आप बैठिए। अगर सत्ता पक्ष के साथी बैठेंगे तो विपक्ष के लोगों को भी बैठना होगा। सदन की कोई तो मर्यादा है। कोई सदन की मर्यादा है। चले गए सब वापिस। सब वापिस चले गए हैं। आप बैठिए। आप बैठिए। मेरी सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी साथियों से विनम्र निवेदन है मेरे को सदन सुचारू रूप से चलाने के लिए चाहे आज सत्ता पक्ष का साथी हो या विपक्ष का साथी हो अगर सहयोग नहीं करेंगे। मैं पूरा दिन के लिए सदन से बाहर कर दूंगी। ये सत्ता पक्ष के साथी भी सुन लें, विपक्ष के साथी भी सुन लें। विशेष सत्र बुलाया है। अति-महत्वपूर्ण गम्भीर मुद्दे पर बुलाया है। जिस भी साथी को आप बैठिए क्यूं खड़े हो गए। बैठिए। आप बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठिए। आप बैठेंगे नहीं। मैने एक शब्द बोला। आनन्द जी बैठिए। ऋतुराज जी बैठिए। आप बैठिए दस मिनट। ऋतुराज जी

बिल्कुल मजबूर मत कीजिए कि मैं आपको बाहर का रास्ता दिखाऊं। ऋतुराज जी, आप पन्द्रह मिनट के लिए बाहर जाईए। ऋतुराज जी पन्द्रह मिनट के लिए बाहर जाइए आप। आप सदन से पन्द्रह मिनट के लिए बाहर जाऐंगे। ग्यारह दस हो रहे हैं आप ग्यारह पच्चीस पर अंदर आएगें।

(माननीय सदस्य श्री ऋतुराज गोविंद को पन्द्रह मिनट के लिए सदन से बाहर किया गया)

माननीया अध्यक्षः और आज ये समझ लें सत्ता पक्ष के साथी भी और विपक्ष भी अति महत्वपूर्ण गम्भीर मुद्दे पर सदन बुलाया गया है और सदन की कार्यवाही, आप भी बाहर, बैठेंगे नहीं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपको बाहर जाना है। आपको बाहर जाना है। मैं एक बार... आपके पास आ जाएगा आप शांत रहिए।

...व्यवधान...

निधन संबधी उल्लेख

माननीया अध्यक्षः पिछले सदन के दौरान भी मैने बताया था राजेश गुप्ता जी बैठिए और मैं इस बार फिर मजबूती से इस बात को कह रही हूं जो कार्य सूची है, अगर उसके परे जाकर कोई अपनी बात करेगा तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा। तो मेरा सभी साथियों से निवेदन है कि वो अपनी कार्य सूची को अपने विषय को ध्यान में रखते हुए अपना जो है वक्तव्य दें। इसके अलावा मैं माननीय सदस्यगणों को ये भी बताना चाहती हूं कि आप सब को

विदित होगा कि गत दिनांक 16 अगस्त, 2022 को अमरनाथ यात्रा की डयूटी से जवानों को लेकर लौट रही बस ब्रेक फेल होने के कारण पहलगाम के पास गहरी खाई में गिर गई जिसमें आईटीबीपी के 6 जवानों तथा एक पुलिस कर्मी की मौत हो गई तथा 32 जवान घायल हो गये। यह हादसा अत्यंत दुखद है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से मृतकों के प्रति हार्दिक शोक संवेदना प्रकट करती हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि उनके परिवार वालों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

अब दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया जायेगा।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया)

माननीया अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण जैसा कि आप सबको मालूम है कि महामहिम श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी ने दिनांक 25 जुलाई, 2022 को भारत के पन्द्रहवें राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वो भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं। दिनांक 11 अगस्त, 2022 को श्री जगदीप धनखड़ जी ने भारत के चौदहवें उप-राष्ट्रपति पद का दायित्व सम्भाला। मैं माननीय राष्ट्रपति और माननीय उप-राष्ट्रपति को अपनी ओर से तथा इस सदन की ओर से हार्दिक बधाई देती हूं और आशा करती हूं कि उनके नेतृत्व में देश निरन्तर प्रगति पथ पर और अग्रसर होगा। लोकतान्त्रिक मूल्यों की रक्षा हो सकेगी।

माननीय सदस्यगण मैं आपको ये भी सूचित करना चाहती हूं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, 2021 के संबंध में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 की धारा 9(2) के तहत माननीय ऊपराज्यपाल की तरफ से इस सदन के सदस्यों के लिए एक संदेश प्राप्त हुआ था। नियम समिति की दिनांक 16 अगस्त, 2022 को आयोजित बैठक में समिति ने सर्वसम्मति से यह अनुमोदन किया है कि उद्र संदेश, भारत के संविधान, विशेष रूप से अनुच्छेद 239 ।। (4) और ''नबाम रेबिया बनाम उपाधयक्ष और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार बनाम भारत का संघ एवं अन्य'' के मामलों में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसलों के अनुरूप नहीं था, जो यह निर्धारित करते हैं कि संदेश केवल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से ही विधान सभा को भेजे जा सकते हैं।

चूंकि ये सदन केवलएक ही दिन का है। आज एक सरकारी संकल्प प्रस्तुत होगा। उस पर चर्चा होगी। अतः समय के अभाव को देखते हुए, सदस्यों द्वारा विशेष उल्लेख के तहत सूचीबद्ध सभी मामलों को पढ़ा हुआ माना जाता है अर्थात 280 में जिस-जिस के प्रश्न लगे हुए हैं... दो मिनट बैठ जाइए। दो मिनट बैठ जाइए दो मिनट, देखिए निवेदन कर रही हूं मैं, निवेदन कर रही हूं मैं, निवेदन को स्वीकार अगर आप नहीं करेंगे तो आपकी भी मैं बात नहीं सुनूंगी। अर्थात 280 में जिस-जिस भी सदस्य के प्रश्न आज लगाए गए थे वो सभी पढ़े हुए माने जाते हैं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अब श्री राजेश गुप्ता जी सेवा विभाग से उत्तर प्राप्त न होने पर समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी प्रतिवेदन रखिए। बैठ जाइए आप बहुत समझदार हैं। आप बहुत समझदार, मैं सूचीबद्ध तरीके से कार्य कर रही हूं। राजेश गुप्ता जी प्रतिवेदन। राजेश गुप्ता जी प्रतिवेदन।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये इस तरह से नहीं। ये प्ले कार्ड दिखाने की जरूरत नहीं है। माननीय विधायक जी। माननीय विधायक जी ये गलत बात है। ये गलत बात है इस पर वापस जाईये। बिधूड़ी जी ये क्या है, ये कोई सही बात नहीं है। ये सही बात नहीं है। इसको बंद करिए। राजेश गुप्ता जी प्रतिवदेन।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी प्रतिवेदन। राजेश गुप्ता जी। आप बैठिए तो। कुलदीप जी बैठिए। कुलदीप जी, रोहित महरौलिया जी, कुलदीप जी, रोहित महरौलिया जी बैठिए। प्रवीण जी। पहले बैठिए। बैठिए एक बार। प्रवीण जी। प्रवीण जी। राजेश गुप्ता जी।राजेश गुप्ता जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः कुलदीप बैठिये, दो मिनट बैठ जाइए। हां जी प्रवीण जी, प्रवीण जी।

(सत्तापक्ष के सदस्य सदन में नारे बाजी करते हुए)

माननीया अध्यक्षः गलत बात है। बिल्कुल गलत बात है। बैठाईये क्यों उलझ रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः गलत बात है। ये बिल्कुल गलत है सत्तापक्ष के साथियों से निवेदन है। ...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सौरभ भारद्वाज जी...

(सत्तापक्ष के सदस्य सदन में नारे बाजी करते हुए)

माननीया अध्यक्षः सदन दस मिनट के लिए ंकरवनतद करते है। दस मिनट के लिए।

(सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित की गई)।

...व्यवधान...

सदन 11.30 बजे पुनः समवेत हुआ

माननीया अध्यक्ष (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

माननीया अध्यक्ष (श्रीमती राखी बिरला): राजेश गुप्ता जी आप अपना प्रतिवेदन पढ़ें।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्षा जी, इससे पहले कि मैं ये रिपोर्ट पेश करूं, सदन में पहली बार ऐसा हुआ कि सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के कुछ साथियों ने लाइव रिकॉर्डिंग चलाई यहां से, मैं नहीं समझता कि इससे पहले कभी भी ऐसा कुछ हुआ होगा। उसके अलावा ये लगातार होर्डिंग दिखाते चले आ रहे हैं। आप मोबाईल को रखिये अपने पास में Privileged को भेजिये कि इन्होंने कैसे ये रिकॉर्डिंग की और मोबाईल हर हाल में विधान सभा के अंदर जब्त होना चाहिए।

रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता प्रतिपक्ष): ...ये सदन का अपमान है।

माननीया अध्यक्षः एक बार पूरी बात समझ लें, जी।

श्री राजेश गुप्ताः ऐसा आज तक नहीं हुआ है और सीधी सी बात है कि ये जो लाइव करा, संसद को, हमारी विधान सभा को बदनाम करने की पूरी साजिश थी। लाइव करना यहां पर आप इनका अभी के अभी विडियो जो इन्होंने करा है, इनका मोबाईल पूरा का पूरा जब्त कीजिए और उसको देखिये। इन्होंने लाइव चलाया है यहां पर। विडियो बनायी है बाकायदा इन्होंने। इन्होंने विडियो बनायी है बकायदा। इनका मोबाईल जब्त किया जाए यहां पे। ये आज भी चलायेंगे, कल चलायेंगे कह देंगे लीक हो गयी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय महावर जी आपने ऐसा किया।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आपने ऐसा किया?

श्री राजेश गुप्ताः अभी के अभी इनका मोबाईल जब्त किया जाए।

माननीया अध्यक्षः एक मिनट दुर्गेश जी। दुर्गेश जी आप बहुत ही। ...बैठिये, अनुशासित सदस्य हैं आप बैठिए। एक बार सारे साथियों से, एक मिनट...

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः इनका मोबाईल जब्त किया जाए। अध्यक्षा जी, मोबाईल को जब्त किया जाए। मोबाईल के अंदर रिकॉर्डिंग है।

माननीया अध्यक्षः दुर्गेश जी, मैं सत्ता पक्ष के साथियों से अनुरोध करना चाहती हूं कि...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः क्या आपने... बैठिये... दो मिनट, दो मिनट का समय...

...व्यवधान...

श्री राजेश गुप्ताः इन्होंने बकायदा मोबाइल के अंदर रिकार्डिंग करी लाइव करा है।

मननीया अध्यक्षः सत्ता पक्ष के साथी बैठें, बैठें दो मिनट, बैठिये... बैठिये। दिलीप पांडे जी बैठाइये।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्षा जी ये बाद में डिलीट कर देंगे, ये डिलीट कर देंगे इसको।

माननीया अध्यक्षः विपक्ष के साथी बैठें।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्षाजी, ये डिलीट कर देंगे इसको।

माननीया अध्यक्षः मेरा एक सवाल विपक्ष से है, एक सवाल विपक्ष के नेता से मेरा एक सवाल है कि क्या अजय महावर जी ने ऐसा किया है...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिये, बैठिये, सौरभ जी, राजेश जी, बंदना जी, शिव चरण गोयल जी बैठिये, बैठिये... राजेश गुप्ता जी आप... विषय का संज्ञान ही

ले रहे हैं। विषय का संज्ञान लिया जा रहा है। बिधूड़ी साहब, बिधूड़ी साहब आप मुझे बताइये क्या अजय महावर जी ने ऐसा किया है।

श्री राजेश गुप्ताः इन्होंने बकायदा रिकार्डिंग की है।

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी दो मिनट बैठिये तो, बैठिये राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः वाजपेयी जी ने भी की है।

माननीया अध्यक्षः राजेश गुप्ता जी दो मिनट बैठिये। विपक्ष के मैं सम्मानित नेता जी आपसे ये पूछना चाह रही हूं बिधूड़ी जी, पहले सवाल सुन लिजिए, जवाब की बड़ी आतुरता है। क्या अजय महावर जी ने ऐसा कुछ किया है।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः नहीं कोई लाइव नहीं था।

माननीया अध्यक्षः लाइव रिकॉर्डिंग की है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः रिकॉर्डिंग की है आपने।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अजय महावर... अजय महावर जी ने रिकॉर्डिंग की है। हां, बोलिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः देखिये सदन में सब रिकॉर्ड होता है। सदन में सब रिकार्ड होता है और अगर विपक्ष के साथी लाइव भी चलता है सदन का सारा का

सारा कार्य, अगर विपक्ष के साथी अभी झूठ बोलेंगे तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। एक बार जवाब ले लेने दीजिए। हां जी, क्या आपने सदन में रिकॉर्डिंग की।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: ऑनरेबल डिप्टी स्पीकर साहिबां जब श्री पाठक जी विधान सभा के मेम्बर बने।

माननीया अध्यक्ष: जब बने नहीं बने, आज अजय महावर जी ने रिकॉर्डिंग की

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: इन्होंने खुद डायरेक्ट लाइव किया था। इन्होंने भी डायरेक्ट लाइव किया था। ये बतायें कि किया था या नहीं किया था। डायरेक्ट लाइव, डाइरेक्ट लाइव किया था या नहीं किया था। ये जवाब दें पहले। मैं माफी मांग लूंगा, ये जवाब दे दें।

माननीया अध्यक्ष: अजय महावर ने आज रिकॉर्डिंग की या नहीं की?

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: आज मेरे पास रिकॉर्ड है, डायरेक्ट लाइव किया था। एक मिनट किया था।

माननीया अध्यक्ष: अजय महावर जी ने आज रिकॉर्डिंग की है या नहीं।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: नहीं ये सबके लिए बनेगा न नियम, ये कोई, मैं ये कहता हूं पहली बात तो ये है कोई डायरेक्ट लाइव हुआ ही नहीं है। कोई डायरेक्ट लाइव हुआ ही नहीं है। अगर हुआ होगा तो हम सजा भुगतेंगे। कोई डायरेक्ट लाइव हुआ नहीं। आप मुझे सुन लिजिए ना। आप मुझे...।

माननीया अध्यक्षः एक मिनट... मेरा सवाल देखिये बिधूड़ी दी आपने मेरा सवाल नहीं सुना।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आप मेरी बात तो सुन लिजिए न।

माननीया अध्यक्षः आप बात तो, सही विषय तो रख नहीं रहे हैं न। आप विषय समझिए क्या अजय महावर जी ने... क्या अजय महावर जी ने रिकॉर्डिंग की, आप अपना फोन दिखाएं। अजय महावर जी अपना फोन दिखाएं, बात खत्म हो जाएगी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मेरा यह कहना है।

माननीया अध्यक्षः अजय महावर जी ने ये रिकॉर्डिंग की या नहीं की।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अगर, अगर यही काम जो...

माननीया अध्यक्षः अजय महावर जी ने रिकॉर्डिंग की या नहीं की?

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः सुनिए मैडम सुन तो लिजिए न, जो आरोप श्री अजय महावर के ऊपर है, अगर इसी तरह के आरोप रूलिंग पार्टी के मेम्बर पर साबित हो जाते हैं तो आप बराबर की सजा दीजिए, बराबर की।

माननीया अध्यक्षः बैठिये, दो मिनट, बैठिए दो मिनट,। देखिये आप विषय को बिल्कुल अलग-थलग तरीके से देख रहे हैं। मेरा सवाल, सवाल तब मैंने किया, जब सदन के सदस्य ने मेरे संज्ञान में कोई बात लायी। अगर आपको लगता है कि पूर्व में ऐसा कुछ हुआ तो आपको उस वक्त संज्ञान में लानी चाहिए थी। लेकिन बात पूर्व की नहीं है। बात आज के वर्तमान समय की है

और उस वर्तमान समय में मेरा आपसे सवाल इतना सा है कि क्या अजय महावर जी ने यहां पर फोन में रिकॉर्डिंग की है या नहीं की? सच आप बोलिए और अगर की है तो क्यों न आज सदन उनके फोन को जब्त करे। क्यों न सदन, क्यों न सदन, सुनिये बग्गा जी, दो मिनट बैठिये। आप दो मिनट बैठिये। आप दो मिनट बैठिये। बिधूड़ी जी देखिये, जब आप बोल रहे थे तो मैंने नहीं बोला, बैठिये एक बार और जो आपने... ऋतुराज जी अभी सुबह बाहर किया न, दो मिनट बैठिये ऋतुराज जी। दो मिनट बैठिये और जब आपने जो सवाल उठाया है सदन की मर्यादा का और सदन में पक्ष और विपक्ष के साथ एक जैसा रवईया अपनाने का तो आज जो है पहले इस बात का सदन पटल पर आप जवाब दीजिए कि आप इसको...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बदतमीजी नहीं, आप ये बतायें उन्होंने रिकॉर्डिंग की या नहीं की। रिकॉर्डिंग की या नहीं की। रिकॉर्डिंग की या नहीं की। रिकॉर्डिंग की या नहीं की।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सदन पटल पर आप ये बात रखिए न। रिकॉर्डिंग की है या नहीं की है। रिकॉर्डिंग की है या नहीं की... बिल्कुल होगा। लेकिन जो सवाल पूछा उसका जवाब दीजिए न। जो सवाल पूछा जा रहा है ये गलत है। इसको बंद करिये। बिधूड़ी जी इसे बंद कराइये। बिधूड़ी जी इसको बंद कराइये। बिधूड़ी जी आप इसको बंद कराइये। बिधूड़ी जी, बिधूड़ी जी आप इसको बंद कराइये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये कोई तो, आप जवाब तो दीजिए। क्या अजय महावर जी ने रिकार्डिंग की। क्या अजय महावर जी ने रिकॉर्डिंग की है। क्या अजय महावर जी ने रिकॉर्डिंग की है। आप पहले सवाल का जवाब दीजिए। क्या आपके विपक्ष के साथी ने सदन की मर्यादा को तोड़ते हुए रिकॉर्डिंग की है या नहीं की है। रिकॉर्डिंग की है या नहीं की है। आपको ये शिकायत की होती। आपको शिकायत की जाती। आपको, आपने शिकायत की होती। आपने शिकायत की होती। ये गलत है। ये गलत है, ये व्यवहार बहुत गलत है। आप सदन चलने देंगे या नहीं चलने देंगे।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सदन ...पूरे विपक्ष के साथियों को मार्शल आउट। मार्शल आउट पूरे दिन के लिए। पूरे दिन के लिए मार्शल आउट। बैठिये, लाकड़ा जी, मार्शल आउट पूरे विपक्ष को आपने पूरे 40 मिनट सदन का समय खराब किया है। सदन का समय आपने पूरे 40 मिनट खराब किया है। 40 मिनट सदन का समय खराब किया है, ऐसे नहीं चलेगा, बिल्कुल नहीं चलेगा ऐसे। आप जवाब नहीं दे रहे हैं। आप जवाब नहीं देना चाहते, मार्शल आउट। उठाइये, दो मिनट... मार्शल आउट। राजेश गुप्ता जी प्रतिवेदन पेश कीजिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मार्शल आउट। मार्शल, 40 मिनट खराब करे, आप समय देखिये 40 मिनट। 40 मिनट कुछ होते ही नहीं हैं। 40 मिनट आपने खराब नहीं

किये। 11.00 बजे से सदन शुरूआत था। 11 बजे सदन शुरू हुआ था। 11 बजे सदन शुरू हुआ था। 40 मिनट, आपने समझा नहीं, आप पीछे देखिये। आप मुड़कर देखिये पीछे। आप मुड़कर देखिये। आप मुड़कर देखिये पीछे। आप विपक्ष के नेता हैं। अनुशासन बनाना आपकी जिम्मेदारी है। अनुशासन करना आपकी जिम्मेदारी है। आप पुराने सवालों पर जा रहे हैं, आउट। नहीं, मार्शल आउट करें। राजेश गुप्ता जी। राजेश गुप्ता जी। राजेश गुप्ता जी और अब मेरा निवेदन सत्ता पक्ष के साथियों से भी है। कार्यवृत सूची के तहत आपको जो विषय दिया जाता है, उस विषय के तहत बोलें क्योंकि आज का विशेष सत्र बुलाने के पीछे कोई बहुत महत्वपूर्ण चर्चा का विषय है और उसे, मुद्दे को भटकाने की बिल्कुल भी प्रयास आप लोग न करें। राजेश गुप्ता जी अपना प्रतिवेदन रख दीजिए।

श्री राजेश गुप्ता: अध्यक्षा जी, आपने मुझे मौका दिया है कि मैं इसके ऊपर जो समिति बनाई थी, वो हम आज प्रस्तुत करें लेकिन मैं आपसे माफी चाहता हूं क्योंकि पिछले 10 दिन का जो क्रम रहा है और हिन्दुस्तान में नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे अच्छे शिक्षा मंत्री जी के ऊपर जिस तरीके से सवाल उठाने की जुर्रत भारतीय जनता पार्टी ने की है।

माननीया अध्यक्ष: रिपोर्ट के सिवाय आप सिर्फ सदन पटल पर आज अपना प्रतिवेदन।

श्री राजेश गुप्ता: नहीं आज।

माननीया अध्यक्ष: लेकिन आपको बोलने का मैं मौका दूंगी।

श्री राजेश गुप्ताः आज हम इसे नहीं पेश करना चाहते।

माननीया अध्यक्षः ठीक है।

श्री राजेश गुप्ताः आज हम इसे नहीं करेंगे। आगे जब कभी समय आयेगा तो इसे करेंगे। आज हम इसे नहीं करना चाहते क्योंकि इस तरीके से पूरे देश की जनता गुस्से में जो है मनीष जी के खिलाफ किया गया है। तो आज हम इसे पेश नहीं करेंगे। आज इसे हमारा विरोध समझ सकते हैं लेकिन आज हम इसे पेश नहीं करेंगे। धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः सरकारी संकल्प प्रस्तुत करने की अनुमति। अब श्री कैलाश गहलौत जी, माननीय परिवहन मंत्री नियम-90 के तहत सरकारी संकल्प प्रस्तुत करने की परमीशन लेंगे।

माननीय परिवहन मंत्री (श्री कैलाश गहलौत): अध्यक्ष महोदया, मैं नियम-90 के तहत सरकारी संकल्प प्रस्तुत करने के लिए सदन की परमीशन चाहता हूं।

माननीया अध्यक्षः अब ये प्रस्ताव सदन के समक्ष है,

जो इसके पक्ष में हैं, वो हाँ कहें।

जो इसके विरोध में है, वो ना कहें।

(सदस्यों के हां कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता,

प्रस्ताव पारित हुआ।

अब सदन द्वारा मंत्री महोदय को संकल्प प्रस्तुत करने की परमीशन दी जाती है।

माननीय परिवहन मंत्रीः अध्यक्ष महोदया, संकल्प का टेक्सट माननीय सदस्यों को वितरित किया जा चुका है। उससे पहले मैं दो शब्द जरूर इस सदन के बीच रखना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदया, पिछले सात साल में माननीय सीएम अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने हरेक फील्ड में चाहे वो शिक्षा है, स्वास्थ्य है, ट्रांसपोर्ट है, पानी है, बिजली है, एक्सट्रा आर्डिनरी काम किये हैं। जो सीएम है, जो मंत्री है वो सबसे पहले एमएलए है। इस सदन के सदस्य हैं। इतना बढ़िया काम करने के बावजूद पिछले कुछ दिनों से कुछ ताकतें हैं जो इस बढ़िया काम को रोकना चाहती हैं। उसको धीमा करना चाहती हैं। इस सदन में हरेक सदस्य जो बैठा है वो, उसकी भावना ये जरूर है कि जो सरकार है, जो सीएम साहब हैं, जो मंत्री है उनको इतना जरूर कन्वे करें कि हरेक सदस्य जो है वो सरकार के साथ है। वो बढ़िया काम करते रहें। किसी से कोई घबराने की जरूरत नहीं है। अध्यक्ष महोदया, शिक्षा की अगर बात करें तो मेरे ख्याल से आजाद भारत में जिस प्रकार से पिछले सात सालों में शिक्षा के क्षेत्र में काम हुआ है, जो क्रांतिकारी काम हुए हैं। पूरे भारत की प्रेस से लेकर जिसकी चर्चा पूरे देश में है। जो अन्य राज्य की सरकारें हैं वो हमारे जो शिक्षा में काम हुआ। अरविन्द केजरीवाल मॉडल की तारीफ हो रही है। मनीष सिसोदिया जी ने जिस प्रकार से शिक्षा मंत्री के रूप में लाखों बच्चों को बढ़िया शिक्षा का इंतजाम किया। मेरे ख्याल से इसमें कोई संदेह नहीं है और मैं इस सदन में आज पूरे विश्वास के साथ ये कह सकता हूं कि मनीष सिसोदिया

जी बार-बार ये कहा जा रहा है कि भारत के जो है सबसे आजाद भारत में सबसे बढ़िया शिक्षा मंत्री है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि भारत छोड़िये आज पूरे विश्व में अगर कोई शिक्षा मंत्री की बात है तो वो मनीष सिसोदिया जी है और पिछले दिनों से उसी मनीष सिसोदिया जी को जो विश्व में सबसे बढ़िया शिक्षा मंत्री है उनको परेशान किया जा रहा है। आज पिछले सात सालों में कोई भी पेपर उठाकरके देख लीजिये, कोई भी अखबार उठाकर देख लीजिये और मैं सिर्फ पूरे इण्डिया के प्रेस की बात नहीं कर रहा हूं पूरे विश्व में, पूरी दुनिया में आप पेपरों को उठाकरके देखेंगे तो उसमें चर्चा है। किस प्रकार से पिछले सात सालों में मनीष सिसोदिया जी ने एक अच्छी शिक्षा दी ताकि हरेक बच्चे को मिल सके। जो गरीब परिवार के जो बच्चे हमारी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं उनको अच्छी शिक्षा मिल सके। एक अच्छा वो नागरिक बन सके। उसका इंतज़ाम किया है। न्यूयार्क टाइम्स जो कि पूरी दुनिया का सबसे प्रसिद्ध अखबार है। पिछले कुछ दिन पहले फ्रंट पेज पर, ये छोटी बात नहीं है। हो सकता है कुछ लोगों को समझ में न आये कि न्यूयार्क टाइम्स क्या है लेकिन पूरी दुनिया न्यूयार्क टाइम्स को पढ़ती है और उसके फ्रंट पेज पर दिल्ली के शिक्षा मॉडल अरविन्द केजरीवाल मॉडल और मनीष सिसोदिया जी जो दिल्ली के शिक्षा मंत्री है उनकी फोटो छपती है। ये कोई मामूली बात नहीं है। मैं समझता हूं कोई छोटी बात नहीं है। छोटी उपलब्धि नहीं हैं लेकिन कुछ लोग हैं जिनको ये बात हजम नहीं होती। जब भी कहीं अरविन्द केजरीवाल मॉडल की अगर तारीफ हो जाये तो उनके पेट में दर्द होना शुरू हो जाता है और उन्होंने तुरन्त ये कहा की जी ये तो पेड खबर है। बड़े शर्म की बात है। हो सकता है। उन्होंने कहा जी ये पेड खबर है। अब इतना बड़ा अखबार तो उनके जो इतने

बड़े अखबार उनको मजबूर किया कि उसका वो जवाब दें। तो उनका जवाब आया "journalism from the New York Times is always independent, free from political or advertising influence. On the charge that same story was also published by the Khaleej Times... clarified other news outlets routinely license and republish our coverage पूरे दुनिया में इन्होंने अपनी बेइज्जती करायी। ये कहकरके कि जो न्यूयार्क टाइम्स ने जो फ्रंट पेज पर दिल्ली के शिक्षा मॉडल की जो स्टोरी है ये फेक न्यूज है। अध्यक्ष महोदया, मैं ये चीजें सिर्फ इसलिए बोल रहा हूं सदन में क्योंकि दिल्ली में पिछले सात सालों में जो शिक्षा के क्षेत्र में बढ़िया काम हुआ। यह हम नहीं कह रहे हैं। मेरा मकसद सिर्फ ये दिखाने का और बोलने का सिर्फ इतना है कि हम अपनी तारीफ नहीं कर रहे हैं। पूरी दुनिया आज जो शिक्षा के क्षेत्र में जो मनीष सिसोदिया जी ने जो काम किया है, अरविन्द केजरीवाल मॉडल के तहत जो काम किया, यह हम अपनी तारीफ नहीं कर रहे हैं, पूरी दुनिया, पूरी दुनिया की प्रेस जो अच्छा काम हुआ है शिक्षा के क्षेत्र में उसकी तारीफ कर रही है। बड़े शर्म की बात है कि उन्हीं शिक्षा मंत्री को मनीष सिसोदिया जी को कुछ दिनों से परेशान किया जा रहा है। वह जो शिक्षा के क्षेत्र में जो काम हो रहा है उसको रोकने की कोशिश है। स्वास्थ्य की अगर बात करें तो फिर दोबारा मेरे ख्याल से जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो काम हुआ। मोहल्ला क्लीनिक, हजारों जो मोहल्ला क्लीनिक दिल्ली में खुले। उसके बारे में फिर दोबारा हम उसकी तारीफ नहीं कर रहे हैं। कोफी अन्नान जी जो फार्मर सेक्रेटरी जनरल हैं यू0एन0 के, उनका जो दिल्ली आना हुआ तो उन्होंने मैं कोट कर रहा हूं कोफी अन्नान जी को तो उनके ये शब्द थे "Successful and impressive which is consistent with

the goal of universal health coverage." पूरे देश को और पूरी दुनिया को मोहल्ला क्लीनिक देने वाले स्वास्थ्य मंत्री जी आज इस सदन में नहीं है। मेरे ख्याल से इससे बड़ी शर्म की बात क्या हो सकती है। इससे बड़ी शर्म की बात क्या हो सकती है। अध्यक्षा जी इसी प्रकार से मैं अगर पूरा दिन बोल रहा हूं तो मैं जो अच्छे काम पिछले सात सालों में हुए। मेरे ख्याल से पूरा दिन निकल जायेगा लेकिन जो अच्छे काम हुए उसकी सूची खत्म नहीं होगी। ट्रांसपोर्ट में जो अच्छे काम हुए। लाखों महिलायें जो हैं आज हमारी बहन, बेटियाँ वो फ्री चल रही है पब्लिक ट्रांसपोर्ट में। पूरी दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में कहीं भी इतनी बड़ी स्कीम आज तक इम्प्लीमेन्ट नहीं हुई है। दिल्ली की जो इलैक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लांच हुई जो कि अपने आप में एक मिसाल बन गयी है देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में। अध्यक्षा जी, मेरे ख्याल से जिस प्रकार से पिछले कुछ दिनों से जो बढ़िया काम दिल्ली सरकार ने पिछले सात साल में किये, उसको रोकने की पूरी कोशिश की जा रही है। पर मुझे एक बात समझ में नहीं आती है कि जो भी ये ताकत है जो रोकने की कोशिश कर रही है उनको इतनी बड़ी क्या चिन्ता हो गयी है। माननीय सी.एम. अरविन्द केजरीवाल जी ने बार–बार कहा है हरेक प्लेटफार्म पर, ये सदन में भी कहा है कि भई अगर हम अच्छा काम नहीं करेंगे तो जनता जवाब देगी और माननीय सी.एम. साहब ने ये बार–बार ये भी कहा है, जनता के बीच में कहा है अलग–अलग मंच से कि अगर हम अच्छा काम नहीं करें तो हमें अगली बार वोट बिल्कुल मत करना। जनता की चुनी हुई सरकार है और आज दिल्ली की जनता में बहुत रोज़ है कि जिस सरकार को जनता ने चुना, भारी बहुमत से चुना। भई उसको आप काम क्यों नहीं करने दे रहे और मुझे पूरा यकीन है

कि दिल्ली की जनता ही नहीं पूरे देश की जनता 2024 में इसका जवाब देगी। 2024 में इसका बहुत बढ़िया जवाब देगी क्योंकि जनता बेवकूफ नहीं है। आज की जनता हरेक चीज समझती है। कौन कहाँ पर क्या कर रहा है? हर चीज समझती है। तो अध्यक्ष महोदया जी, मुझे सिर्फ इतना ही कहना था। आपने समय दिया इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः माननीय उप–मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी। अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः अध्यक्षा जी, आज जो विषय इस सदन में रखा जा रहा है वो बहुत महत्वपूर्ण है और उससे भी महत्वपूर्ण विषय ये है कि जो इस राजधानी में जो पूरे देश की राजधानी, आवाज थोड़ा तेज कर दो भाई। और उससे भी महत्वूपर्ण विषय ये है कि देश की राजधानी में जो आज कुछ दिनों से चल रहा है। इस देश को, दिल्ली को बनाने वाले आम आदमी पार्टी के चुने हुए विधायक, मंत्री गण जो और हमारे माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी जो काफी समय से दिल्ली की सेवा में लगे हुए हैं, दिल्ली के लोगों की सेवा में लगे हुए हैं। D 45-1.00/ आज उन्होंने आउट ऑफ द वे जाक्र पूरे देश को एक ऐसा मॉडल दिया जिसने दिखा दिया कि शिक्षा में, सरकारी स्कूलों में सुधार हो सकता है, हमारे शिक्षामंत्री ने दिन–रात काम करके सवेरे 6 बजे निकल जाते हैं विजिट पे, हरेक स्कूल में जाक्र देखते हैं, उसका इंफ्रास्ट्रक्चर देखते हैं, टीचरों से मिलते हैं, स्टूडेंट्स से मिलते हैं, ऐसे मेहनती व्यक्ति जिन्होंने दिन–रात काम किया और पूरे देश में एक शिक्षा के एक अलग आयाम बना दिया, पूरे वर्ल्ड को दिखा दिया कि सरकारी स्कूल बदल सकते हैं और अच्छाई

के लिये बदल सकते हैं। अलग अलग मॉडल दिये, जिसमें चुनौती जैसा एक नया तरीका निकाला जिसमें एमसीडी स्कूल से जो बच्चे दिल्ली सरकार के सरकारी स्कूलों में आते हैं उनके साथ काम किया, उनको दोबारा से पढ़ने लिखने की टैक्नीक सिखाई और उससे दिल्ली सरकार के सरकारी स्कूलों का रिजल्ट पिछले साल 99.7 परसेंट आया वो भी सीबीएसई का और हैपीनैस करिकुलम जैसे एक नये, बहुत ही अलग तरीके के करिकुलम बना कर दिये जिसे देश के बहुत सारे राज्यों ने देखा, उनको इंप्लीमेंट करने की चाह रखी और बहुत सारे देश विदेश के लोग उसको देखने आये जापान से लोग देखने आये, साउथ कोरिया से देखने आये, इनफैक्ट अमेरिका जो पूरे वर्ल्ड की एक बहुत बड़ी शक्ति कहा जाता है पूर्व प्रेजीडेंट डोनाल्ड ट्रंप की वाईफ दिल्ली सरकार के सरकारी स्कूलों को देखने आई। तो ये जो शिक्षा में इतने बड़े आयाम स्थापित किये उसके पीछे हमारे दिल्ली के शिक्षामंत्री हैं उन्होंने दिनरात मेहनत की। अरविंद केजरीवाल जी का जो विजन है उसको पूरा किया और एक ऐसी पॉलिसी बना दी कि वही सरकारी स्कूल जहां पर वही पुराने टीचर थे उन्होंने ही जो 50-60 परसेंट का रिजल्ट लेक्र आते थे आज वो 99.7 परसेंट का सीबीएसई का रिजल्ट लेक्र आ रहे हैं। तो ये चीज़ बीजेपी जो इस देश में केन्द्र में बैठी है उसको ऐसा लगा कि अगर ये लोग और अच्छा काम कर देंगे तो बाकी जितने भी देश के राज्य हैं वहां पर इनकी सरकारें हैं जो निकम्मी हैं, जो काम नहीं कर रहीं, जो शिक्षा में अगर हम यू.पी. में जाकर के देखें तो शिक्षा जो स्कूल हैं वो तबेलों में कन्वर्टिड हैं, अगर हम महाराष्ट्र में जहां आज इनकी सरकार बीजेपी ने दोबारा से बना ली है उसमें जाक्र देखें वहां शिक्षा बिल्कुल खराब है, हरियाणा में आप जा के देखियेतो।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिये।

श्री अजय दत्तः किसी स्कूल में बच्चे हैं तो टीचर नहीं हैं, टीचर हैं तो बच्चे नहीं हैं ये स्थितियां हैं। हिमाचल प्रदेश जाक्र मैं खुद हिमाचल का इलेक्शन को–इंचार्ज हूं, मैं बार–बार जब वहां जाकर देखता हूं तो मुझे बड़ा शर्म आती है कि हिमाचल को पूरे देश का सैक्रंड लार्जेस्ट एजुक्रटिड स्टेट घोषित किया हुआ है लेकिन वहां शिक्षा में कुछ नहीं है तो ऐसे हमारे माननीय शिक्षामंत्री को प्रताड़ित किया जा रहा है, उनपरझूठे केस लगाये जा रहे हैं और एक्साईज पॉलिसी जो पूरे देश में सबसे ज्यादा टैक्स कलैक्ट करने की पॉलिसी बनाई उसमें झूठे केस लगा दिये, कहीं पर कह रहे हैं डेढ लाख करोड़ बीजेपी के लोग डेढ़ लाख करोड़ का फर्जीवाड़ा हुआ है, उन्हें ये भी नहीं पता कि दिल्ली का टोटल बजट 75 हजार करोड़ का बजट है। तो डेढ लाख करोड़ का कैसे फर्जीवाड़ा हो जाता है इनको इतनी नॉलेज नहीं है, बड़ी हंसी आती है।

माननीया अध्यक्षः चलिये कंप्लीट कीजिये।

श्री अजय दत्तः तो इस तरीके से ये फंसाने की उससे पहले हमारे स्वास्थ्य मंत्री को इन्होंने झूठे क्रसों में फंसा लिया तो ये जो लोग हमारे आम आदमी पार्टी को फंसाने की कवायद चल रही है। उसके बाद इन्होंने और कुछ नहीं तो हम जैसे एमएलएज़ को पैसे में खरीदने की कोशिश की और हमने इनको ठोक के कहा कि अरविंद केजरीवाल की सेना बिकने वाली नहीं है, तुम बिक जाओगे तुम इस देश को अगर बेचने की कोशिश करोगे तो ये सेना तुम्हें उखाड़ के रखेगी।

माननीया अध्यक्षः चलिये, बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री अजय दत्तः ये हमने कहा तो मैं हमारे कैलाश गहलोत जी के जो प्रपोजल हैं उसका समर्थन करता हूं और मैं बार बार बीजेपी को ये बताना चाहता हूं कि इस देश को बदलने का समय आ गया है, पंजाब बदला, हिमाचल बदलेगा और गुजरात भी बदलेगा और उसके बाद इस देश के अंदर अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के मॉडल स्थापित होंगे, ये बात मैं बीजेपी को बताना चाहता हूं। धन्यवाद, जय हिंद।

माननीया अध्यक्षः माननीय उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी।

माननीय उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदियाः धन्यवाद अध्यक्ष महोदया, भारतीय खोखा पार्टी के लोग नहीं हैं, होते तो अच्छा होता, सुनते बात और हो सकता है सुन रहे होंगे बाहर। हां, आंख मिलाने की हिम्मत नहीं थी इसलिये बहाने कर कर-करके सुबह से कोई न कोई बहाना करके उनको लग ही रहा था कि कोई न कोई ऐसा बहाना बीच-बीच में, बीच-बीच में करते रहो कि अध्यक्षा को कोई ऐसा डिसीजन लेना पड़े और आज वो स्ट्रेटजी बना के आये थे कि बैठना नहीं है सदन में, बाहर ही जाना है। वरना अच्छा होता कि यहां के सवाल-जवाब को थोड़ा सा सुनते। मैं थोड़ी सी बात अपने से शुरू करना चाहता हूं अध्यक्ष महोदया आज माननीय कैलाश गहलोत जी के प्रस्ताव के संदर्भ में, 19 अगस्त को सुबह-सुबह जन्माष्टमी का दिन था। मैं भी परिवार के साथ में फ्रैश होक्र, नहा धोक्र, पूजापाठ करके तैयार था कि अब मंदिर जाना है। इसी बीच में किसी ने मुझे मेरे व्हाट्स एप पर न्यूयार्क टाईम्स का अखबार का ये कटिंग भेजी कि जी बड़ा अच्छा लग रहा है देख के दिल्ली का एजुकेशन मॉडल दुनिया के बड़े-बड़े अखबारों में छाया हुआ है। तो जन्माष्टमी की सुबह

अच्छी बीत रही थी, भगवान कृष्ण का जन्म उस पर सुबह सुबह पूजा पाठ और फिर मंदिर जाने की बात मन में चल रही थी। इसी बीच में ये खबर भी देखने को अच्छी मिली मुझे लगा कि न्यूयार्क टाईम्स की एक और खबर मैंने देखी थी तब से दिल मेरा बड़ा दुखी था कि एक तरफ न्यूयार्क टाईम्स में ये खबर छपती है जब बहुत पहले छपी थी कोविड के दौरान जिसमें भारत की बड़ी गंदी तस्वीर पेश की गयी थी कि जी देखो भारत कोविड से ऐसे हैंडल कर रहा है। मां गंगा के किनारे किस तरह से लाशें जल रही हैं, बिना किसी परिवार के, बिना किसी जानकारी के लाशें दबा दी गयी हैं। इस तरह से मैनेज करने की कोशिश की गयी थी कोविड को उसकी बड़ी गंदी छवि छपी थी। उसके बाद फिर जब ये खबर छपी तो मुझे लगा एक भारतीय होने के नाते, बात मेरा फोटो छपने की नहीं थी, बात एजुकेशन की नहीं थी, बात ये थी कि भारत की अच्छी खबर छपती है। तो हर भारतीय को गर्व होता है, मुझे भी एक भारतीय होने के नाते सुबह सुबह गर्व हुआ। लेकिन मैं इस बात पर गर्व महसूस कर ही रहा था, खुशी महसूस कर ही रहा था कि 5 मिनट बाद ही, ये वाली खबर मिलने के 5 मिनट बाद ही मेरे पास में नीचे से एक आदमी आया बोले जी सीबीआई वाले आये हैं आपके घर पर रेड करने के लिये। तो मैंने कहा मैंने क्या कर दिया? और वो आ गये तब तक आफिसर्स सीबीआई के, अच्छे आदमी थे, अच्छे लोग थे पर गलत लोगों के भेजे हुए थे। तो आकर उन्होंने मुझे सर्च वारंट वगैरह दिखाये बताया जी आपके खिलाफ एफआईआर है। मैंने कहा यार मैंने तो स्कूल ही बनवाये हैं अभी तो तारीफ ही पढ़ रहा था कि अच्छे स्कूल हो रखे हैं, तो मैंने क्या कर दिया ये न्यूयॉर्क टाईम्स में खबर छपने पर एफआईआर मैंने पहली बार सुनी। गलती तो वैसे यही

थी कि इतना अच्छा काम कर दिया कि देश और दुनिया में तारीफ होने लगी दिल्ली की, दिल्ली के काम की, केजरीवाल जी के काम की लेकिन फिर भी वो एफआईआर भी पढ़ी मैंने। पूरी तरह से फर्जी एफआईआर, सोर्सिस ये कह रहे हैं, सोर्सिस ये कह रहे हैं। ये शायद दुनिया की किसी investigating agency द्वारा दुनिया की किसी भी investigating agency तो समय समय पर दबाव में काम करती रही हैं पर इतना दबाव बनाना, इतना दबाव बनाना किसी investigating agencyis कि जी कुछ है नहीं, कोई तथ्य नहीं है बस धूल में लट्ठ मारना है। हमारे यहां कहावत है धूल में लट्ठ मारो तो थोड़ी धूल उड़ ही जाती है तो धूल में लट्ठ चलाना है तो लिख दो सोर्स। धूल में लट्ठ चलाना है तो लिख दो सोर्स। मतलब उसमें 4-5 एलीगेशंस सब पर सोर्स, सोर्स, सोर्स, सोर्स सब जगह हमारे सूत्र कह रहे हैं, सूत्र कह रहे हैं, सूत्र कह रहे हैं। ये सूत्रों के हवाले से तो पहली एफआईआर देख रहा था मैं। मैं भी पत्रकारिता में रहा हूं। सोशल सर्कल में हूं, सरकार में हूं, थोड़ा बहुत कानूनी जानकारियां पढ़ता रहा हूं। पहली बार देखा है कि मैंने कोई सूत्रों के हवाले से एफआईआर दर्ज की गयी हो किसी मंत्री के, किसी आदमी के खिलाफ। क्राईम होता है तो क्राईम बताया जाता है भई आपके ऊपर ये आरोप है, आपने ये मर्डर किया है। आपके ऊपर आरोप है आपने ये यहां से ये बॉटल चुराई, आपने ये पेन चुराया कुछ भी आरोप हो सकता है, पर आरोप है। सूत्रों के हवाले से आरोप है कि आपने पेन चुराया, सूत्रों के हवाले से आरोप है कि आपने एक बॉटल चुराई, इस तरह के आरोपों की एक एफआईआर। बहरहाल, अतिथि देवो भवः, मैंने उनका धन्यवाद करते हुए बिन बुलाये मेहमानों का स्वागत करते हुए मैंने कहा कि भई कर लो सर्च, मेरे घर में तो कुछ है नहीं, मैं तो डरता नहीं।

तो उन्होंने घर का कोना कोना छाना, चारों तरफ वो देखे उन्होंने बेडरूम से लेकर तकिया, गद्दे, चादर, बैड, मेरे बच्चों के कपड़े, परिवार के कपड़े, मेरे कपड़े, सब जगह घूमे वो, सब जगह छान छान के देखा कि क्या है, कहीं कुछ नहीं मिला। पूरा घर छान मारा, दीवारें–वीवारें, सब देख के, एल्मीरा के पीछे, आगे, सब देख के कहीं लकड़ी के पीछे तो कुछ नहीं कर रखा है, उनका काम है, सब देखा। कुछ नहीं मिला। 14 घंटे तक इन्होंने रेड कराई मेरे घर में लेकिन इनको एक पैसे की बेईमानी का कोई सबूत नहीं मिला ये आज मुझे..., एक पैसे की बेईमानी का सबूत नहीं मिला। ढूंढते रहे, फोन पे इंस्ट्रक्शन लेते रहे, ढूंढते रहे, कहीं कुछ नहीं मिला। फिर अंत–पंत में कुछ सरकारी फाईलों के कागज रखे थे, सरकारी फाईलों के, वो सरकारी फाईलों से भी मेरे दफ्तर में भी रेड की उसी समय। जन्माष्टमी के दिन सचिवालय बंद था वहां भी रेड की, वहां से भी वो फाईलें उठा के ले गये, एकाध फाईल मेरे घर पे रखी थी उसको ले गये, फिर बोले जी आपका कंप्यूटर भी ले जायेंगे, फिर बोला आपका फोन भी ले जायेंगे, फिर बोले जी आपका फोन ब्लॉक भी करेंगे, आप यूज मत करना इसको। तो एनी वे, मेरा फोन भी नहीं है मेरे पास में वो, फोन नंबर भी नहीं है, व्हाट्स एप भी नहीं है, तो वो ले गये। तो मैं आज इस सदन के समक्ष मैं अपनी रेड वाली कहानी बताने नहीं आया, उससे ज्यादा गंभीर मुद्दा है मनीष सिसोदिया के यहां रेड कर लो, एक बार नहीं, सौ बार कर लो, पहले भी की थी, कुछ नहीं निकला, और आज भी कह रहा हूं इस सदन में बहुत जिम्मेदारी के साथ, हजार और रेड कर लोगे, कुछ नहीं निकलेगा मेरे घर में। ईमानदारी से काम करता आया हूं, एक पैसे की बेईमानी नहीं की, ये जरूर है कि सुबह उठ के स्कूलों में चला जाता था, स्कूल बनवाये

हैं, टीचर्स के साथ, बच्चों के साथ बैठ के दिल्ली में पढ़ाई का माहौल बनाया है, अरविंद केजरीवाल जी से मार्गदर्शन ले लेकर कि एजुकेशन आगे कैसे बढ़ाई जाये, दिल्ली की एजुकेशन को आगे बढ़ाने का काम जरूर किया है, वो अगर गुनाह है तो उसकी सजा जो भी होगी मैं भुगतने को तैयार हूं, एक पैसे की बेईमानी मैंने नहीं की है, मैं बहुत जिम्मेदारी से कह रहा हूं। और फर्जी एफआईआर है टोटल धूल में लट्ठ चला रहे हैं बिल्कुल। अब असली वजह तो ये है कि ये जो दुनियाभर में तारीफ हो रही है ना ये इन लोगों से सहन नहीं हो रही। बहुत छोटी सोच है इनकी। बहुत घटिया सोच है। अभी तक यही होता आया है 75 साल में कि कहीं कोई आदमी, कोई मंत्री, कोई अफसर काम करना शुरू करे और उसके खिलाफ सीबीआई लेकर खड़े हो जाओ, डंडे लेकर खड़े हो जाओ, उसके खिलाफ ऐसी टुच्ची पॉलिटिक्स करने लगो, घटिया सोच दिखाने लगो, यही ये लोग कर रहे हैं। अब आज अगर तारीफ हो रही है तो ये भी अच्छा काम कर लेते इनकी इतनी सारी सरकारें हैं। और मैं पिछले 7 साल के एक्पीरियंस के आधार पर कहता हूं कि एक सीरियल किलर की तरह चुनी हुई सरकारों को मारने में जितनी उर्जा और जितनी मेहनत तुम लगाते हो उससे कम मेहनत में स्कूल बन जाते हैं। एक सीरियल किलर की तरह जितनी मेहनत तुम चुनी हुई सरकारों का मर्डर करने में लगाते हो, जनता सरकार चुनती है, बड़ी उम्मीद से देखती है भई अब हमने बहुमत देक्र सरकार चुन दी है अब हमारा काम करेगी, तब तक पता चलता है सीरियल किलर आ गया। वो फिल्मों में नहीं होता है सीरियल किलर एक के बाद, एक के बाद, एक के बाद तो वैसे करते हैं। जितनी मेहनत इसमें लगाते हो उससे कम मेहनत में अस्पताल बन जाते हैं, उससे कम मेहनत में लोगों का ईलाज हो जाता है, उससे कम

मेहनत में बच्चे पढ़ जाते हैं। पर उधर तो ध्यान ही नहीं है। ध्यान ये है कि सरकारें कैसे गिराई जायें, चुनी हुई सरकारें कैसे गिराई जायें। आज अगर अरविंद केजरीवाल जी की दुनिया में तारीफ हो रही है, उनकी सरकार की, काम की दुनिया में तारीफ हो रही है तो फर्जी नहीं हो रही तुम्हारी एफआईआर की तरह। एफआईआर फर्जी है, तारीफ सच्ची है। जो अरविंद केजरीवाल जी के काम की तारीफ हो रही है सारी दुनिया में, वो सच्ची हो रही है। एफआईआर फर्जी करते हो। 2015 में सारे साथी जानते हैं, वो भी जानते हैं जो उठ के चले गये अब यहां से, जिनको आपने वैसे सुबह से लगे हुए थे कि किसी तरह से आप भगायें उनको। 2015 से दिल्ली जानती है आज मेरी बात अगर सुन रहे होंगे बाहर लोग, जानते हैं दिल्ली के लोग, दिल्ली में स्कूल नहीं हुआ करते थे टेंट वाले स्कूल हुआ करते थे, खड्डे वाले स्कूल हुआ करते थे, टीन-टप्पर वाले स्कूल हुआ करते थे, स्कूलों के नाम नहीं थे, स्कूल बिल्डिंग नहीं हुआ करती थीं। मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ इस सदन के समक्ष रखना चाहता हूं कि आप सब भाईयों की कृपा से और बहनों की कृपा से आज दिल्ली में 700 नई स्कूल बिल्डिंग्स बनाई। ई/केबी ये कहते हैं न क्या बनवाया, क्या बनवाया, 700 नई स्कूल बिल्डिंग्स आज, केवल 2015 से लेकर आज तक खड़ी हुई हैं और ये बिल्डिंग्स नहीं खड़ी हैं, चार-दीवारी नहीं खड़ी, बच्चे पढ़ रहे हैं उसमें, बच्चों का भविष्य बन रहा है। आज टेंट वाले स्कूल को, लोग कहते हैं वो, वो स्कूल जहां से एक झुग्गी वाले का बच्चा IIT में चला गया, वो वाला स्कूल। स्विमिंग पूल वाला स्कूल, लैब वाला स्कूल, रोबोट वाला स्कूल, ऐसे स्कूल के नाम से जानते हैं। पहले ये इन्होंने बना रखे थे, टेंट वाले, खड्डे वाले, टीन-टप्पर वाले स्कूल, झुग्गी वाले स्कूल, चिड़ियाघर, यही सब नाम थे स्कूलों क्र। आज

आई.आई.टी. वाला..., आज स्कूल जानते हैं, निकालते हैं कि जी वो 32 लड़कियां जहां से सीधे एम्स में गई हैं, उसमें मेडिकल में गई हैं, वो वाला स्कूल, इस तरह से नाम से जानते हैं। स्कूलों के नाम बदले हैं, उनकी तासीर बदली है, वहां पढ़ाई हो रही है। जैसा मैंने कहा 700 नए स्कूल बनवाये हैं। 19 हजार नए टीचर्स भर्ती किये हैं इस दौरान, 19 हजार, टीचर्स नहीं थे। और रिजल्ट भी बढ़े, बच्चों का कांफिडेंस भी बढ़ाया, बच्चों ने शानदार उपब्धियां हासिल की हैं। पूरे देश में नाम हो रहा है बच्चों का। लेकिन इसके जवाब में मोदी जी क्या कर रहे हैं, मोदी जी फर्जी एफ.आई.आर. लिखवा रहे हैं मेरे खिलाफ। मोदी जी क्या कर रहे हैं, मोदी जी मेरे घर पर सी.बी.आई. की रेड करवा रहे हैं। मैं सोचता हूं कई बार कि अगर आज अरविंद केजरीवाल देश के प्रध ानमंत्री होते और मैं मनीष सिसोदिया किसी और पार्टी की तरफ से किसी जगह शिक्षा मंत्री होकर अच्छा काम कर रहा होता, तो आज मैं बहुत दावे के साथ कह सकता हूं कि अरविंद केजरीवाल जी ऐसी घटिया हरकत नहीं करते। अरविंद केजरीवाल जी ऐसी सोच, छोटी सोच नहीं रखते कि दूसरी पार्टी का शिक्षा मंत्री कुछ अच्छा कर रहा है तो उसको घर में फर्जी एफ.आई.आर. कराकर सी.बी. आई. की रेड डलवा दो। अरविंद केजरीवाल जी गले लगाते, प्रोत्साहन देते, सराहना करते अच्छा काम हो रहा है और पिछले 7 साल में किया है। मोदी जी ने भी कोई ढंग का काम किया है, अरविंद केजरीवाल जी साथ जाकर खड़े हुए हैं और मोदी जी ने साथ भी नहीं खड़े किया तो अकले दम पर उसको शुरू कर दिया है, वो चाहे योगा हो, साफ–सफाई का मसला हो, किसी चीज का मसला हो। तो एक तरफ अरविंद केजरीवाल जी है, उनको कुछ अच्छा काम करते हुए कोई दिखता है तो प्रोत्साहन देते हैं, अच्छा करते हैं, बोले हम भी

कर लेते हैं, अच्छा है, मिलकर कर लेते हैं, मिलकर भी नहीं करते होंगे तो चलो साथ में कर लेते हैं, हम भी कर लेते हैं, आप भी कर लेते हों, कुल मिलाकर काम तो देश का ही हो रहा है। इसीलिए मैंने कहा कि अगर आज अरविंद केजरीवाल जी प्रधानमंत्री होते देश के और मैं किसी दूसरी पार्टी का शिक्षा मंत्री, किसी राज्य में होता तो यकीनन अरविंद केजरीवाल जी बुलाकर गले लगाते, प्यार से बिठाते, पूछते कैसे कर रहे हो, बोलते कि हमें भी और राज्यों में भी करना हैं, हमारी कई राज्यों में सरकार हैं, केन्द्र में भी करना है, ये करते अरविंद केजरीवाल जी। मोदी जी क्या कर रहे हैं, मोदी दी फर्जी एफ. आई.आर. लिखवा रहे हैं, फर्जी एफ.आई.आर. पर एफ.आई.आर. लिखे जा रहे हैं। कहीं भी कोई अच्छा काम करे, उनको इनसिक्योरिटी होने लगती है। इतना असुरक्षित व्यक्ति मैंने पहली बार देखा है कि सामने वाला कोई अच्छा काम करे, तुरंत आदमी इनसिक्योर होने लगता है, कहीं ऐसा तो नहीं है मेरी जगह ले लेगा, कहीं ऐसा तो नहीं है लोग मेरी जगह पूछने लगेंगे इसको। अरे अच्छा काम करो, उससे ज्यादा करो, उससे समझकर करो, उससे सोच-समझकर करो। ये जो हरकत हैं न कि कोई अच्छा काम करे, उसको रोक दो, सी.बी.आई. भेज दो, ई.डी. भेज दो, उसकी सरकार गिरा दो, ये देश के प्रधानमंत्री की बहुत घटिया सोच को प्रदर्शित करती है। ये बताती है कि हमारे प्रधानमंत्री जी की सोच कितनी छोटी है और ऐसी घटिया सोच की वजह से ही आज एक देश के रूप में आजादी के 75 साल बाद भी हम हैल्थ में और एजुकेशन में पिछड़े हुए हैं, बहुत बुरी तरह से पिछड़े हुए हैं, ये शर्म की बात है। अगर हमारे नेताओं की ये घटिया सोच नहीं होती, हमारे नेता इस घटिया सोच से ऊपर

उठ गए होते कि भई पार्टी कोई भी हो, अच्छा काम जो नेता कर रहा है, उसको बढ़ाओ और उससे सीखकर हमारी पार्टी वाले भी वो करें, वो नहीं करेंगे।

मैं देख रहा था कि, मैं तो एजुकेशन पर काम करता रहा हूं, आज एजुकेशन में देश में मतलब हमारे देश का हम देखें तो आजादी के 75 साल बाद भी हमारे देश की एजुकेशन की हालत ये है, हम जो भी बड़े-बड़े दावे कर लें, पूरे देश में एक बच्चे को औसतन 6 साल की एजुकेशन मिलती है, औसतन, अगर सारी एजुकेशन जितनी बच्चों को मिल रही है, किसी को 10 साल, किसी को 15 साल, किसी को 20 साल और किसी को नहीं मिल रही, इन सबका अगर औसत आप निकालोगे तो आज भारत के बच्चे को मिलने वाली औसत एजुकेशन, 6 साल की औसत एजुकेशन है। बांग्लादेश को देखोगे, वहां भी 6 साल की औसत एजुकेशन है, एक बच्चे की। हम पाकिस्तान से थोड़ा सा आगे हैं, वहां 5 साल है, इस बात पर हम खुश हो सकते हैं अगर कोई खुश होना चाहे। लेकिन अगर आप दुनिया के देशों को देखोगे, यू.एस. में 13 साल है, यू.एस. की सरकारें, वहां के नेताओं ने व्यवस्था कर ली कि वहां वो अपने बच्चों को इतनी शानदार एजुकेशन की व्यवस्था करते हैं कि हर बच्चे को औसतन 13 साल एजुकेशन मिलती है। ब्रिटेन में भी यही है। जापान में भी यही है, 13-13 साल उन्होंने मेंटेन की हुई है। हम 6 साल पर खड़े हैं। जर्मनी में 14 साल कर रखी है। यहां तक कि साउथ अफ्रीका, जिसको अंग्रेजों ने वैसे ही लूटा जैसे हमारे देश को लूटा, वहां भी 10 साल है औसत एजुकेशन। हम अपने बच्चों को एवरेज 6 साल एजुकेशन दे रहे हैं। दुनिया के विकसित देश, जिनकी ओर हम यूं देखते हैं और जो हमारे साथ बर्बाद हुए थे, हमसे ज्यादा बर्बाद हुए थे विश्वयुद्ध में, जर्मनी और जापान जैसे देश, आज अपने बच्चों

को 13-13, 14-14 साल की एजुकेशन दे रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है, अगर इतिहास उठाकर देखेंगे तो हो सकता है उनके यहां इतनी घटिया सोच के नेता नहीं हुए होंगे, जैसे हमारे यहां बैठते हैं कि अगर कोई अच्छा काम करता हो, अपने ही देश में, अपने ही बच्चों को कोई अच्छी एजुकेशन दे रहा हो तो उसको सी.बी.आई. में भेज दो।

तो ये, इन लोगों ने 75 साल में बुरा हाल किया है। आज हम उसको दिल्ली में ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली में टेंट वाले स्कूलों को, खड्डे वाले स्कूलों को, टीन-टप्पर वाले स्कूलों को, चिड़ियाघर को उन्होंने बताया नाम, जिनके पड़े हुए थे, उनको हमने अच्छे स्कूलों में बदला है। वहां अच्छी पढ़ाई हो रही है। वहां एक रिक्शेवाला का बच्चा, जिसको अपनी एजुकेशन नहीं मिली, कहीं बिहार, छत्तीसगढ, उत्तर प्रदेश, कहीं देश के किसी कोने से आया और दिल्ली में आया, आज उस रिक्शेवाले के बच्चे को भी इतनी शानदार एजुकेशन मिल रही है और इतनी बढ़िया वहां पर सारी व्यवस्थाएं मिल रही हैं कि वो भी बिना महंगी-महंगी ट्यूशन लिये आज आई.आई.टी. में जा रहा है। मैं द्वारका में गया, द्वारका में मुझे एक व्यक्ति मिला, बोला, रोने लगा, बोला मैं प्रेस करता हूं द्वारका की सोसायटी में, किसकी विधान सभा थी, गुलाब सिंह जी की होगी या विनय भाई बैठे थे यहां कहीं, विनय जी की होगी, हां, वहां पर, वो बता रहे है कि मैं प्रेस करता हूं अपार्टमेंट में एक सीढ़ियों के नीचे ठिया लगाकर, उसका बच्चा आज सरकारी स्कूल से पढ़कर मुंबई में आई.आई. टी. में एरोनॉटिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है, ये हमने किया है। आज मेरी विधान सभा में, खिचड़ीपुर में रहने वाली, खिचड़ीपुर की झुग्गी में रहने वाली एक महिला, मैड, इस बात को लेकर खुश है कि उसकी बच्ची पढ़ाई

करके, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पिछले 4–5 साल में अच्छी पढ़ाई मिल गई, नीट का एग्जाम करके आज एम.बी.बी.एस. कर रही है, डॉक्टर बनने के लिए, इस बात से खुश है। जनता खुश है, इनके पेट में दर्द हो रहा है। जनता अपना भविष्य बनता हुआ देख रही है, इनको अपना भविष्य उजड़ता हुआ दिख रहा है क्योंकि बच्चों को अनपढ़ रखेंगे तो इनका भविष्य बनता है। बच्चों को पढ़ा लिखा देंगे तो बच्चों का, उनके परिवारों का भविष्य बनता है। तो ये इस दिशा में काम कर रहे हैं।

लेकिन मुझे खुशी इस बात की है अध्यक्ष महोदया कि जब इन्होंने रेड की, रेड भी एक ऐसी एफ.आई.आर. पर जैसा मैंने कहा कि सोर्स से, सोर्स से, सोर्स से, सोर्स से, की हुई है और मैं पूरा, अभी एक्साइज–एक्साइज चिल्ला रहे थे, ये शायद देश का पहला ऐसा भ्रष्टाचार का मामला उठाया जा रहा है जिसमें, और बहुत दावे के साथ कह रहा हूं, ये बहुत चिल्ला रहे हैं, सुन लें, सुन रहे होंगे कहीं, ये पहला ऐसा भ्रष्टाचार का मामला उठाया जा रहा है जिसमें जनता फायदे में है। दिल्ली में अगर कोई बोटल 750 रूपये की मिलती थी पुरानी एक्साइज पॉलिसी में तो नई एक्साइज पॉलिसी में वो भी 750 की मिल रही है, अगर 450 की मिलती थी तो 450 की मिल रही है, 1,000 रूपये की मिलती थी तो 1,000 रूपये की मिल रही है तो ऐसा नहीं है कि जनता के ऊपर कोई बोझ डाला गया हो। फिर जिस चीज की फीस सरकार पहले, पुराने regime में 10 लाख रूपये लेती थी, उसकी फीस, होलसेल की फीस हमने 5 करोड़ रुपये कर दी तो सरकार licensee से जिस चीज की फीस 10 लाख रुपये लेती थी उसकी फीस हमने 5 करोड़ कर दी। दुकानों से, रिटेल की दुकानों से जहां पहले सारा मिलाकर एक दुकान से 6 करोड़

रुपये मिलता था, उसको हमने 10 करोड़ कर दिया कि भई सरकार अब 10 करोड़ लेगी तो 10 लाख की जगह सरकार ले रही है, 5 लाख की जगह सरकार ले रही है, 5 करोड़, 8 लाख-10 लाख की फीस जहां से होती थी, जिन दुकानों की पहले लाइसेंस फीस, आज उनकी 10-10 करोड़ लाइसेंस फीस हो गई है एवरेज निकालोगे तो आप और ये कह रहे हैं जी भ्रष्टाचार हो गया। जनता के ऊपर कोई बोझ नहीं। सरकार जहां से पहले 10 लाख रूपये लेती थी, वहां से 5 करोड़ मिल रहे हैं, जहां से 8 लाख रुपये लेती थी, वहां से आज 10 करोड़ रुपये मिल रहे हैं और ये कह रहे हैं जी भ्रष्टाचार हो गया। ये पहला ऐसा भ्रष्टाचार है जहां जनता के ऊपर कोई बोझ नहीं डला, सरकार को कोई नुकसान नहीं हुआ, बोले भ्रष्टाचार हो गया। हवा में चल रहा है। एकदम मैंने इसीलिए कहा 'धूल में लट्ठ मार रहे हैं।'

सारी झूठी एफ.आई.आर. कर रखी हैं। जब ये टी.वी. पर बैठो, बैठते हैं, कुछ लोग इधर से भी जाते हैं, उधर से इनके भी बैठते हैं। इनसे पूछो कितने का भ्रष्टाचार हुआ, एक बोलेगा जी 8 हजार करोड़ का हो गया, दूसरा बोलेगा जी 10 हजार करोड़ का हो गया, तीसरा बोलेगा जी 11 सौ करोड़ का हो गया, चौथा बोलेगा जी 144 करोड़ हो गया, पांचवा बोलेगा डेढ़ सौ करोड़ का हो गया। फिर बोलेंगे, जी नहीं, एफ.आई.आर. में तो क्या लिखा, एफ.आई. आर. में बोले जी एक कम्पनी ने दूसरी कम्पनी को कोई बैंक से ट्रांस्फर किया, वो एक करोड़ का भ्रष्टाचार हो गया। अरे यार पहले तय तो कर लो अपने दफ्तर में बैठकर। माना कि सी.बी.आई. हेडक्वार्टर, बी.जे.पी. हेडक्वार्टर बन गया है पर तय तो करके दो उसको कि तुम्हारे एक नेता 10 हजार करोड़ कह रहे हैं, एक 8 हजार करोड़ कह रहे हैं। सारा झूठ है अध्यक्ष महोदया, सारा।

जनता के ऊपर कोई बर्डन नहीं, सरकार के ऊपर कोई बर्डन नहीं बल्कि सरकार की फीस कई-कई गुणा बढ़ा दी गई और ऊपर से कह रहे हैं भ्रष्टाचार कर दिया, भ्रष्टाचार कर दिया।

इन्होंने जब सी.बी.आई. की रेड की तो उसके बाद चारों तरफ माहौल ये बनाया, बस सी.बी.आई. की रेड हो गई, ई.डी. की और होने वाली है। मैंने कहा सी.बी.आई. कुछ पकड़ नहीं पाई तो फिर, जिस घर में से सी.बी.आई. कुछ नहीं ढूंढ़ पाई, ई.डी. क्या ढूंढ़ लेगी, हो सकता है कि ई.डी. के पास और expertise हो। भई मेरे गद्दे खंगाल लिये, मेरे बेड का वो ढक्कन खोल-खोलकर के खंगाल लिये, मेरे कपड़े पैक करके सर्दियों के रखे हुए थे, वो खोल-खोलकर के जैक्रटवापस से पैक कर दीं। अब सी.बी.आई. उसमें से कुछ नहीं ढूंढ़ पाई। जैक्रट वाले उसी बैग में से, स्वेटर वाले, लाल स्वेटर वाला बैग है वो मेरा, लाल स्वेटर वाले बैग में से, जिसमें से सी.बी.आई. खोल-खोलकर के कुछ नहीं ढूंढ पाई, ई.डी. क्या ढूंढ़ लेगी। मुझे समझ नहीं आया पर बोले जी ई.डी. की भी रेड होगी, मैंने कहा वो भी करवा लो भाई। ई.डी. की भी रेड देख लेंगे। अब ये सी.बी.आई. की रेड और ई.डी. की रेड का इन्होंने इतना प्रेशर बना दिया, इतना चारों तरफ से कि भई सी.बी.आई. तो हो गई, अब ई.डी. होगी।

फिर एक आदमी मेरे पास मैसेज लेकर आया, बोला देखो ये सी.बी.आई. रेड और ई.डी. की रेड में न अब तुम्हे फंसाने वाले हैं, मैंने कहा फंसा तो दिया ही, फर्जी फंसा रहे हैं मुझे पता है पर शुरू तो कर ही दी। बोले नहीं-नहीं पूरी जिंदगी सड़ायेंगे, मैंने कहा सड़ा दें। अभी थोड़े दिन पहले ही, मैं तो 9 साल पहले एक मुकदमे से निकला हूं, फिर 9 साल झेल लूंगा, मुझे क्या दिक्कत

है जब फर्जी है । तोबोले नहीं-नहीं जानते नहीं हो तुम इनको, बहुत खतरनाक लोग हैं। बोले इनको, इस तरह से मत लड़ो, ये केजरीवाल जी का साथ छोड़कर इधर बी.जे.पी. में शामिल हो जाओ, सारे सी.बी.आई. और ई.डी. तुरंत बंद हो जाएंगे, सारे केस खत्म हो जाएंगे। मैंने कहा मैं तो पहले ही कह रहा था केस फर्जी हैं। भ्रष्टाचार के केस ऐसे थोड़े ही बंद होते हैं, ये तो फर्जी केस ऐसे बंद होते हैं। मैंने कहा मैं क्यूं चला जाऊं भई जब मैंने कोई गलती नहीं की, मैंने तो कोई भ्रष्टाचार किया नहीं। आज नहीं तो कल, अदालत में थोड़ा समय लग सकता है लेकिन मुझे इस देश की अदालतों पर भरोसा है, न्याय करेंगी, तुम लोग जितना भी सी.बी.आई. का दुरूपयोग कर लो, ई.डी. का दुरूपयोग कर लो, पहले भी करते थे, फिर कर लो। मैं तो कोर्ट से छूट जाऊंगा, इसके लिए मुझे केजरीवाल जी का साथ छोड़ने की क्या जरूरत है, मुझे जरूरत ही नहीं है, मैंने कुछ गलत ही नहीं किया, तो बोले नहीं-नहीं आप समझो इस बात को मनीष भाई, सी.बी.आई. और ई.डी. की रेड तो खत्म कराने की बात है ही है, हमें भी पता है ईमानदार हो, छूट जाओगे, लेकिन देखो मौका है, एक बार बात कर लो, विधायक साथियों से, देख लो कितने विधायक हैं आपके साथ, मुख्यमंत्री बनवा देंगे। बोले जी कितने तोड़ सकते हो? मैंने कहा पहले तो मुझे खुद को तोड़ना पड़ेगा, मैं खुद टूटने को तैयार नहीं हूं, मैं अपने साथियों के बारे में क्या कहूं। जो खुद टूटने को तैयार नहीं है वो दूसरों को क्यूं तोड़ेगा। मैंने उनको कहा यार देखो मैं मुख्यमंत्री बनने नहीं आया था यहां, मैं यहां पर ये पदों पर बैठने नहीं आया था, मैं तो अरविंद केजरीवाल जी के साथ लगा था, कुछ देश के लिए अच्छा करेंगे, ये सारे लोग ऐसे ही हैं। देश का कुछ अच्छा कर रहे हैं, चलो लग जाओ। उन्होंने कहा जी पार्टी बनानी है, पार्टी

बना ली। उन्होंने कहा अब चुनाव लड़ना है, चुनाव लड़ गये। उन्होंने कहा सरकार बनानी है, सरकार बना ली। आज खुश हैं हम इस बात को लेकर कि भई आज हम ऐसी सरकार में हैं जो देश में पहली बार एजुकेशन पर काम कर रही है। आज हमें गर्व है इस बात पर कि हैल्थ पर काम कर रहे हैं, ईमानदारी से काम कर रही है। तुम्हारी सारी, इनकी सी.बी.आई.–वी.बी.आई. कहीं कुछ लाती है तो तुरंत फोटो खींचती है, देखो ये नोट की, मेरे घर से क्या निकला, कुछ नहीं निकला।

अब मेरे स्वेटर की भी सजा के फोटो खींच लेते खींचते तो सीबीआई बना के उससे ईडी वाले आएंगे उसकी ईडी बना के खींच लेगें, एक लाल इधर रख देंगे, नीला इधर रख देंगे, हरा इधर रख देंगे, ई लिख देंगे बस। यही करेंगे, इससे ज्यादा क्या करेंगे? कर लो क्या करोगे? मैं यहां इन पदों पे बैठने नहीं आया। मैं आया हूं एजुकेशन बदलने, मैं यहां पर एक सपना लेकर आया हूं अध्यक्ष महोदया ये बात मैं सदन मेंरखना चाहता हूं। मैं यहां आया हूं राजनीति में, मैंने अरविंद केजरीवाल जी का साथ इसलिए देना शुरू किया कि अरविंद केजरीवाल जी ही एकमात्र ऐसे नेता हैं जो इस बात को सच करके दिखा सकते हैं कि आज हमारे देश में 6 साल जो एवरेज एजुकेशन मिल रही है एक बच्चे को इसको 14 साल ले के जाना है 15 साल ले के जाना है और ये केवल केजरीवाल जी कर सकते हैं। आज हमारे देश में जो ये एजुकेशन के नाम पर इन सब के नाम पर प्राइवेट स्कूलों की मोटी–मोटी फीस चलती है ना, इसको केवल अरविंद केजरीवाल जी रोक सकते हैं इसलिए आया हूं मैं। और ये काम तो हम करते रहेंगे। टूटने वाले नहीं हैं। मैंने तो बता दिया, बाकी साथी अपना

बता देंगे क्योंकि किसी के पास कुछ मैंने सुना था प्रैस कांफ्रेंस देखी थी इन लोगों की। मैंने तो यही कहा भई मुझे किसी को तोड़ने से पहले खुद को तोड़ना पड़ेगा और मैं अपने आप को तोड़ने के लिए तैयार नहीं हूं। मैं अपने आप को तोड़ने के लिए तैयार नहीं हूं बाकी सब छोड़ दो। मैं जानता हूं कि ये बहुत बड़ी साजिश है, दिल्ली की चुनी हुई सरकार, दिल्ली की जनता ने जिसे इतने सम्मान के साथ, प्यार के साथ चुनक्र यहां इस सदन में काम करने के लिए भेजा है, उसको गिराने की बहुत बड़ी साजिश है। इस बात की बहुत बड़ी साजिश है कि दिल्ली की जनता को अनपढ़ रखा जाए, पूरे देश से जो आकर झुग्गियों में अनऑथोराइज कॉलोनियों में, गरीब कॉलोनियों में आकर लोग रह रहे हैं, उनके बच्चों को अनपढ़ रखा जाए, उनको पढ़ने न दिया जाए ताकि वो इनकी गुंडागिरी के काम आ सक्रं। अगर वो पढ़ लिख गए तो इनकी गुंडागिरी के काम नहीं आएंगे। मैं सदन का बहुत आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे ध्यान से सुना। बहुत इंपोर्टेंट विषय है, मुझे उम्मीद है कि सदन यहां से पूरे दिल्ली के लोगों को एक भरोसा देगा और मैं अरविंद केजरीवाल जी की तरफ से, अपनी तरफ से दिल्ली के लोगों को भरोसा देता हूं कि आपके वोट की ताकत से आए हैं। आपने हमें खरीद लिया है, अब दुनिया की कोई ताकत हमें खरीद नहीं सकती। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः ऋतुराज झा जी। आज वक्ता बहुत है और विषय बहुत महत्वपूर्ण है तो समय का ध्यान रखते हुए अपनी बातों को रखें।

श्री ऋतुराज गोविंदः आपने मुझे बोलने का मौका दिया अध्यक्ष महोदया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। सबसे पहले तो अभी पिछले एक सप्ताह से हम सब लोग इस बात को जानते हैं कि किस तरीके से माननीय

उप–मुख्यमंत्री जी के घर पर सीबीआई की रेड हुई और उन्होंने खुद भी अपने वक्तव्य में बताया कि घर पर किस तरह से चीजें मिलीं और क्या क्या हुआ। मैं इस सदन के माध्यम से, आपके माध्यम से एक ही चीज कहना चाहता हूं कि रेड पहले भी हुआ था सरकार का 400 फाईल उठाकर ले गए थे, कोई बनाए थे Shunglu कमेटी कि भई क्या करप्शन हुआ, क्या हुआ, नहीं हुआ। हमने एक बार पहले भी कहा था कि दरअसल ये सारा नूरा कुश्ती जो है वो पप्पू और गप्पू के बीच में चाहते हैं कि हो जिससे कि लड़ाई लड़ना और जीतना बहुत आसान हो। जब से बीच में विजय दीनानाथ चौहान आया है तब से वो टकटकी लगाए हुए है कि कैसे फंसाया जाए और ये विजय दीनानाथ चौहान जो है ये जब देखो तब दीवार कूद कर के आ जाता है बीच में कि भईया ठीक है हम है कंपीटीटर तो क्या तुम मतलब जिसको बोलते हैं न वॉकओवर जैसे खेल में मिल जाता है ऐसे ही पप्पू और गप्पू के बीच में जब भी लड़ाई होगा तो ये गप्पू जो है सो बड़ी बड़ी गप्प मार करके लड़ाई जीत जाएंगे। असली डर तो ये विजय दीनानाथ चौहान से है। अब सवाल ये है कि 400 फाइल को लेकर गया Shunglu कमेटी, छानते रहे–छानते रहे–छानते रहे कुछ नहीं मिला। हां 'सूंघलू कमेटी', सॉरी अच्छा हुआ, 'सूंघलू कमेटी' जो की फाइल में सूंघते थे कुछ नही मिला उसके बाद फ्रसट्रेट हो कर के सीध ा मुख्यमंत्री के घर पर सीबीआई भेज दिए। उप मुख्यमंत्री के घर पर सीबीआई भेज दिए कि पता नहीं कि क्या मिल जाएगा। सीएम के घर पर मिला मफलर, डिप्टी सीमए के घर पर मिला स्वेटर। इसके अलावा कुछ मिला ही नहीं। पहले भी प्रयास किए, उसके बाद फ्रसट्रेट होकर के अध्यक्ष महोदया 40 विधायक, किसी पर फर्जी केस, किसी पर फर्जी केस, किसी पर फर्जी केस 40 एमएलए

में से 90 परसेंट एमएलए अभी बैठे हुए हैं कुछ नहीं हैं तो कुछ गुजरात में हैं, पार्टी की ड्यूटी पर गए हुए हैं। किसी पर कोई केस, किसी पर कोई क्रस। एक सवा साल तक केस चला और आप यकीन नहीं करेंगे 40 में से 35 से ज्यादा विधायक जो आज बैठे हैं वो बाइज्ज़त बरी हो चुके हैं कोर्ट से, बाइज्ज़त। बाइज्ज़त बरी हो चुके हैं उसमें से एक मैं भी हूं फर्जी केस वाला। बस हां अब ये महेन्द्र यादव हैं, संजीव झा हैं सब लोग हैं मतलब नाम लेंगे तो बहुत समय लग जाएगा इसमें आपने कहा पहले ही समय। एक्चुअली में कहानी क्या है, देखिए? हां अमानत भाई ठीक है बीसी हो गए हैं तो तो अब कहानी क्या है समझिए? दिल्ली में एक चोर होता था वो खाली साईकिल चुराता था, खाली साईकिल। रामलाल या श्यामलाल कुछ नाम था उसका, नाम याद नहीं है। बहुत पुराना चोर होता था तो दिल्ली में कहीं भी साईकिल की चोरी होती थी तो सबसे पहले पुलिस जाती थी वो रामलाल को पकडकर ले आती थी बताओ साईकिल कहां रखे हो? तो भई जब डंडा वंडा पड़ता था तो एक आध का नाम ले लेता था कि फलाने जगह बेच दिए 500 रूपये में। ऐसे ही दिल्ली में एक चोर होता था, वो खाली भैंस चुराता था इसके अलावा कुछ नहीं। मतलब ये था कि किसी की अगर भैंस चोरी हो गई अगर गोपाल राय जी के बंगले से अगर भैंस चोरी हुई है अगर उसकी शिकायत करेंगे तो उस श्यामलाल को पकड़ कर लाएंगे, उसको दो डंडा मारेंगे और वो नाम ले लेगा देखिए जी हम तो भैंस लेकर के फलाने जगह पर बेच दिए थे। ऐसे ही एक बहुत पॉपुलर चोर हुआ उसको तो जानते ही हैं आप लोग सब फिल्में फिल्में बनी बंटी चोर, कुत्ता चुराता था, सीनरी चुराता था, कार चुराता था तो क्या था कि इनको पता था कि भैंस चुराएगा तो श्यामलाल के पास मिलेगा, साईकिल

चुराएगा तो रामलाल के पास मिलेगा, कुत्ता चुराएगा तो बंटी के पास मिलेगा। इसी तरीके से हिंदुस्तान के अंदर में जितने भी राज्य हैं, कहीं पर भी अगर किसी भी विधायक को जब मैसेज आता है कि इतना करोड़ ले लो, हमारे साथ आ जाओ तो इस हिंदुस्तान के अंदर में सबको पता है कि एक ही पार्टी ऐसा करती है, ऑपरेशन लोटस चलाती है, उसका नाम भारतीय जनता पार्टी है। अब इन्ट्रस्टिंग चीज देखिए सीबीआई और ईडी क्या बन गया है देखिए अब ये करते क्या हैं? अब मुकुल राय सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी था उसको उठाकर लाये सीबीआई किए, ईडी किए, पार्टी में जैसे ही आया पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हो गया। ऐसे ही शुभेन्दु अधिकारी चिटफंड घोटाला का इतना बड़ा आरोपी नेशनल मीडिया में चल रहा है। अभी जैसे माननीय सिसोदिया जी न्यूयार्क टाईम्स दिखा रहे थे, ऐसे ही ये लोग नवभारत टाईम्स, हिंदुस्तान टाईम्स, टाईम्स आफ इंडिया सब के फ्रंट पेज पर दिखाते थे शुभेन्दु अधिकारी, वो जब भाजपा में आते हैं तो भाजपा के लीडर ऑफ अपोजीशन बन जाते हैं। आज बंगाल में लीडर आफ अपोजीशन हैं। येदुरप्पा सबसे बड़ा माफिया उसको पार्टी से निकाल दिया। जरूरत पड़ी तो वापिस लाकर के फिर से मुख्यमंत्री बना दिया। सुखराम टैलीकॉम घोटाला वाला उसको अपने पार्टी में लाकर के डिप्टी सीएम बना दिए। ये हिमंत विश्व शर्मा सबसे बड़ा घोटालेबाज अपना पार्टी में लाकर के उसको मुख्यमंत्री बना दिया और ये सिंधे और सिंधिया ने जो किया खेल उसको सिसोदिया ने किया फेल। कैसे किया? इन्होंने अपना ऑपरेशन लोटस मध्यप्रदेश में तो चला लिया, वहां पर में क्या बोलते हैं महाराष्ट्र में चला लिया लेकिन दिल्ली में आकर फेल कैसे हो गया। एक बार नहीं, दो दो बार फेल हो गया, 2013 में दिनेश मोहनिया ने फेल कर दिया और 2022 में सिसोदिया जी ने फेल कर दिया। मोहनिया

जी के साथ मिलकर के ये लोग सैटिंग कर रहे थे, उस टाइम पर भी लोगों को बोला, बोला कि देखो जी हमारे विधायकों को खरीद रहे हैं। कोई नहीं माना, बोले सबूत दो, सबूत दो, सबूत दो, स्टिंग करके मोहनिया जी लाए कि देखिए पांच-पांच करोड़ रूपया विधायक को ऑफर हो रहा है और सारा देश ने देखा, सब भौचक्क्र रह गए। इसी प्रकार से आज यहां पर में जो है बीस-बीस करोड़ रूपये का ऑफर किस प्रकार से संजीव झा, अजय दत्त सबको दिया जा रहा है, प्रेस कांफ्रेंस करके बताया और सबसे बड़ी बात है अध्यक्ष महोदय हम लोगों को ईमानदारी का सर्टिफिक्रट एक ऐसी पार्टी से चाहिए जिसका राष्ट्रीय अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण ऑन कैमरा दो लाख रूपया लेते हुए पकड़ा जाता है। क्या हमको ईमानदारी का सर्टिफिक्रट एक ऐसे पार्टी से चाहिए जिसका मंत्री सेना के ताबूत में घोटाला करता है? क्या हमको ईमानदारी का सर्टिफिक्रट ऐसे पार्टी से चाहिए जहां पर व्यापम में घोटाला होता है? सीबीआई केस रजिस्टर करती है, आज तक किसी के पास उस केस की कोई जानकारी नहीं है, जो आपकी पार्टी में आ जाएगा, आपके पास वाष्ठिंग मशीन है उसको धोकर के साफ सुथरा कर देंगे और जो आपके पार्टी में नहीं आएगा उसको जबर्दस्ती परेशान करेंगे। इनको बताना चाहिए कि मुख्यमंत्री के घर पर सीबीआई रेड हुआ था तो क्या मिला, इनको बताना चाहिए कि सिसोदिया जी के घर पर सीबीआई का रेड हुआ तो क्या मिला, इनको बताना चाहिए कि Shunglu कमेटी जो 400 फाईल लेकर के गया था आपने पूरी सरकार को मतलब कि डिसमेंटल करने का प्रयास किया था, उसमें क्या मिला? बिना बताए इस प्रकार से करने की कोशिश हो रही है। आज दिल्ली के अंदर में सरकार ने कोई एक अच्छा ऑफिसर हम ये नहीं कहते सारा आईएएस ऑफिसर काम नहीं करता है, कुछ

ऑफिसर बहुत अच्छे हैं। अभी दिल्ली जलबोर्ड में एक ऑफिसर बहुत अच्छा काम कर रहा था। सात बजे सुबह उठकर चला जाता था साइट के ऊपर में यमुना की सफाई है, उसके लिए काम कर रहा था, उसको उठाकर के उसकी पोस्टिंग ऐसी जगह कर दी गई जो कि एकदम जिसको साइड पोस्टिंग बोलते हैं ताकि कोई काम न हो। दिल्ली की सरकार का काम रोकने का प्रयास कर रहे हैं। दिल्ली के मंत्रियों को जेल में डाल दो। दिल्ली के मंत्रियों को परेशान कर दो ताकि कोई काम न हो सक्र। लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास हो रहा है। इस प्रकार से नहीं चलेगा। हम लोग तो एक ही बात कहते हैं कि ऑपरेशन लोटस और ये जो चीजें हो रही हैं इसकी हम लोग और ये सारा चीज क्यों हो रहा है, इसका जो ये भूकंप है, ये जो राजनीतिक भूकंप है इसका ऐपिक सैंटर गुजरात है। जैसा कि हमने कहा ये जो नूरा कुश्ती पप्पू और गप्पू के बीच में हो रहा था, जिस दिन से आप पंजाब जीते हैं और जिस दिन से जब पंजाब से भी ज्यादा करंट आज गुजरात में देखने को मिल रहा है और ये गुजरात में जब से करंट देखने को मिल रहा है उसी की बौखलाहट है। अगर इनकी सीबीआई और इनकी ईडी अगर ईमानदार होती, सच्ची निष्ठा से काम कर रहे होते तो विजय माल्या पैसा लेकर नहीं भागता। अगर इनकी ईडी और सीबीआई ईमानदारी से काम करती तो मेहुल चौकसी, ललित मोदी ये सब पैसा लेकर नहीं भागता, देश का पैसा लेकर नहीं भागता। मैं ज्यादा समय नहीं लेते हुए इस ऑपरेशन लोटस जो दिल्ली में फेल हो गया है, इस देश को मैं बताना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी का चाल-चरित्र और चेहरा बताने का काम इस देश में कोई कर रहा है तो केजरीवाल जी के नेतृत्व में सरकार कर रही है और हम लोगों को खरीदेंगे औकात है इनकी। हम लोग अन्ना के आंदोलन

की कोख से पैदा हुए लोग हैं। बीस करोड़ क्या बीस हजार करोड़ में खरीदने की इनकी औकात नहीं है। अगर आज भारत के प्रधानमंत्री, आज भारत के प्रधानमंत्री अगर हमारे अरविंद केजरीवाल जी होते तो इस तरह का नकारात्मक माहौल इस देश में नहीं होता। ठीक कहा इन्होंने इतिहास के विद्यार्थी हैं हम लोग सैकिण्ड वर्ल्ड वार के बाद किस तरीके से जापान नेस्तानाबूद हो गया, जर्मनी नेस्तानाबूद हो गया, जो देश हमारे बाद में पैदा हुए जिनको आजादी मिली हमारे पास क्या नहीं है। हमारे पास प्राईमरी सैक्टर है, हमारे पास इंडस्ट्रियल सैक्टर है, सर्विस सैक्टर है किस चीज में विकास नहीं कर सकते। आज अगर दुनिया भर में हमारी चर्चा हो रही है केजरीवाल मॉडल आफ गर्वनेंस का डंका बज रहा है तो ये गर्व की बात है। हम जैसे नौजवानों को गर्व होता है जो अपना नौकरी चाकरी घरबार छोड़कर राजनीति में आए, आज फख्र महसूस होता है जब न्यूयार्क टाईम्स के अंदर में हम लोग सिसोदिया जी का फोटो देखते हैं, एजुकेशन मॉडल की चर्चा देखते हैं।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिये।

श्री ऋतुराज गोविंदः तो अंत में एक ही बात कहूंगा कि देश का भविष्य हमारे केजरीवाल जी हैं, हमारे केजरीवाल जी अगर आज प्रधानमंत्री होते तो देश के अंदर में शिक्षा और स्वास्थ्य में जो क्रांति हो रहा है, जो लोग कर रहे होते, उसको एप्रिशिएट करते, उस मॉडल की चर्चा करते, उसको देशभर में कैसे इंप्लीमेंट किया जाये इसके ऊपर चर्चा करते ना कि ये जो है जो चीन हमारे देश में कब्जा कर रहा है, हमारी महंगाई का दर बढ़ रहा है, बेरोजगारी बढ़ रहा है, रूपया लुट रहा है, कमजोर हो रहा है, उस चीज की चिंता करने की बजाए आम आदमी पार्टी को कैसे तोड़ा जाये, कैसे फोड़ा जाये, विधायकों

को कैसे खरीदा जाये, इस पर चर्चा हो रही है। तो रिपीटिड ऑफेंडर जैसाकि उन्होंने कहा सीरियल किलर उसको हमने चोरक्र एग्जाम्प्ल में आपको समझाने का प्रयास किया कि नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, या नौ सौ विधायक तोड़ करके एक ही पार्टी ने जगह-जगह पर ऑपरेशन लोटस चलाकर के सरकार बनाने का काम किया है उसका नाम भारतीय जनता पार्टी है। ध न्यवाद, जय हिंद।

माननीया अध्यक्षः बंदना कुमारी जी।

श्रीमती बंदना कुमारीः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्षा जी। आज बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुझे बोलने का मौका दिया आपने। जिस तरह से दिल्ली का माहौल, आज दिल्ली के शिक्षामंत्री के साथ जिस तरह का जन्माष्टमी के दिन जो माहौल बना और सीबीआई ने 14 घंटे तक रेड करी, आज दिल्ली का हरेक आदमी चिंतित है। वो पूछ रहा है जी बताओ क्या मिला वहां से, 14 घंटे जब आपने छापा मारा, दिल्ली का एक छोटा-छोटा बच्चा जो सबसे सुपर एजुकेशन मिनिस्टर के नाम पर मनीष सिसोदिया जी को जानता है, आज वो पूछ रहा है, आज वो जवाब मांग रहा है हम सबसे। आज जब हम नुक्कड़ में बैठते हैं, हम पार्कों में जाते हैं लोग पूछते हैं जी क्या मिला? और आज ये सदन के माध्यम से मैं भी पूछना चाहती हूं सीबीआई से, जो क्या मिला? मनीष सिसोदिया जी के घर से, हमारे हैल्थ मिनिस्टर सत्येंद्र जैन जी के घर सेक्या मिला आपको, मैं भी पूछना चाहती हूं क्योंकि दिल्ली जवाब चाहती है। अब दिल्ली ही नहीं पूरा देश जवाब मांग रहा है। और आज सदन के माध्यम से मैं भी जवाब मांगती हूं। जिस तरह से दिल्ली के अंदर ऑपरेशन लोटस फेल हुआ और आज ध्यान में होगा सभी साथियों को, बहुत सारे साथियों को 2013

में जब हमारी 28 विधायक हम सब चुनकर आये थे, 5 लाख का ऑफर मेरे दफ्तर में 8 बजे रात में बड़े हमारे एक साथियों के साथ और बड़े उम्मीद से टाईम लेकर आया गया था और 5 करोड़ हां सॉरी पांच करोड़, पांच करोड़ का मदन जी के पास भी वही आदमी गया था मदन जी के पास भी।

और 5 करोड़ का ऑफर था जो आप आ जाओ हमारी सरकार बना लो, आ जाओ हमारी पार्टी में हम दुबारा विधायक भी लड़वाएगें, पैसा भी देंगे और मंत्री भी बनाएंगे। उस समय वो आदमी बहुत सारे लम्बे-चौड़े लेटर लेकर, लिस्ट लेकर पढ़ रहा था, क्या-क्या करेगा, लिस्ट पढ़कर बता रहा था। आज केजरीवाल जी ने पूरी दिल्ली में सीसीटीवी लगाए। हम सब नये-नये चुनकर आए थे, हमें तो बस काम का जुनून था, काम करे जा रहे थे और लगे हुए थे। आज उसी काम को देखते हुए, आज दिल्ली में जिस तरीके से काम हो रहा है शिक्षा, स्वास्थ्य को लेकर। शिक्षा की बात करूं तो करोना काल में कितने लोगों ने, मेरे पास वैसा आंकड़ा नहीं है लेकिन प्राइवेट स्कूल से लगभग दो लाख लोगों ने अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में सुविधाओं को देखते हुए, सरकारी स्कूल में भर्ती कराया। और मैं भी गर्व से कहती हूं जब कोई आता है मेरे पास कहता है फीस माफ करा दो, हमारा काम खत्म हो गया है। तो मैं उसको गर्व से कहती हूं कोई भी सरकारी स्कूल में जाओ जो अच्छा लगे उसमें आपकी एडमिशन हो जाएगी। शायद इसी से बौखलाहट थी, आज जिस तरह से सीबीआई को भेजा गया, ये बढ़ती लोकप्रियता अरविंद केजरीवाल जी की जिस तरह से हर घर में, हर घर के लोग even भाजपा के लोग, भाजपा के लोग भी शिक्षा, स्वास्थ्य में कहीं भी चर्चा करते हैं तो ये तो कहते हैं काम तो बहुत अच्छा कर रहा है। ये इनके लोग जो भाजपा की भेजी हुई सीबीआई और ईडी

उनके लोग भी चर्चा करते हैं, नहीं काम तो बहुत अच्छा हो रहा है, बेवजह इनको परेशान किया जा रहा है। हम तो खुलकर नहीं आ सकते कहीं कल मेरे पास भी ना ईडी आ जाए। हमारा एरिया शालीमार बाग व्यापारियों का एरिया है, व्यापारी डरते हैं, उनको अगर हमारी परछाई भी लगे तो दूर चले जाते हैं। कहते हैं कि अगर हम आपके साथ बैठते हुए एक दिन भी दिख गए तो हमारे यहां कल ईडी आ जाएगी, कल हमारी सीबीआई की रेड पड़ जाएगी। इस तरह से लोग डरे पड़े हैं, सारे व्यापारी डरे पड़े हैं, सारे लोग डरे पड़े हैं। लेकिन जनता इस बात को जानना चाहती है और जनता बहुत ही परेशान है। तो मैं आज इस सदन के माध्यम से जिस तरह से हमारे विधायकों की खरीद-फरोख्त की बात कर रहे हैं और खरीद-फरोख्त की बात क्या करेंगे, जिस समय 28 दिन में जब सब नये-नये साथी थे, हमारे खानदान से कोई राजनीति में नहीं था, तब ये लोग आए और कितनी तिकड़म रचीं, तब तो कुछ नहीं बिगाड़ पाए। उसके बाद अरविन्द केजरीवाल जी की आज 67 सीट, उसके बाद 62 सीट और उसके बाद पंजाब। अब तो गुजरात में लोग चाहते हैं कि आज चुनाव हुआ, आज ही वोटिंग कर दें और आम आदमी पार्टी की सरकार बने, जिससे ये भाजपा के लोग बौखला गए हैं और अपनी तानाशाही पर उतर गए है। आज जिस तरह से एलजी साहब ने सीबीआई जांच के लिये लिखा, बहुत अच्छा काम किया। वो भ्रष्टाचार के विरोध में काम कर रहे हैं, भ्रष्टाचार से लड़ने के लिये काम कर रहे हैं। मैं एलजी साहब जी के लिये दो-चार फाइलें लेकर आई हूं आज। आज इस सदन के माध्यम से उनके पास भेजना भी चाहती हूं। ये फाइल है, जब एलजी साहब तुरंत दिल्ली में आए थे और जब हमारे कुछ 10 विधायक हम मिलने गए थे तो हम में बड़ा उत्साह था कि अब

कुछ काम होगा, अब लगता है दिल्ली में कुछ नये तरीके स काम होगा। अब दिल्ली के कामों में रुकावट नहीं आएगी, बहुत सारी एमसीडी की समस्या, आप सबने रखी थी जिसमें अध्यक्षा जी आप भी थी। बहुत सारे साथियों ने डीडीए की समस्या रखी थी, बहुत सारे साथियों ने लॉ एंड ऑर्डर को लेकर समस्या रखी थी, उसमें मैं भी थी। लिखित रूप में हम सबने दिया था। आज उसमें से एक काम कोई भी साथी बता दे जो किसी का हो गया हो, किसी भी साथी का एक काम हो गया हो। आज एलजी साहब को काम की चिंता नहीं है, दिल्ली की चिंता नहीं है, दिल्ली के लोगों की काम की चिंता नहीं है। आज एमसीडी को जिस तरह से धवस्त किया गया। आज हर गलियाँ टूटी-फूटी, गड्ढे हैं, कितने रिक्शा रोज गिर रहे हैं एमसीडी की गलियों में। कहा था हम करोड़ों रुपये फंड लेकर आ रहे हैं, एमसीडी को डायरेक्ट कमिश्नर को देंगे फंड, हर गलियाँ बन जाएगी। एलजी साहब हमारे एरिया में आए थे, उस एरिया की सीपी ब्लॉक वाला एरिया है, वो एरिया की गड्ढ़े जगह-जगह गड्ढे और इतने रोड़ खराब, इतना रोड़ खराब है।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए, कम्पलीट कीजिए मैडम।

श्रीमती बंदना कुमारीः वहां पर रोड की बहुत बुरी स्थिति है। वहां की आरडब्ल्यूए जबरदस्ती घुसकर उनसे मिलने गए और उनसे कहा सर ये रोड की स्थिति देख लो, ये रोड कब ठीक करवाओगे। कर रहा हूं, कर रहा हूं आज तक नहीं हुआ वो काम। आज तक नहीं हुआ और जो illegal liquor shop को लेकर लगातार कम से कम 2021 तक की फाइल, 2021 से फाइल है ये। और लगातार complaint मैं दे रही हूं, पुलिस कमिश्नर को, एमसीडी कमिश्नर को और साथ में एलजी साहब को भी। लेकिन आज तक कोई illegal liquor

shop बंद नहीं हुआ। किसकी पनाह पर चल रही है वो। शायद उसी को बढ़ावा देने के लिये ये बार-बार, बार-बार कह रहे हैं जो शराब में बेईमानी हो गई, शराब में लूट हो गई, इसमें घोटाला हो गया, फर्जीवाड़ा हो गया। तो मैं इस सदन के माध्यम सेये जानना चाहती हूं कि इन फाइलों पर कार्रवाई कब होगी। डीडीए के दो-चार बहुत ही ज्वलंत मुद्दे हैं।

माननीया अध्यक्षः चलिये बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती बंदना कुमारीः लोगों के मुद्दे हैं। इस पर एलजी साहब कब कार्रवाई करेंगे और जो संबंधित अधिकारी हैं, जो संबंधित लोग है। क्योंकि डीडीए में तो अभी हमारे सारे चुने हुए सांसद है। वो आकर शाम को टीवी पर बैठकर जो उल्लूल-जल्लुल कुछ भी बक देते हैं जिसका कोई आधार नहीं है, जिसका कोई मतलब नहीं है, उनसे एक बार, एक word पूछा जाए सांसदों से, तुम्हारा काम क्या है, आप चुनकर आए हो, आप क्या काम किए हो। दस विधान सभा में आपने क्या-क्या काम किया है, उनको खुद ही नहीं पता।

माननीया अध्यक्षः चलिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती बंदना कुमारीः लेकिन सिर्फ बेवजह ये भाजपा, बेवजह से अपनी तानाशाही से, जिस तरह से दिल्ली के लोगों को, दिल्ली के विधायकों को, दिल्ली के मंत्री को और हमारे मुख्यमंत्री जी को कमजोर करने की कोशिश करेगी तो ये कमजोर होने वाले हम सब नहीं है। ऋतु भाई ने सही कहा जो ये पार्टी, ये आंदोलन, ये सब हमने खड़ा किया है और हमारी पार्टी हम सबने, कोई विरासत में नहीं मिला है, हम सबने मिलकर बनाया है और इसकी रक्षा करना, इसको ताकत देना हम सबकी जिम्मेदारी है। तो हम इनकी गीदड़-भभकियों से डरने

वाले नहीं है। हम इसी ताकत के साथ और दुगुनी ताकत के साथ हम काम करते रहेंगे और आगे दिल्ली की जनता के लिये जितनी भी रूकावटें आएं, कौन से काम में दिल्ली में रूकावट नहीं आई।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती बंदना कुमारीः सारे काम को हमने वन बाई वन किया है।

माननीया अध्यक्षः बैठिये बंदना जी।

श्रीमती बंदना कुमारीः और आगे भी इसी ताकत से करते रहेंगे एक लास्ट मैसेज, अगर हम विधायकों में से, हम मंत्रियों में से कोई गलती करता है तो सबसे पहले कोई सजा देगा तो हमारे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी हैं जो सजा दे सकते हैं, वो एक सेकंड बर्दाश्त ही नहीं करेंगे जो कोई गलत काम हो गया, क्योंकि भ्रष्टाचार word का जन्म अगर किसी ने दिया है तो वो अरविंद केजरीवाल जी ने। भ्रष्टाचार को खत्म करने को कोई संकल्प लिया है तो वो अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने लिया है, जय हिंद, जय भारत।

माननीया अध्यक्षः प्रवीण कुमार देशमुख जी।

श्री प्रवीण कुमारः माननीया अध्यक्ष महोदया, बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे इस विषय पर बोलने का मौका दिया और ये विषय इतना गम्भीर है कि एक बहुत बड़ी पूरी तरीके की साजिश रची जा रही है और किसी तरीके से पूरे हिन्दुस्तान में कमल खिलाने की और जबरदस्ती कमल खिलाने की कोशिश की जा रही है, जबकि इनको, जब पिछला चुनाव हुआ था लोकसभा चुनाव, इनको जनता ने बहुमत दे ही दिया था लेकिन उसके बाद भी इनका

पेट नहीं भरा और इसके बाद भी इन्हें लगातार जबरदस्ती जो है कमल खिलाने की कोशिश जो है वो पूरे देशभर में अलग-अलग राज्यों में कर रहे हैं। उसके तहत इन्होंने महाराष्ट्र में कोशिश की। वो उनकी successful हो गई। उसके बाद इन्होंने, उससे पहले इन्होंने मध्यप्रदेश में कोशिश की, वो उनकी successful हो गई। और अलग-अलग राज्यों में ये लगातार कोशिश कर रहे है। और हर जगह इनकी जहां कोशिश करते हैं वहां successful हो जाती है, इनकी कोशिश। लेकिन इनको बहुत पीड़ा होती है, बहुत जलन होती है कि ये जब-जब दिल्ली में ऑपरेशन लोटस चलाते हैं, इनका पूरा ऑपरेशन फेल हो जाता है। ये पहली बार नहीं हुआ कि इन्होंने ऑपरेशन लोटस जो है वो दिल्ली के विधायकों के ऊपर, दिल्ली के मंत्रियों के ऊपर, दिल्ली की सरकार के ऊपर ऑपरेशन लोटस इन्होंने पहली बार चलाया हो। मुझे याद है 2013 में जब आम आदमी पार्टी सरकार बनी और अरविंद केजरीवाल जी जब मुख्यमंत्री बने उस समय हमारे महज 28 एमएलए थे। उस समय 28 विधायक थे और भारतीय जनता पार्टी के पास 32 विधायक थे। उस समय इनको महज जो है 3-4 एमएलए चाहिये थे और इन्होंने पूरा सामदाम-दंड भेद सबकुछ लगा लिया जो-जो राजनीति में हो सकता है, वो सबकुछ लगा दिया। हमारे कई सारे विधायक साथी यहां बैठे हुए हैं उन्होंने अपनी बात भी बताई और अभी जैसे ऋतुराज भाई ने भी बताया कि कैसे दिनेश मोहनिया जी के पास भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाधयक्ष पहुंचे, ऑफर लेकर। तो मैं सलाम करना चाहूंगा दिनेश मोहनिया जी को इस सदन के माध्यम से कि उन्होंने जिगरा दिखाते हुए, उस बंदे की पूरी रिकोर्डिंग कर ली और रिकोर्डिंग जो है पूरी पब्लिक कर दी और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी का ऑपरेशन लोटस पूरी तरीके से नाकाम हो गया। कल मैं अखिलेश

भाई से बात कर रहा था । अखिलेश त्रिपाठी जी बता रहे थे कैसे बंगला साहिब ग्ररुद्वारा था अखिलेश जी। बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास एक गाड़ी में इनकी जो 5-6 बार के विधायक है मुखी जी, उनके बेटे इनके पास ऑफर लेकर आए, इनसे वार्तालाप की और इनको उस समय खरीदने की कोशिश की। अभी बंदना जी ने बताया, मदन लाल जी ने बताया, उनकी उस समय की पीड़ा। उस समय हमारे महज 28 एमएलए थे और भारतीय जनता पार्टी के पास 32 एमएलए थे। लेकिन उसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी हमारे महज जो 4-5 जो एमएलए चाहिये थे उन्हें भी वो नहीं तोड़ पाई। हमारे विधायकों ने ऑपरेशन लोटस को 2013 में दिल्ली में नाकाम कर दिया। दिल्ली में ऑपरेशन लोटस 2013 में फेल हो गया। मैं सलाम करना चाहता हूं उन 28 विधायकों को जो लगातार पार्टी के साथ रहे और उस मुश्किल समय में भी आम आदमी पार्टी का साथ दिया, अरविंद केजरीवाल जी का नाम ऊंचा किया और उसी के कारण आज आम आदमी पार्टी आज यहां तक पहुंच पाई है। उसी के कारण अरविंद केजरीवाल जी पहली बार, दूसरी बार और तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। ये इनको जलन है, असलियत में भारतीय जनता पार्टी को जलन है कि आखिर दिल्ली में जो है उनका ऑपरेशन लोटस कैसे successful नहीं हो पाता। इन्हें फिर दूसरी बार जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी 67 एमएलए के साथ। इन्हें दुबारा 67 एमएलए तो बहुत होते हैं, इन्होंने दुबारा जो है दिल्ली में कमल खिलाने की कोशिश की। हमारे 67 एमएलए थे, इन्होंने पूरी साजिश रची, हमारे 21 एमएलए पार्लियामेंट्री सेक्रेटरी बनाए गए। इन्होंने पूरी तरीके से षड्यंत्र रचा। पूरी तरीके से इलैक्शन कमिशन को अपने हाथ में लेकर रातोंरात, राष्ट्रपति जी से साइन कराकर, हमारे 21 एमएलए की सदस्यता रद्द कर दी और इसके

बाद इन्हें लगा की ये 21 एलएलए की सदस्यता रद्द करने के बाद बाकी को तो ये खरीद लेंगे और उसके बाद दिल्ली में फिर से कमल खिलेगा। मेरे पास भी इनके पूर्व अध्यक्ष बोलते रहते हैं नाम ले लीजिए, नाम ले लीजिए, नाम ले लीजिए अरे नाम ले लिया, करा क्या। वो डागर जी का नाम जो है दिनेश मोहनिया जी ने लिया था, कुछ हुआ, जगदीश मुखी जी जनाब क्या जेल के अंदर है वो। कहाँ है वो, जेल के अंदर तो नहीं गए। नाम लिये और फिर भी उनको प्रमोशन दे देते हैं और उनको गवर्नर बना दिया, गवर्नर बना दिया वाह। तो ये जो ऑपरेशन लोटस, जिसको जिम्मेदारी दी जाती है, अगर उनका नाम भी ले लिया जाए तो उसको प्रमोशन दे दिया जाता है।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए।

श्री प्रवीण कुमारः वैसे इनके, अभी तो कन्कलुड थोड़ा सा 2024 में करना है, थोड़ा समय है, तब तक इनके पास समय है। तो ऐसे जगदीश मुखी जी को इन्होंने गवर्नर बना दिया। तो अभी जब मैं बता रहा था कि मेरे पास इन्होंने एक संदेशा भिजवाया, जब हम 21 एमएलए जब पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी बने उस समय मुझसे कहा कि आप भारतीय जनता पार्टी में आ जाइये, ये जो आपके और बाकी एमएलए से भी बात कर लीजिए। आपका ये जो 21 एमएलए वाला केस है अपने आप खत्म कर देंगें हम और सदस्यता बहाल कर देंगे। लेकिन हमारे साथी, मैंने खैर उनको साफ इंकार कर दिया और हमारे साथी मुझे पता था बिकने वाले नहीं है और ऑपरेशन लोटस जो है वो दिल्ली में इनका दूसरी बार फेल हो गया और अब तीसरी बार इनके पास मौका था। आम आदमी पार्टी की सरकार 2020 में दुबारा चुनाव हुआ।

और आम आदमी पार्टी की सरकार 2020 में पूरी बहुमत के साथ 62 विधायकों के साथ 2020 में दोबारा अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गये। इनकी जलन और बढ़ गई कि दो बार जो है फेल हो चुका और तीसरी बार अरविंद केजरीवाल फिर मुख्यमंत्री बन गये, ये जलन का किस्सा है। अब मैं आपको बताता हूं जलन किस हद तक जा सकती है। ये इनकी जलन जो है और बढ़ गई कि अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गये और जिन लोगों को कल कोई पूछता नहीं था आज दिल्ली के लोग उन्हें प्यार कर रहे हैं, मोहोब्बत कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी को सिरे से नकार रहे हैं ये इनके ऊपर जलन थी और ऑपरेशन लोटस फिर दोबारा इन्होंने दिल्ली में चलाने की कोशिश की जो उप-मुख्यमंत्री मनोज सिसोदिया जी के ऊपर जो है जो इन्होंने सीबीआई रेड भेजी। पहली बार सीबीआई रेड नहीं हुई है, इससे पहले भी मुख्यमंत्री जी के ऊपर उप-मुख्यमंत्री पर हमारे विधायकों के ऊपर कई बार जो है इन्होंने झूठे-झूठे केस लगा-लगाकर इन्होंने फंसाने की कोशिश की और हर बार यही बोलते थे कि भारतीय जनता पार्टी में आ जाओ ये सारे केस खत्म हो जायेंगे। अमानत भाई को तो ठब तक कर दिया लेकिन हमारे विधायक डरे नहीं और आज जब इन्होंने सीबीआई रेड करी मनीष सिसोदिया के ऊपर तो इन्होंने गलत व्यक्ति के ऊपर हाथ डाल दिया एक्चुली। इन्होंने गलत व्यक्ति के ऊपर हाथ डाल लिया और आज इनका पूरा ऑपरेशन लोटस जो है पूरी तरीके से दिल्ली में खुलासा हो चुका है, नाकामयाब हो चुका है। हमारे चार विधायकों ने अभी प्रेस कान्फ्रैन्स की कि किस तरीके से 20-20 करोड़ रुपये की ऑफर जो है इन विधायकों के पास दी। अभी तक जो है कल मुख्यमंत्री जी की PC सुन रहा था। अभी तक 12 एमएलएज़ के पास ये ऑफर भेज

चुके हैं इनको पूरी तरीके से टारगेट है, पूरी तरीके से इनकी कोशिश है कि दिल्ली में किसी तरीके से 40 एमएलए तोड़कर सरकार गिरा दी जाये लेकिन इनकी नापाक कोशिश जो है दिल्ली में काबयाब नहीं हो पा रही और आज ये इनका पासा जो है इनके ऊपर उल्टा पड़ रहा है।

माननीया अध्यक्षः चलिये, बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री प्रवीन कुमारः और आज इनकी जलन जो है लगातार बढ़ती जा रही है एक मिनट अध्यक्षा जी।

माननीया अध्यक्षः धन्यवाद विधायक जी।

श्री प्रवीन कुमारः एक मिनट–एक मिनट, दो मिनट लूंगा बस दो सैक्रंड। तो आज इनकी जलन जो है वो फिर दुगनी हो गई है और ये जलन जो है लगातार और बढ़ रही है। अध्यक्ष महोदया ये भारतीय जनता पार्टी नहीं भुनी–जली पार्टी, भारतीय जनता पार्टी नहीं है भुनी–जली पार्टी है क्योंकि इनकी जलन इतनी ज्यादा बढ़ गई है, जली–भुनी पार्टी होती है ना वही है भुनी–जली पार्टी।

माननीया अध्यक्षः चलिये, प्रवीन जी बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री प्रवीन कुमारः अध्यक्ष महोदया।

माननीया अध्यक्षः बहुत वक्ता हैं।

श्री प्रवीन कुमारः एक–एक–एक लाइन बस एक लाइन बस एक लाइन।

माननीया अध्यक्षः बहुत वक्ता हैं।

श्री प्रवीन कुमारः जलन पर ही आ रहा हूं एक लाइन दोबारा तो मैं इनको भारतीय जनता पार्टी को कहना चाहता हूं कि जलो मत बराबरी करो और दो लाइन मुझे याद आ रही है इसी के ऊपर किः

ष्लोग सिर्फ आग से नहीं जलते

लोग सिर्फ आग से नहीं जलते,

भारतीय जनता पार्टी वाले और

कुछ लोग तो हमारे अंदाज़ से भी जलते हैं।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। प्रमिला टोकस जी, प्रमिला टोकस जी।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, दिल्ली दिलवालों की, इन्होंने 13 पोस्टमार्टम किये और ये चोदहवां दिल्ली पर करना चाह रहे थे पर इनको ये नहीं पता था दिल्ली वालों का दिल्ली धड़कता हुआ उनको मिल गया और धड़कनें चल रही थीं उनका वो पोस्टमार्टम हुआ नहीं। मैं बताती हूं कि उन्होंने ये आज पहली बार नहीं किया उन्होंने 2004 से ये दूसरी सरकारें जो बनी हुई हैं या सरकार चली हुई हैं उनको तोड़कर अपनी सरकार बनाई। 2004 से हिमाचल प्रदेश में चुनी हुई सरकार को तोड़कर इन्होंने अपनी सरकार बनाई। उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार थी कांग्रेस की सरकार को गिराकर इन्होंने अपनी सरकार बनाई। उत्तराखंड में अध्यक्ष जी कांग्रेस की सरकार थी चार साल में उनका कार्यकाल खत्म करके उन्होंने वहां पर चार साल में ही निबटा दिया। हिमाचल प्रदेश में 2016 की

बात है ये हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार थी, कांग्रेस की चुनी हुई सरकार को गिराकर भाजपा की सरकार उन्होंने वहां बनाई। 2017 में मणिपुर में कांग्रेस की चुनी हुई सरकार थी उसको गिराकर उन्होंने वहां अपनी सरकार बनाई। 2017 में ही गोवा में कांग्रेस की सरकार थी वहां पर भी इन्होंने अपनी सरकार बनाई। बिहार में 2017 की ही बात है बिहार में भी भाजपा ने अपनी सरकार बनाई। 2018 मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी वहां पर भी इन्होंने अपनी सरकार बनाई। मेघालय 2018 की ही बात है वहां पर भी इन्होंने चुनी हुई सरकार को गिराकर अपनी सरकार बनाई। 2019 कर्नाटका में कांग्रेस की चुनी हुई सरकार थी उसको गिराकर अपनी सरकार बनाई और अध्यक्ष जी, 2019 में ही सिक्किम में भाजपा का एक भी एमएलए नहीं चुना गया वहां पर इनकी जमानत जब्त हो गई और फिर भी इन्होंने अपनी सरकार बनाई। मुझे लगता है कि इन्होंने हमारे तो यहां पर 62 एमएलए हैं इनके 8 एमएलए हैं शायद वो मानसिकता इनकी यहां पर नज़र आ रही है कि सिक्किम में एक भी इनका एमएलए नहीं था जमानत जब्त हो गई तब इन्होंने सरकार बना ली। उसी मानसिकता के अनुसार अभी मैंने बताया दिल्ली है दिलवालों की, यहां पोस्टमार्टम हो नहीं पाया क्योंकि दिल धड़कता हुआ मिल गया उनको, दिल्ली का,जो चुनी हुई सरकार है 2021 में पांडुचेरी में भी इन्होंने अपनी सरकार बनाई, चुनी हुई सरकार को गिराकर अपनी सरकार बनाई और 2022 में महाराष्ट्र में तो सभी देख रहे हैं कि किस प्रकार से इन्होंने क्या काम किया है, चुनी हुई सरकार को गिराकर एक ही पार्टी के दो गुट बना दिये और मुझे लगता है कहीं ना कहीं वो दिल्ली में भी आम आदमी के दो गुट बनाना चाहते थे। किस प्रकार से हमारी दिल्ली में काम हुये हैं। हमारे माननीय उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

जी के घर पर जिस प्रकार से सीबीआई का छापा लगाया। उन्होंने जिस प्रकार से अपने जीजाजी वहां भेजे और वहां पर कुछ मिला नहीं अब कह रहे हैं जीजाजी को इतना अनुभव नहीं होगा शायद तो अब फुफाजी को भेजेंगे। अब पहले तो जीजाजी को भेजा उन्होंने जीजाजी को कुछ मिला नहीं वहां पर अब वो कह रहे हैं फुफाजी को भेजेंगे शायद वो बड़े हैं उनको एक्सपीरियन्स ज्यादा होगा अब फुफाजी की बारी है अब आने की। किस प्रकार से तंग किया जाये। जिस प्रकार से शिक्षा में काम हुआ दिल्ली में, दिल्ली में क्या इसकी चर्चा पूरे देश-विदेश में हो रही है और अध्यक्ष जी मैं अपनी विधानसभा की बात बताती हूं, मेरी विधानसभा में टैगोर इन्टरनेशनल स्कूल है और वहां पर क्लास-1 ऑफिसर की बीवी अपनी लड़की को वहां पढ़ाती थी उसने मुझे बताया कि मैंने अपनी बच्ची को प्राइवेट स्कूल से निकालकर तुम्हारे दिल्ली सरकार के स्कूल में कराया।

माननीया अध्यक्षः कम्प्लीट कीजिये, प्रमिला जी कम्प्लीट कीजिये आज समय बहुत कम है वक्ता बहुत ज्यादा हैं।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः अध्यक्ष जी, ये गलत बात है जब मैं बोलती हूं तभी आपको लगता है कि खत्म करिये, खत्म करिये।

माननीया अध्यक्षः नहीं आज आप बहुत अच्छा बोल रही हैं।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः अभी फुफा तो आया भी नहीं है अभी, अभी तो जीजा ही आया है मतलब ऐसे समय।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः समय खराब ना करें विषय पर रहें।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः अध्यक्ष जी, जिस प्रकार से भाजपा की सरकार दिल्ली सरकार को गिराने का काम कर रही है, ये अनमोल रत्न हैं इनका कोई मोल नहीं है। कहते हैं ना हीरे को जितना तरासोगे उतनी उसकी चमक और निकलेगी तो इसी प्रकार से हमारे विधायक, हमारे मुख्यमंत्री, हमारे उप–मुख्यमंत्री, सारे विधायक अनमोल रत्न हैं, इनका कोई मोल नहीं है ये अनमोल हैं। इसी प्रकार से इनको लगता है कि ये बातें हज़म नहीं हो रहीं जिस प्रकार से शिक्षा में काम हुआ है अध्यक्ष जी, उनको पता है कि बच्चे पढ़ गये, देश का भविष्य है मेरे अंदर जो शब्द हैं, उनके हलक में डंडा दे देंगे उनको ये बेरा है कि बच्चे पढ़ गये और उन्होंने सवाल पूछने शुरू कर दिये, उनके हलक में डंडा देंगे फिर इसलिये वो चाहते हैं कि बच्चे ना पढ़े, उनसे सवाल ना पूछे और अब पता है उनको चिंता किस चीज़ की है, उनको पता है गुजरात, गुजरात से डर रहे हैं कि गुजरात में आम आदमी पार्टी आ गई तो भाजपा के जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री हैं उनका क्या हाल होगा। वो बौखलाये इस चीज़ से हैं, बौखलाये वो गुजरात से हैं, हिमाचल से हैं, राजस्थान से हैं, हरियाणा से हैं उनको बौखलाहट वहां से है कि किस प्रकार से इनको यहां डिस्टर्ब रखो, इनको काम मत करने दो। अगर हमारे मुख्यमंत्री, उप–मुख्यमंत्री अपने स्कूलों में नहीं जायेंगे तो हमारी शिक्षा का वो जो स्तर ऊपर था वो कहीं ना कहीं नीचे आ जायेगा इनकी सोच है वो लेकिन ऐसा होने वाला नहीं है। हमारे कितने विधायकों पर फर्जी केस बनाये, जेल में डाला गया, मेरे ऊपर भी केस बनाया गया भाजपा के कार्यकर्ता के द्वारा तो उसमें कुछ मिला नहीं, कई बनाये अभी तो चल भी रहे हैं, तो वो ये काम कर रहे हैं कि 20–20 करोड़ में हमारे एमएलए को खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। अभी जिस प्रकार से मैंने बताया

हमारे जो एमएलए हैं उनका कोई मोल नहीं है वो अनमोल हैं। जिस प्रकार से दिल्ली की सरकार को गिराने का काम कर रहे हैं कल भी टीवी में दिखा रखे थे कि कुछ एमएलए संपर्क में नहीं हैं, संपर्क में नहीं हैं फिर इनको पता चल गया संपर्क में हैं, सारे संपर्क में हैं अब पता चल गया उनको और अच्छी बात उनको सुनना पंसद नहीं है, अच्छी बातें उनके कानों में जायें वो उनको अच्छा नहीं लगता।

माननीया अध्यक्षः चलिये, धन्यवाद प्रमिला जी कम्पलीट करिये, कम्पलीट करिये।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

माननीया अध्यक्षः आज, आज प्रमिला जी ने बहुत खूबसूरत वक्तव्य दिया, चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी, चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी। सुबह अगर अनुशासन रखते तो समय से लंच हो जाता, आज वक्ता बहुत हैं। चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी।

श्री सुरेन्द्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी।

माननीया अध्यक्षः समय का ध्यान रखियेगा।

श्री सुरेन्द्र कुमारः आपने एक विशेष।

माननीया अध्यक्षः जरनैल जी गलत बात बार-बार टिप्पणी मत करो।

श्री सुरेन्द्र कुमारः आपने मुझे इस विषय पर बोलने का मौका दिया आपका धन्यवाद देता हूं। आज दिल्ली सरकार के आदरणीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

जी को इस देश में ही नहीं पूरे वर्ल्ड में विश्वविख्यात मुख्यमंत्री के नाम से जाना जाता है और उसी के साथ–साथ हमारे शिक्षा मंत्री को भी इस वर्ल्ड का विश्वविख्यात के नाम से शिक्षा मंत्री जाना जाता है। इस माध्यम से मैं आपसे अभी सभी अपने वक्ताओं में आदरणीय हमारे सभी विधायकों ने न्यूयार्क टाइम्स की बात रखी लेकिन इससे पहले भी देश–विदेश के तमाम मिनिस्टर, प्राइम मिनिस्टर, राष्ट्रपति तमाम हमारे स्कूलों में, तमाम मोहल्ला क्लीनिक में सब देखने इधर आये और सभी ने अपने देश में जाकर दिल्ली के विकास मॉडल की चर्चा की। उन्होंने देखा कि दिल्ली के विकास मॉडल को वास्तव में हमें भी इस मॉडल को अपने देश में लागू करना चाहिये या शिक्षा का मॉडल हो या आपका स्वास्थ्य का मॉडल हो या मोहल्ला क्लीनिक हो या हमारे डीटीसी का तमाम जो विकास मॉडल लागू हुये। तो मेरा कहने का तात्पर्य है अध्यक्ष जी, आज दिल्ली के विकास मॉडल की चर्चा भारतीय जनता पार्टी के लोग भी करते हैं। अंदर से वो कहते हैं, उनकी पार्टी के कार्यकर्ता कहते हैं कि केजरीवाल जी काम तो अच्छा कर रहे हैं लेकिन हम उनको सहन नहीं कर पा रहे ये हमारा सबसे बड़ा दुःख है क्योंकि मैं बताना चाहता हूं कि आज हमारी पार्टी मज़हब, जाति और धर्म और दल से उठकर दिल्ली के प्रदेशों की जनता का काम करती है। हम कहीं भी, हमारे आदरणीय मंत्री हों या हमारे साथी विधायक हों।

इन सभी चीजों से उठकर क्योंकि हम सब लोग इस बात पर कभी ध्यान नहीं देते की किस मजहब का है किस पार्टी का है किस दल से किस जाति से संबंधित रखता हो उसकी चर्चा पूरे देश में की जाती है। यदि हम सब काम करते हैं तो सभी पार्टी के लोगों का काम करते हैं और जब काम करते हैं

तो निश्चित तौर से क्योंकि भारतीय जनता पार्टी तो धर्म की और मजहब की राजनीति करती है और इस धर्म की राजनीति को लेकर वो तमाम विषयों पर गिर जाती है उनकी चर्चा होती है लेकिन आज तमाम हमारे विधायकों को जो 800 करोड़ में खरीदने का जो उन्होंने ऐलान किया, उन्होंने प्रयास किया तो निश्चित तौर से उन्होंने ये कहा कि हम दिल्ली के 40 विधायकों को खरीदकर 800 करोड़ रुपये खर्च करके हम यहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे और भारतीय जनता पार्टी गुजरात के हमारे 40 परसेंट आज हमारा वोट गुजरात के अंदर आम आदमी पार्टी के साथ खड़ा हो गया और इसको देखकर कांग्रेस भी घबराई हुई है। कांग्रेस को छोड़कर हम आज वहां सेक्रंड लीडरशिप आज गुजरात में आम आदमी पार्टी की है क्योंकि उसके घर में अमित शाह का भी घर गुजरात है और आपके मोदी जी का भी गुजरात है, उनके घर में उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि आम आदमी पार्टी हमारे घर में डाका डाल रही है। लेकिन बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर ने कहा कि देश में कोई स्थाई सरकार नहीं होती सरकार समय-समय पर जनता के द्वारा जो सरकार चुनी जाती है वह स्थाई सरकार होती है, वो कभी भी गिराई जा सकती है। जनता के हक में जो सरकार काम करती है जनता उसको वोट देती है, उसको बनाने का काम करती है। बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के इस संविधान को लेकर आदरणीय सीएम साहब अपनी सरकार को बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के इस संविधान के तहत चलाने का जो काम कर रहे हैं, इस देश के सब समाज के लोगों को इस बात का गर्व होता है लेकिन भारतीय जनता पार्टी इस बात पर चिढ़ती है और वो अपने को ठगा सा महसूस करने की कोशिश करती है।

माननीया अध्यक्षः आप कंप्लीट कीजिए।

श्री सुरेंद्र सिंहः तो आपसे मैं यह कहना चाहता हूं कि आदरणीय मोदी जी हमारे जो दिल्ली के विकास का जो मॉडल है और जो दिल्ली का जो शिक्षा का मॉडल हैं, मैं भी उत्तर प्रदेश में कई बार गया, कई बार स्कूल देखे, हमने देखा कि कहीं टीचर नहीं है, कहीं कमरे नहीं हैं, कहीं छत नहीं है, कहीं पानी नहीं है, कहीं बिजली नहीं है, इन तमाम चीजों को देखकर, वो अपने घर को नहीं देख रहे हैं लेकिन वो केजरीवाल जी के घर में झांकने की कोशिश कर रहे हैं। यह दिल्ली के घर में झांकने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उनको यहां कुछ मिलने वाला नहीं है इसलिए मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि हम सब मिलकर केवल-केवल हम मनीष सिसोदिया जी का हम साथ देंगे तन से, मन से, धन से हमारा खून भी चाहिए तो हम आदरणीय अपनी सरकार को देने का काम करेंगे, इन शब्दों के साथ सभी को मेरा जयहिन्द, सभी को जय भीम।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद, रोहित मेहरोलिया जी।

श्री रोहित कुमारः बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्षा जी, आपने इतनी महत्वपूर्ण चर्चा में मुझे अपनी बात कहने का अवसर दिया।

माननीया अध्यक्षः 5 मिनट में खत्म कीजिएगा।

श्री रोहित कुमारः बिलकुल मैं 5 मिनट में कोशिश करूंगा लेकिन एक दो मिनट फालतू हो जाएं तो प्लीज मौका दीजिएगा। दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री और विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षा मंत्री जिन्होंने दिल्ली के अंदर शिक्षा व्यवस्था को एक अलग आयाम तक पहुंचाने का काम किया। गरीबों के, दलितों के, वंचितों के बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने का अवसर दिया, न केवल बच्चों को अच्छी

शिक्षा मिल रही है क्वालिटी ऑफ एजुकेशन जिसकी हम बात करते हैं वो मिल रही है बल्कि उनके माता-पिता को पूरे सम्मान के साथ में सर उठाकर जीने का अवसर भी दिया और ऐसे शिक्षा मंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी के खिलाफ केन्द्र सरकार द्वारा, मोदी जी द्वारा जो साजिशें रची जा रही हैं वो पूरा देश देख रहा है कि आज 7 दिन हो गये हैं सीबीआई के छापे को लेकिन इन 7 दिनों के अंदर सीबीआई या केन्द्र सरकार यह नहीं बता पाई कि मनीष जी के यहां पर हमें क्या मिला। अगर बात करें अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के अंदर, जब भी कभी अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खबरें छपती थीं तो ज्यादातर में भारत की छवि धूमिल होती जा रही थी, आलोचना वाली खबरें ज्यादा छपती थीं। बात करें कोरोना महामारी के दौरान गंगा में बहती लाशों की, वो तस्वीरें जिसमें उन लाशों को कुत्ते-बिल्ली नोचकर खा रहे थे, गिद्ध खा रहे थे, उसकी तस्वीरें छपी जिससे पूरे देश को शर्मशार होना पड़ा। किसान आंदोलन के दौरान 700 से ज्यादा किसानों ने अपनी शहादत दे दी। उसको लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में मोदी जी की केन्द्र सरकार की थू-थू हुई और ग्लोबल हंगर इंडेक्स की अगर बात करें तो भारत पाकिस्तान से भी पीछे चला गया भुखमरी में देश की येहालतहो गई। ऐसी स्थिति में जहां भारत की छवि लगातार धूमिल हो रही थी, अचानक से आज भारत को गौरवान्वित होने का मौका मिलता है जब न्यूयार्क टाइम्स के अंदर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के दिल्ली मॉडल की शिक्षा व्यवस्था की तारीफों में कसीदे कसे जाते हैं और माननीय उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी का फोटो वहां छपता है तो वहीं से कहीं न कहीं बैचेनी माननीय प्रधानमंत्री जी के दिल में शुरू हो गई और आज ये तमाम जितना भी पाखंड रचा जा रहा है सीबीआई, ईडी द्वारा परेशान करने का माननीय

उप-मुख्यमंत्री जी को, ये उसी का एक हिस्सा है और मैं बड़ी जिम्मेदारी के साथ में यह कहना चाहता हूं कि देश की जनता ने मोदी जी को, भारतीय जनता पार्टी को बड़ी उम्मीदों के साथ में मौका दिया था देश की सत्ता सौंपकर कि आप महंगाई कम करेंगे, महिलाओं को सुरक्षा देंगे, नौजवानों को रोजगार देंगे, दलितों और वंचितों को उन पर हो रहे अत्याचारों को कम करेंगे लेकिन बड़े दुख का विषय है कि मोदी जी की सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरीके से फेल हुई है और आज माननीय मोदी जी की चिंता का जो सबसे मूल कारण जो मुझे नजर आता है वो दो कारण हैं। सबसे पहला कि जो हर मोर्चे पर केन्द्र सरकार फेल होती नजर आ रही है चाहे बात करें नौजवानों को रोजगार मिलने की, किसानों को फसल का दाम मिलने की, महिलाओं को सुरक्षा मिलने की, दलितों आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों की, अभी मैं बताऊँ, राजस्थान के जालौर में मैं होकर आया हूं साढ़े सात सौ किलोमीटर दूर एक दलित समाज के बच्चे को उसके शिक्षक ने केवल इसलिए मार दिया कि उसने उनके मटक्र से पानी पीने का दुस्साहस कर दिया था। आज ये दलितों के साथ हो रहा है। मोदी जी उस पर काम नहीं कर रहे उसमें नहीं सोच रहे हैं। तो आज मोदी जी की चिंता का सबसे मूल कारण क्या है नंबर (1)-कि तमाम मोर्चों पर उनकी सरकार विफल हो गई है और दूसरा कारण अरविंद केजरीवाल जी की देशभर में बढ़ती लोकप्रियता, आज ये दो मूल कारण मुझे नजर आते हैं। आम आदमी पार्टी का जनाधार तेजी से तमाम राज्यों में बढ़ रहा है। दिल्ली और पंजाब के बाद तमाम राज्यों के अंदर आज अंडर करंट चल रहा है कि हमें भी ईमानदार सरकार चाहिए, हमें भी अपने स्कूल ठीक कराने हैं, हमें भी अपने यहां मोहल्ला क्लीनिक खुलवाने हैं, हमें भी ईमानदार सरकार चाहिए तो

आज ये बौखलाए हुए हैं, घबराए हुए हैं। माननीय अध्यक्षा जी, आज तमाम तरह के षड़यंत्र रचे जा रहे हैं जैसे अन्य राज्यों में इन्होंने करा है, चाहे गोवा की बात करें, चाहे मध्य प्रदेश की बात करें अभी महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे को देखा आपने तो सोच रहे थे कि शायद मनीष जी एकनाथ शिंदे बन जाएंगे लेकिन उनका षड़यंत्र यहां पर कामयाब नहीं हो पाया और उनका जो ऑपरेशन लोटस है यहां पर पूरी तरह फेल हो गया। एक बहुत महत्वपूर्ण बात मैं यहां पर जोड़ना चाहूंगा कि जब हम बच्चे थे, पढ़ा करते थे स्कूलों में तो हमारे मास्टर जी हमें पढ़ाया करते थे कि हमारा भारत एक लोकतांत्रिक देश है, यहां पर जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करके अपनी सरकार, अपना जनप्रतिनिधि चुनती है और हमने भी यही पढ़ा था, हमें लगा सरकार बनाने का केवलयही तरीका है लेकिन आज पूरा देश देख रहा है और हमें एक नई तरह की परंपरा की शुरूआत आज जो भारतीय जनता पार्टी ने की है, माननीय मोदी जी ने की है कि भले ही आपके पास बहुमत हो या न हो, आंकड़े हों या न हों जैसे अभी बहिनजी ने प्रमिला जी ने कितनी लंबी-चौड़ी फेहरिस्त थी यहां पर बताई कि आपका एक विधायक है तब भी आपकी सरकार बन गई एक भी विध ायक नहीं है वहां भी अरुणाचल प्रदेश में और सिक्किम में सरकार बना ली, गोवा में सरकार बना ली तो मुझे लगता है कि बच्चों को पढ़ाने के लिए माननीय शिक्षा मंत्री जी से मैं आग्रह करूंगा कि दिल्ली सरकार की तरफ से प्रस्ताव भेजा जाए एनसीआरटी को कि एक नया पाठ्यक्रम के अंदर अध्याय भी जोड़ा जाए की केवलएक यही तरीका नहीं है सरकार बनाने का, अलोकतांत्रिक तरीके से बगैर आंकड़ों के भी सरकार बनाई जा सकती है। भारतीय जनता पार्टी को वहां पर उसका नाम शामिल किया जाना चाहिए उस पाठ्यक्रम के अंदर वो

एक अध्याय को जोड़ा जाना चाहिए कि अलोकतांत्रिक तरीके से पैसे के दम पर विधायकों की खरीद-फरोख्त करके ईडी और सीबीआई का डर दिखाकर भी सरकार बनाई जा सकती है ये बच्चों को पढ़ाया जाना चाहिए ताकि जब वो बच्चे बड़े हों, आने वाले समय में जब अपने मताधिकार का प्रयोग करने जायें, जब अपना वोट डालने जाएं तो इन तमाम बातों को उन बच्चों को बोध होना चाहिए, ज्ञान होना चाहिए।

माननीया अध्यक्षः चलिये कंप्लीट कीजिए।

श्री रोहित कुमारः मैं अपनी बात कंप्लीट करना चाह रहा हूं। माननीया अध्यक्षजी अगर भ्रष्टाचार की हम बात करें कि अब जो अनर्गल आरोप जो लगाये गये हैं दिल्ली सरकार पर और माननीय उप-मुख्यमंत्री जी को मैं सल्यूट करना चाहूंगा कि जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की तरफ से जो प्रस्ताव उनको आया कि आप हमारे साथ आ जाइये, पार्टी को तोड़ लीजिए आपको मुख्यमंत्री बना देंगे, मैं सल्यूट करना चाहूंगा कि उन्होंने उनके प्रस्ताव को लात मार दी और उसके बाद में तमाम विधायक साथियों को भी इस तरह का प्रलोभन देने का प्रयास किया गया और जिस भ्रष्टाचार की ये बात कर रहे हैं कि जो शराब के अंदर घोटालों में ये नाटक करने में लगे हुए हैं पहली बात तो ये खुद ही कन्फ्यूज हैं, इनको खुद ही नहीं पता कि भई भ्रष्टाचार हुआ है, कितने का हुआ है। इनके एक नेता मनोज तिवारी कहते हैं जी 8000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार है। इनके दो नेता प्रेस कांफ्रेंस करते हैं कि 1100 करोड़ का भ्रष्टाचार कर लिया मनीष सिसोदिया जी ने उसके बाद में ये मंच लगाकर दिल्ली के अंदर पड़पड़गंज में अभी मंच लगाया इन्होंने इनके तमाम बड़े-बड़े नेता उस मंच में बैठे थे वहां से कह रहे हैं बड़ा-बड़ा लिख दिया कि डेढ़ लाख करोड़

का भ्रष्टाचार हुआ अरे भई 70-75 हजार करोड़ का बजट है दिल्ली का सालाना ये डेढ़ लाख करोड़ का बजट भ्रष्टाचार कहां से हो गया। ये तमाम तरह की बातें की, ये खुद ही कन्फ्यूज हैं और उसके बाद एलजी साहब कहते हैं कि 144 करोड़ रुपये का, 1 करोड़ 44 लाख रुपये का भ्रष्टाचार है। सीबीआई अपनी एफआईआर में लिखती है कि ये मात्र एक करोड़ का भ्रष्टाचार है वो भी दो व्यापारियों के बीच के अंदर लेन-देन हुआ वो भी ट्रांजेक्शन बैंक के द्वारा हुआ चैक के द्वारा वो उसको भ्रष्टाचार बताया जा रहा है तो सीधे-सीधे ये इस बात को दर्शाता है कि आज मोदी जी देश की चिंता को छोड़कर, देश के तमाम मुद्दों को छोड़कर सिर्फ और सिर्फ आम आदमी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं को खरीद-फरोख्त के जरिये ईडी के जरिये तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं तो माननीया अध्यक्षजी मैं अपनी बात खत्म करूंगा और मैं चाहूंगा कि एक मेरा आग्रह आपके माध्यम से मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष, रामवीर सिंह बिधूड़ी जी शायद बाहर बैठकर हमारी बात सुन रहे हों।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिए।

श्री रोहित कुमारः उनसे मेरा आग्रह है। एक आग्रह उन तक पहुंचाना चाहता हूं कि बिधूड़ी साहब एक मेरा मैसेज माननीय मोदी जी तक पहुंचा देना और मेरा मैसेज यह है कि मैं त्रिलोकपुरी जैसी एक पुनर्वास कॉलोनी के अंदर 25-25 गज वाले मकान में अपने परिवार के साथ में रहता हूं, एक गरीब परिवार से आता हूं लेकिन खुद्दार हूं, कट्टर देशभक्त हूं, कट्टर ईमानदार हूं, अपने नेता अरविंद केजरीवाल, अपनी पार्टी आम आदमी पार्टी के साथ मरते दम तक गद्दारी नहीं करूंगा, मरते दम तक गद्दारी नहीं करूंगा बहुत-बहुत धन्यवाद, जयहिन्द जय भारत।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद, लंच के ऊपरांत 2 बजे सदन की पुनः शुरूआत करेंगे लंच की व्यवस्था सदन के दांये और बांये की गई है। सभी साथी भोजन करके 2 बजे मुलाकात करेंगे।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 2 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 2.08 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदया (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं।

माननीया अध्यक्षः श्री विशेष रवि जी।

श्री विशेष रविः धन्यवाद अध्यक्षा जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। अध्यक्षा जी, इस समय देश के अंदर एक खूनी खेल चल रहा है केन्द्र सरकार के द्वारा जिसके अंदर राज्य सरकारों को अलग-अलग मौके पर चिन्हित करके उनको टारगेट करके उन सरकारों को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है और यह खेल पिछले कई सालों से खेला जा रहा है। महाराष्ट्र के अंदर एक प्रयोग हुआ जिसके अंदर एकनाथ शिंदे जी का इस्तेमाल किया गया। मध्य प्रदेश में एक प्रयोग हुआ जिसके अंदर ज्योतिराजे सिंधिया जी का इस्तेमाल हुआ और वैसा ही दिल्ली की सरकार को तोड़ने के लिए ये खेल खेला गया जिसके अंदर हमारे यहां माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी का प्रयोग करने की कोशिश की गई लेकिन दिल्ली अन्य राज्यों से बहुत अलग है, यहां की पार्टी की विचारधारा बाकी अन्य राज्यों से बहुत अलग है, बाकी की पार्टियों से बहुत अलग है इसीलिए यहां भारतीय जनता पार्टी को मुंह की खानी पड़ी और जो उनका लक्ष्य था दिल्ली के अंदर सरकार तोड़ने का, वो कामयाब नहीं

हो पाया। इस समय केन्द्र सरकार के द्वारा एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है देश के अंदर राज्य सरकारों के ऊपर दबाव बनाकर कि या तो वो सरकारें टूटें या तो वो सरकारें खत्म हों या फिर उस सरकार के अंदर बैठे हुए लोग भारतीय जनता पार्टी के अंदर शामिल हो जाएं और वहां हर राज्य के अंदर एक-एक करके जो है भारतीय जनता पार्टी का यह प्रयास है कि वहां पर उनकी सरकार बने और उनकी सरकार ही पूरे देश के अंदर एक एक करके पूरे देश के अंदर उनकी सरकार सब जगह बन जाए और भारतीय जनता पार्टी का एकछत्र राज्य हो ऐसा इनका सपना है जिस सपने को पूरा करने के लिए ये दिन-रात लगे रहते हैं। सरकारी एजेंसीज का इस्तेमाल किया जा रहा है, सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है और अगर हम ध्यान से देखें तो यह ऐसा लगता है कि सरकारी एजेंसियों के मुंह खून लगा दिया है। केन्द्र में जो भी सरकार बैठी हुई है उनकोयह लगता है कि इस तरह से सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करके वो अपने सारे जो गलत उनकी मंशाएं हैं उनको पूरी कर लेंगे लेकिन उनको यह पता नहीं है कि ये एजेंसियां जो हैं वो जिसकी सरकार होती है उसी के लिए काम करती हैं। आज भले ही वो इनके इशारे पर काम कर रही हैं, कल को जब समय आएगा और जो दिख रहा है जब केन्द्र में सरकार पलटेगी तो वो सारी एजेंसियां जो हैं नई सरकार के पीछे खड़ी होंगी और ये कह रही होंगी कि हजूर बताईये हमें क्या करना है। लेकिन मुझे विश्वास है कि आने वाला समय मुझे ध्यान है कि लगभग डेढ़ दो साल पहले जब लोग बात करते थे कि नरेन्द्र मोदी जी का क्या होगा, इनको कैसे हटाया जाएगा। दो साल के पहले जब लोग पूछते थे तो सही मायने में मैं आपको बताऊँ कि यह कहना बड़ा मुश्किल होता था की इनकी सरकार कैसे हटेगी,

नरेन्द्र मोदी जी कैसे हटेंगे लेकिन मन में अपने आप ये चीज़ आती थी कि नरेन्द्र मोदी जी जो हैं वो उनको हटाने का रास्ता, तरीका एक ही है वो उनके खुद के कर्म होंगे जो उनको हटाएंगे और मुझे लगता है कि आज वो समय आ गया है। इन्होंने एक एक करके देश के अंदर जो हालात बनाए हैं, सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया है, सरकारों को तोड़ने का प्रयास किया है और जिस तरह से जो अन्य मुद्दे हैं चाहे वो महंगाई है, बेरोजगारी है इन मुद्दों पर ये सरकार फेल हो गई है ऐसा अपने आप बन गया है कि जिन मोदी जी को देखकर लगता था कि इनको हटाना बहुत मुश्किल है, आज इन्हीं के अपने कर्मों की वजह से ऐसा लगता है कि यह सरकार बहुत जल्द जाने वाली है। ये भारतीय जनता पार्टी के लोग भूल गये हैं कि जिस जगह से ये निकल कर आए हैं, जिस लड़ाई को लड़कर ये आए हैं आज इन्होंने देश में वही हालात बना दिये हैं। ये भूल गये हैं कि 1977 में इन्होंने ही कहा था कि लाठी-डंडे की सरकार नहीं चलेगी, इनका नारा था 1977 के अंदर और जिसको लेकर ये सड़कों पर आये थे, आज इन्होंने देश में बिलकुल वही हालात बना दिये हैं। उस समय ये कांग्रेस के विरोध में खड़े होकर यह बोलते थे की लाठी-डंडे की सरकार नहीं चलेगी, आज बिलकुल हूबहू वही काम ये कर रहे हैं और ऐसा अपने आप इन्होंने हालात बना दिये हैं कि बहुत जल्द इनकी सरकार देश से जाने वाली है। ये अपने आप को हिन्दूवादी कहते हैं, कहते हैं कि हम हिन्दूवादी पार्टी हैं हिन्दू के लिए लड़ाई लड़ते हैं, मेरा ये इसमें एक निवेदन था कि आज अगर ये लोग होते तो हम उनको जो है सामने देखकर बात करते कि एक महाभारत के अंदर एक दृष्टांत है जहां पर यक्षराज से बातचीत में युधिष्ठिर से पूछा गया कि भई ये बताओ कि राज्य का सबसे बड़ा दुश्मन

क्या है तो युधिष्ठिर ने यह कहा था कि राज्य का सबसे बड़ा दुश्मन अराजकता है और आज देश के अंदर वही हालात बन रहे हैं, जगह-जगह जिस तरह से सरकारों को तोड़ने का प्रयास चल रहा है, वो दिन दूर नहीं है जब लोग अपने आप सड़कों पर आ जाएंगे। लोग अपने आप सड़कों पर आकर इस सरकार का विरोध करेंगे और सरकार को हटना पड़ेगा। केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बार-बार इस बात को लेकर हमारी सरकार को यह ताना देती है और जगह-जगह बोलती है कि रेवड़ी वाली सरकार, रेवड़ी बांटने वाली सरकार जो नहीं चलेगी। इनको शायद अंदाजा नहीं है कि एक गरीब आदमी को इस सरकार से क्या मिल रहा है, इस गरीब आदमी को कितना बड़ा सुख इस सरकार के द्वारा दिया जा रहा है। अगर यह किसी गरीब आदमी से कभी मिले हों, उनसे बात की हो तो ही इनको यह पता लग पाएगा कि आज दिल्ली के अंदर एक आम आदमी जो है कितना निश्चिंत है इस बात को लेकर। उसके घर में कमाई नहीं है, उसके घर में कोई साधन नहीं है फिर भी उसको इस बात की निश्चिंता है कि मेरा बिजली का बिल नहीं आएगा, मेरा पानी का बिल नहीं आएगा मेरे बच्चे को शिक्षा चाहिए वो सरकारी स्कूल में मिल जाएगी, अस्पताल में ईलाज चाहिए, ईलाज मिल जाएगा, ये जो निश्चिंता है ये दिल्ली की सरकार ने आज यहां पर दिल्ली के लोगों को दी है। और ये एक ऐसी चीज है जिसको लेकर लोग बहुत नाराज हैं मोदी जी ने जो ये भाषण दे-देकर बार-बार इसको फैलाने की कोशिश की है। कल के अखबार में था की जहां पहले सुप्रीम कोर्ट भी इनकी पक्षधर बन रही थी और कह रही थी कि इस पर विचार करना चाहिए, कल के नवभारत टाइम्स में मैं मैंने पढ़ा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पल्लाझाड़ लिया है। सुप्रीम कोर्ट भी अब यह कह रही है कि सारी

पार्टियां जो हैं मिलकर तय करें कि इस पर क्या काम होना चाहिए यानी कि भारतीय जनता पार्टी के लोग जो हैं उनको सुप्रीम कोर्ट से ये सीखना चाहिए कि उन्होंने हालात देखकर ये आंकलन कर लिया है कि इस विषय के ऊपर जो है उनको बहुत नुकसान होने वाला है लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोगों को अभी यह समझ में नहीं आ रहा है।एक वेब सीरीज है कल ही ये रिलीज हुई है 'महारानी' इसका नाम है उसमें एक डायलॉग है उसको बोलकर अपनी बात खत्म करूंगा। उसमें एक डायलॉग है उसमें वो यह बोलता है कि 'सत्ता का नशा जो है वो धतूरे के जैसा होता है' जो लोग उत्तर प्रदेश और बिहार से हैं वो जानते हैं धतूरे का मतलब क्या होता है। ...धतूरे का नशा जो है सत्ता के जैसा होता है और ये बड़ा खतरनाक होता है इसमें आदमी को लगता है कि जो वो कह रहा है वही सही है। उसकी कुर्सियों के पाये कमजोर होकर हिल रहे होते हैं उसको लगता है कि कोई उसको झूला झुला रहा है। तो इसमें आखिर में यह कहा गया कि आपको आंखें खोलनी चाहिएं, सच्चाई का सामना करना चाहिए। इस समय केन्द्र सरकार की हालत बिलकुल वैसी ही है कि ये सत्ता के नशे में है इनको दिखाई नहीं दे रहा, समझ में नहीं आ रहा है कि क्या हो रहा है। इनको लग रहा है की जो हम कह रहे हैं बस वही सबकुछ ठीक है। आखिर में अपनी बात खत्म करते हुए मैं कहूंगा कि आने वाला समय जो है वो यह कह रहा है कि जो लोगों की सेवा करेगा, जो उनके हित, उनके अधिकार के लिए खड़ा होगा और जो उनकी समस्याओं को लेकर संघर्ष करेगा वो लोग जो हैं लोकसभा विधानसभा में जाएंगे और बाकी सब लोग बाहर निकलेंगे। देश के लोगों ने आम आदमी पार्टी के मॉडल को चुन लिया है, इस पर मोहर लगा दी है और जहां–जहां भी आम आदमी पार्टी

जा रही है वहां सब जगह जो है उनको स्वीकार्यता मिल रही है। आने वाला समय आम आदमी पार्टी का है, हमारे नेता श्री अरविंद केजरीवाल जी का है बहुत-बहुत शुक्रिया जयहिन्द।

माननीय अध्यक्षः श्री बी एस जून जी।

श्री बी एस जूनः धन्यवाद स्पीकर मैडम, मैम कल हमारे सारे एमएलए सीएम साहब के यहां मीटिंग में गये उसके बाद हम सभी लोग राजघाट गये अपने राजघाट पर बापू जी की समाधि पर पुज़्प अर्पित किये। unfortunately उसके थोड़ी ही देर बाद बीजेपी के एक सांसद प्रवेश वर्मा जी एक प्रैस कांफ्रेंस करते हैं और वो ऐलान करते हैं कि हमारे कार्यकर्ता अब जाकर राजघाट पर गंगाजल का छिड़काव करेंगे, ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। वो क्या अभी भी छूआछात में विश्वास रखते हैं मेरा अनुरोध है कि इस बात को हाउस condemn करे और दूसरे मैं तो यह कहूंगा कि इसको किसी कमेटी को रेफर किया जाए कि ऐसा आचरण उन्होंने क्यों अपनाया। उनमें महिलाएं भी थीं, दूसरे लोग भी थे हमारे जो सुरक्षित सीट से आते हैं, वो लोग भी थे, क्या वो अभी भी छूआछात में बिलीव करते हैं। तो इसको किसी कमेटी में रेफर किया जाए ताकी ऐसी घटना आगे से न हो। दूसरा मैम 2014 के बाद सीबीआई और ईडी ने 627 केस टोटल बनाए 627 में से 450 केस ऐसे केस थे जो opponent political parties के अगेंस्ट थे, जर्नलिस्ट के अगेंस्ट थे, टीवी चैनल्स के अगेंस्ट थे और सिर्फ अपने allies के खिलाफ उन्होंने 48 केस बनाए जिनमें कोई प्रोग्रेस नहीं हुई सिर्फ और सिर्फ उनको टारगेट किया गया जो अपोजीशन पार्टी के लोग थे। शायद परसों ही सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बात का संज्ञान लिया और कल

की हियेरिंग में सुप्रीम कोर्ट ने कहा की जो PMLA Act है Money Laundering Act है इसको रिव्यू करने की जरूरत है। इसमें दो बातें है नंबर–1 जो उनको सीरियस लगी और जो मतलब drastic या draconian कह सकते हैं हम इसको। नंबर–1 की मुलजिम को Enforcement Directorate की जो वो रिपोर्ट है Information Report वो नहीं दी जाएगी जबकि एक natural justice है अगर आप किसी के खिलाफ कोई allegation लगाते हैं तो उसको एफआईआर की या कंप्लेंट की कापी देंगे। तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ESECIR की कापी देनी पड़ेगी, दूसरा reverse onus वो होता है कि मुलजिम को ये साबित करना पड़ेगा कि मैंने कोई अपराध नहीं किया। यह बहुत dangerous trend था इस एक्ट में सुप्रीम कोर्ट ने कहा हम इनको रिव्यू करेंगे क्योंकि पिछले महीने ही बहुत sweeping powers सुप्रीम कोर्ट की एक दूसरी बैंच ने ईडी को दी थी जिसकी वजह से आज झूठे केस बनते जा रहे हैं। अभी जैसे हमारे यहां मनीष जी के यहां रेड हुई, झूठी एफआईआर हुई उसके बाद रेड हुई, दो ही कारण हो सकते हैं नंबर–1 कि मनीष जी बहुत फास्ट चल रहे हों, थोड़ा सा कसूर सर आपका भी है की आप रिफार्म बहुत जल्दी ले आए। जो रिफार्म्स आप लेकर आए, जो क्रांति लेकर आए वो इतनी जल्दी ले आए की इनकी आंख की किरकिरी बन गई। दूसरा गुजरात का इलेक्शन madam in fact what is this scam? क्या है ये स्कैम जो हुआ कि भई एक्साइज स्कैम हो गया, एक्साइज स्कैम हो गया। आज तक कोई नहीं बताया एक्चुअल क्वांटम क्या है कितने का स्कैम है ये। सीबीआई की एफआईआर कहती है 1 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। हमारे दूसरे एक आदमी कहते हैं मनोज तिवारी जी कि कि 500 करोड़ का हो गया, सुधांशु जी कहते हैं 800 करोड़ का

हो गया और प्रवेश वर्मा जी कहते हैं नहीं जी ये तो 1100 करोड़ का हो गया तो एटलिस्ट ये तो एक figure specify कर लें की भई डेढ़ लाख करोड़ का भी अब बढ़ता जा रहा है न डे बाई डे, बढ़ता जा रहा है। मैम एफआईआर पढ़ेंतो उसमें तीन मोटे-मोटे एलीगेशन हैं नंबर-(1) 144.36 करोड़ जो लाइसेंस फीस थी वो वेव कर दी किस pro-rata base पर किस पीरियड की जब कोरोना था। अब इनकी बुद्धि का वो देखिये कहते हैं जी नवंबर में तो कोरोना था ही नहीं जब ये वेव की, अरे भाई ये उस पीरियड का है जब कोरोना पीक पर था, जब मार्किट बंद थीं और दुकानें बंद थी, जब उनका बिजनेस सफर किया तो वो वेव किया 144.36 करोड़। दूसरा 50 रुपये पर केस पर बॉक्स imported beer पर जो है वो कम कर दिया म्गबपेम क्नजल मैम इस साल एक simultaneously एक Excise Policy आई मध्य प्रदेश में उस मध्य प्रदेश की पॉलिसी में क्या है IMFL Indian Made Foreign Liquor पर 20 परसेंट की छूट दी गई, 1 परसेंट की नहीं 20 परसेंट की छूट दी गई जो foreign made liquor है उस पर 3 परसेंट की छूट दी गई तो जो exchequer पर बोझ हमारी वजह से ज्यादा पड़ा या मध्य प्रदेश की स्टेट पर पड़ा वो करें तो ठीक है अगर दिल्ली सरकार करे तो वो स्कैम है। तीसरी बात जो शायद किसी भी स्टेट में नहीं है पहली बार उन्होंने होम बार अलाउ किये। होम बार का कांसेप्ट पता नहीं ये लोग कहां से लेकर आए मध्य प्रदेश में 50000 रुपये सालाना जमा कराओ अगर आपकी ये आमदनी 1 करोड़ या 1 करोड़ से ज्यादा है और आप होम बार पिलाओ, लोगों को घरों में शराब पिलाओ। तो इस पॉलिसी को कोई क्रिटिसाइज नहीं करता, दिल्ली की पॉलिसी के पीछे सब पड़े हुए हैं। तीसरी बात, मैम ये कहते हैं कि भई अगर ये पॉलिसी इतनी अच्छी थी दिल्ली

की तो इस पॉलिसी को वापस क्यों ले लिया। मैं एक बात पूछता हूं 3 कृषि कानून आए क्यों वापस लिये, कोई है जवाब। अगर वो इतने अच्छे कानून थे तो क्या जरूरत थी उन तीनों कृषि कानूनों को वापस लेनी की और 1000 आदमी जब बलि चढ़ गये तब जाकर वो कृषि कानून वापस हुए। यहां तो हमारे एक्साइज मिनिस्टर ने डिप्टी सीएम ने स्टेटमेंट भी दी भई रिवाइज्ड पॉलिसी आएगी बैटर पॉलिसी आएगी। अगर कोई मकान बनता है उस मकान में कमी जब आप रहना शुरू करोगे तब पता लगेगा कहां सीपेज है क्या है, क्या नहीं है तो रिपेयर चलता रहता है और सेम बात यह है पॉलिसी की मेरिट्स और डिमेरिट्स इंप्लीमेंटेशन के बाद ही पता लगता है। तो अगर रिवाइज्ड पॉलिसी आ रही है तो इसमें ये क्या सवाल हुआ कि आपने वापस क्यों ली। तीसरी बात ये की poaching का कि एमएलऐज को तोड़ो और अपनी सरकार बनाओ। हमारे बहुत से साथियों ने दिया ये ग्यारहवीं अटेंप्ट थी 2016 के बाद और लास्ट अटेंप्ट थी झारखंड की तो इससे पहले महाराष्ट्र की थी झारखंड की थी झारखंड के चीफ मिनिस्टर बाल-बाल बचे poaching से, एमएलए टूटने से, लेकिन कल से उनको फंसा दिया कि office of profit में आ गये उनको रिजाइन करना पड़ेगा, अभी वो इश्यू पेंडिंग है तो झारखंड सरकार के पीछे भी ये लोग लगे हुए हैं। तीसरी बात मैम कि इनके यहां पिछले कुछ सालों से 13 ऐसे tainted politicians जिनके खिलाफ ईडी के भी केस थे, सीबीआई के भी केस थे, लैंड स्कैम्स के भी केस थे वो लोग बीजेपी में आकर ज्वाइन कर गये। ज्यों ही बीजेपी की टनल में घुसे और दूसरी साइड से निकले नीट एंड क्लीन थे, उन केसेज में कुछ नहीं हुआ, हमारे साथियों ने सबके नाम बताए। अब मध्य प्रदेश का मैं जो दो एग्जाम्पल दूंगा अभी रिसेंटली इसी अगस्त महीने में एक

बांध टूट गया। वो बांध टूटा जो की एक साल पहले ही शुरू हुआ था और वो बांध जिस कंपनी को दिया था वो ऑलरेडी ब्लैक लिस्टेड कंपनी थी और हमारे ऊपर भी एलीगेशन लगते हैं कि ब्लैक लिस्टेड कंपनी को जो है वो टैंडर दे दिया। K/SS वो बांध जो टूटा वो एक ब्लैक लिस्टिड कम्पनी ने बनाया और आज जो मध्य प्रदेश का होम मिनिस्टर है उसकी कम्पनी है। तो उस बारे में कोई ईडी, कोई सीबीआई की कोई रेड नहीं होती। इससे पहले 2014 में एक बांध और बना था वो बांध भी टूट गया। तीन हजार करोड़ का ई-स्कैम चल रहा है उस पर कोई ईडी, कोई सीबीआई कोई रेड आज तक नहीं हुई। दिल्ली के एमएलऐज को तोड़ने की कोशिश की गई। पहले भी की गई आज भी की गई। आगे भी होते रहेंगे लेकिन दिल्ली के एमएलए कैपिटल सिटी के एमएलए है जिनका अपने आप में एक स्टेटस है। बेशक फुल स्टेटहुड हमारे पास नहीं है लेकिन दिल्ली के एमएलए पूरे कन्ट्री में एक स्पेशल जगह रखते हैं। तो दिल्ली का एमएलए ना कभी टूटा है ना टूट सकेगा और आगे कभी "यूचर में भी नहीं टूटेगा। तो मेरा कहने का मतलब ये है कि जो ये poaching की efforts यहां हुई, बीस-बीस करोड़ की ये एक ऐसी बात थी जो दिल्ली में सफल नहीं हो सकती। दिल्ली के एमएलऐज बिकाऊ नहीं है। यहां एक स्थिर सरकार है। शिक्षा का काम हो, स्वास्थ्य का काम हो मुख्य मंत्री के नेतृत्व में इतना बढिया काम हो रहा है कि किसी एमएलए को तोड़ने की कोई हिमाकत भी नहीं कर सकता। तो मेरा तो ये ही कहना है कि जो प्रस्ताव आया है मैं सरकारी संकल्प का इसका समर्थन करता हूं और उम्मीद करते हैं कि हमारी सरकार और ऐसे अच्छे काम करती रहेगी और मनीष जी पर तो पहले भी एक बार सीबीआई ने एक झूठा केस बनाया था। उसमें दो कोर्टो से ये

डिस्चार्ज हुए, दो कोर्टो से। एक से नहीं दो से। डिप्टी सीएम पर भी बनाया, सीएम पर भी बनाया और दोनों कोर्टो से डिस्चार्ज हुए जो ये शो करता है कि कितनी biased हैं ये एजेन्सी, चाहे दिल्ली पुलिस हो, चाहे ईडी हो, चाहे सीबीआई हो। सर आप लगे रहिए आपका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। थैंक्यू वैरी मच।

माननीया अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद। कुलदीप जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्षा जी, इतने महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने का मौका देने के लिए। जैसा कि अभी सभी साथियों ने बताया कि किस प्रकार से इस देश के अंदर चुनी हुई सरकारों को तोड़ने का काम किया जा रहा है, लोकतंत्र को इस डैमोक्रेसी को धराशाही करने का काम किया जा रहा है। उसी प्रकार से मुझे बाबा साहब अम्बेडकर का वाक्या याद आता है। बाबा साहेब अम्बेडकर जब पार्लियामेंट से बाहर निकले और उन्होंने जनता को वोट का अधिकार दिया तो बाबा साहेब अम्बेडकर बहुत खुश थे और आचार्य कृपलानी जी थे उन्होंने बाबा साहेब से पूछा कि आप इतने खुश क्यों हो तो बाबा साहेब अम्बेडकर ने बताया कि मैं खुश इसलिए हूं क्योंकि आज मैने रानी के पेट का ऑप्रेशन कर दिया है और अब रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होगा जनता के वोट से राजा पैदा होगा। ये बाबा साहेब अम्बेडकर ने कहने का काम किया लेकिन आज जब बाबा साहेब अम्बेडकर ने हम लोगों को, इस देश के लोगों को वोट का अधिकार दिया और वोट के अधिकार से एक सरकार चुनने का अधिकार दिया। आज बाबा साहेब अम्बेडकर के उस वाक्य पर मुझे याद आता है कि आज किस प्रकार से ये तानाशाही मोदी सरकार बाबा

साहब के दिये हुए वोट के अधिकार को लोगों से छीनना चाहती है। आज ये सरकार ये साबित करना चाहती है कि जनता के वोट के अधिकार से राजा नहीं चुना जाएगा, राजा तो जिसको मोदी जी चाहेंगे, जहां एमएलए खरीदना चाहेंगे वहां एमएलए खरीद लेंगे और उसको मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे। लेकिन मुझे गर्व भी है दिल्ली के विधायकों पर, माननीय मुख्यमंत्री जी पर और उप-मुख्यमंत्री जी पर जिन्होंने जो इनका लोटस का मिशन था, क्यूंकि कमल तो कीचड़ में खिलता है और भाजपा वाले तो कीचड़ में होने वाले लोग हैं, तो इन्होंने जो मिशन दिल्ली में चलाया था वो मिशन दिल्ली के अंदर फेल होने का काम हुआ और दिल्ली के सभी विधायकों ने भी और माननीय उप-मुख्यमंत्री जी ने भी जो इनका सिंधिया और शिंदे पर जो खेल इन्होंने किया था वो मनीष सिसोदिया जी ने इनका खेल दिल्ली के अंदर इनका फेल कर दिया और पूरी दिल्ली ने ही नहीं पूरे देश ने ये देखा कि किस प्रकार से आम आदमी पार्टी के ईमानदार लोगों ने इनको धूल चटाने का काम किया। उसी प्रकार से आज मोदी जी जिस तानाशाही से इस देश के अंदर राज करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस प्रकार से सत्ता के दम पर, प्रशासन के दम पर, पैसे के दम पर जिस प्रकार से राज करने की कोशिश कर रहे हैं उसमें एक शेर मुझे याद आता है-

"कि तुम से पहले जो शख्स यहां तख्तेनशीं था
उसे भी अपने खुदा होने पर इतना यकीं था।"

आपसे पहले जो यहां पर था उसे भी लगता था मैं खुदा हूं, मैं हटूंगा नहीं। हिटलर को भी ये गुमान था लेकिन हिटलर का गुमान भी टूटा और मैं

कह सकता हूं कि आज जिस प्रकार से, जिस सरकार ने माननीय उप-मुख्यमंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं कह सकता हूं कि आज गरीब का बच्चा जो दिल्ली के सरकारी स्कूल में पढ़ता था जब उसकी फोटो न्यूयार्क टाइम्स में छपी तो देश के लोगों को गर्व हुआ, सम्मान हुआ इस बात को लेकर कि आज ऑटो वाले का बच्चा, सफाई कर्मचारी का बच्चा, रिक्शे वाले का बच्चा, मिस्त्री का बच्चा, पलम्बर का बच्चा, इलैक्ट्रिशियन के बच्चे की फोटो आज न्यूयार्क टाइम्स के अंदर छप रही है। उसको ये गर्व हुआ, ये सम्मान हुआ, लेकिन उस गर्व और सम्मान का इतना दर्द भारतीय जनता पार्टी के लोगों को हुआ कि ये गरीब के बच्चे की फोटो आखिर न्यूयार्क टाइम्स के फ्रंट पेज पर छप कैसे गई। ये कैसे छप गई। इन्होंने शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने का काम किया। इन्होंने कभी भी शिक्षा व्यवस्था में आगे परिवर्तन करने का काम नहीं किया ताकि दलितों के, पिछडों के बच्चे आगे पढकर इंजीनियर ना बन जाए, कलैक्टर ना बन जाए। इन्होंने कभी उनको आगे बढने नहीं दिया और इसीलिए बाबा साहब अम्बेडकर ने कहा था कि शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो पीयेगा वो दहाड़ेगा। बाबा साहब अम्बेडकर ने जो शिक्षा का मार्ग जो हम लोगों को प्रशस्त किया उसको आगे लेकर गए। मुझे खुशी है कि आज दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी उन लाखों बच्चों के भविष्य को बनाने का काम कर रहे हैं। उसको आगे बढाने का काम कर रहे हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अंदर पढ़ने वाले बच्चे जब पहले वो ये सपना देख पाते थे कि मैं इलैक्ट्रिशिन बन पाऊंगा, पलम्बर बन पाऊंगा, आईटीआई में जाकर एडमिशन ले पाऊंगा। लेकिन माननीय उप-मुख्यमंत्री जी ने, माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी ने ये सपना उनको दिखाने का काम किया कि कि मैं आज दिल्ली की आईआईटी के अंदर जाकर भी एडमिशन

ले सकता हूं। ये सपना दिखाने का काम इस सरकार ने किया। तो आज जो सपना इस सरकार ने दिखाया, ईडी और सीबीआई के डर पर आज जिस प्रकार से सरकार को गिराने की कोशिश हो रही है और मैं मुख्यमंत्री जी के लिए और उप-मुख्यमंत्री जी के लिए कहना चाहता हूं कि:

"ना तुम गिरे, ना तुम्हारी उम्मीदों के मीनार गिरे
ना तुम गिरे ना तुम्हारी उम्मीदों के मीनार गिरे
लेकिन तुम्हें गिराने में मोदी जी इस देश में कई बार गिरे।"

और ये पूरे देश ने देखा कि कितनी बार माननीय मुख्यमंत्री जी को, इस आम आदमी पार्टी को खत्म करने की कोशिश की गई। लेकिन देश की जनता ने हमेशा अरविन्द केजरीवाल जी का साथ दिया और उनके साथ खड़ी रही और मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ ये बात कह सकता हूं कि जैसे आज नरेन्द्र मोदी जी इस देश की कुर्सी पर बैठकर अच्छे काम करने वाले लोगों के पीछे ईडी और सीबीआई भेजने का काम कर रहे है, अगर हमारे नेता अरविन्द केजरीवाल जी इस देश के प्रधानमंत्री होते तो मैं पूरी जिम्मेदारी से सदन में यह बात कह सकता हूं कभी भी किसी काम करने वाले व्यक्ति को जो शिक्षा और स्वास्थ्य पर काम करता, जो देश के गरीबों के लिए काम करता, उनकी पसंदीदा काम करने का काम करते, उसको आगे बढ़ाने का काम करते ना कि उसके घर सीबीआई और ईडी भेजकर उसके कामों को रोकने का काम करते। अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी होते और मैं इस सदन में कह रहा हूं, मैं पूरी जिम्मेदारी से कह रहा हूं कि देश के लोगों की उम्मीद है अरविन्द केजरीवाल जी। देश के लाखों गरीबों की उम्मीद है अरविन्द केजरीवाल

जी। जिस एक्साईज पॉलिसी का इन्होंने पूरी दिल्ली में हल्ला मचाया, मैं इनसे पूछना चाहता हूं घोटाला कितने रूपये का हुआ। मैं भी कई डिबेट में गया हूं। सौरभ भाई भी कई डिबेट में जाते हैं। हम वहां जाते थे, हम उनसे पूछते थे कि भई घोटाला क्या हुआ, घोटाला नहीं बता पाते थे। एक बार तो सौरभ भाई डिबेट में बैठे थे। वहांदो प्रवक्ता बैठे थे इन्होंने पूछ लिया कि भाई जो इन्होंने कहा था वो आप बता दो क्या कहा था। ना दूसरे वाला पहले का रकम बता पाया ना पहले वाला बता पाया। तो ये दुर्भाग्यपूर्ण है। आज केवल सरकार को बदनाम करने का काम जिस तरह से किया जा रहा है ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ये मामला अगर सच में एक्साईज पॉलिसी का होता, भ्रष्टाचार का होता तो भ्रष्टाचार की रेड वहां भी होती जिस गुजरात के अंदर भारतीय जनता पार्टी का शासन पिछले 27 वर्षो से है। 27 साल से भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात को लूटने का काम किया है। गुजरात में युवा की उम्मीद आज अरविंद केजरीवाल जी बनते जा रहे हैं। आज वहां शिक्षकों की उम्मीद अरविंद केजरीवाल जी बनते जा रहे हैं। उनको भी उम्मीद है कि अरविंद केजरीवाल हमारे राज्य में भी आएगें, आम आदमी पार्टी आएगी और हमारे बच्चों का भविष्य अच्छा होगा, स्कूल अच्छे होंगे। अगर ये सच में उसकी बात होती तो सीबीआई की रेड, ईडी की रेड जो गुजरात के अंदर 75 लोग शराब पीकर मर गए ये सीबीआई और ईडी वहां जरूरत पहुंचती। लेकिन ये वहां नहीं पहुंचे। इनकी वॉशिंग मशीन में जो नहा लेगा। मुकुल राय इनकी वॉशिंग मशीन में नहा लिए तो मुकुल राय बिल्कुल ऐसे पवित्र हो गए। ऐसे ही हिमंत बिश्व शर्मा, जैसे ही वो नहा लिए उसमें वो भी बड़े पवित्र हो गए। शुभेन्दू अधिकारी जो लीडर ऑफ ऑपोजिशन बंगाल के अंदर है इनके उसमें वो नहा लिए, वो भी पवित्र हो गए। तो आज

ये देश देख रहा है। मोदी जी ये देश आपको देख रहा है कि आपके जो तोता-मैना है ना ये किस प्रकार से लोगों को परेशान करने का काम कर रहे, आज ये सब देख रहे हैं। एक बात मैंने और सुनी कि कल हम गांधी जी की मूर्ति पर गए थे। हम राजघाट गए थे। हमने वहां जाकर पुष्प अर्पित किये और हमारे पुष्प अर्पित करने के बाद, मतलब अगर हम लोग दलित हैं, अगर हमने गांधी जी की समाधि को छू लिया तो भाजपा के लोगों ने कहा कि वो अपवित्र हो गई। आप सोचिए कितने शर्म की बात है कि इन्होंने कहा कि वो अपवित्र हो गई, उसको हम गंगाजल से धोऐंगे। इस देश का दुर्भाग्य है, प्रवेश वर्मा ने स्टेटमेंट दिया था कि उस गांधी जी के राजघाट पर हम गए थे वो गंगा जल से उसको धोऐंगे। जिस प्रकार से पहले तो वो गोडसे के भक्त थे, आज भी हैं, आज भी गोडसे को मानते हैं, पहले भी थे आज भी गोडसे के भक्त हैं लेकिन अब जब उनकी नींव हिलने लगी है तो उनको गांधी की याद आने लगी है। उनको बाबा साहब अम्बेडकर की याद आने लगी है। लेकिन देश की जनता उनका चेहरा दिखाने का काम जरूर करेगी और जिस प्रकार से पूरा देश आज उनका चेहरा देख रहा है, जो चाल चरित्र भारतीय जनता पार्टी का है मैं भी कुछ चीजें लेकर आया हूं उनके लिए कि इनका चरित्र क्या है देश के अंदर ये मैं लेकर आया हूं। यहां पर जिस आतंकी को पुलिस ने जम्मू कश्मीर में दबोचा वो निकला बीजेपी आईटी सेल का पूर्व प्रमुख। ये भाजपा का चेहरा है। पूरा देश इसको देख रहा है। ये किस प्रकार से आतंकवादी गतिविधियों में ये लोग शामिल होते हैं। एक मेघालय का लेकर आया हूं। मेघालय में वेश्यालय चलाने के आरोप में गिरफ्तार बीजेपी उपाधयक्ष बर्नार्ड एन मराक के फार्म हाउस में 35 जेनेटिक छड़े, 100 जनरेटर 04 काल धनुष 15 तीर

बरामद। ये इनका चाल चरित्र और चेहरा है। पूरा देश आज इसको देख रहा है और जैसा बताया कि कभी भी ये बता नहीं पाए कि घोटाला कितने रूपये का हुआ है। मैं आज इस सदन में सीबीआई की एफआईआर भी लेकर आया हूं। इस सीबीआई की एफआईआर में बेचारे कहीं भी घोटालों का जिक्र नहीं कर पाए। घोटाला हुआ ही नहीं, जिक्र क्या करते। घोटाला तो ये हुआ कि गरीबों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलने लगी, गरीब लोगों को अच्छा स्वास्थ्य मिलने लगा। तो आज अरविंद केजरीवाल जी इस देश की उम्मीद बनते जा रहे हैं। इस देश की एक उम्मीद की किरण है गरीब बच्चों के लिए और मुझे उम्मीद है कि हम सब लोग आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार लोग हैं और मैं इस सदन में कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के साथ हम लोग मरते दम तक रहेंगे और माननीय मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी से गद्दारी करने का मतलब है अपने देश और बाबा साहब अम्बेडकर से गद्दारी करना। तो हम कभी भी इस देश से, बाबा साहब अम्बेडकर से और माननीय मुख्यमंत्री से और आम आदमी पार्टी से गद्दारी नहीं कर सकते। हम लोग कट्टर ईमानदार लोग है, कट्टर देश भक्त लोग हैं और देश के लिए मर मिटने के लिए हम सब लोग तैयार हैं और आगे भी रहेंगे। आपने मुझे सदन में बोलने का मौका दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बहुत-बहुत आभार।

माननीया अध्यक्षः संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदया कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदया देश आज इस साल को 75वां आजादी का वर्षगांठ मना रहा है। मैंने देखा कि पूरे देश में खूब उत्साह था। लोग तिरंगा

लेकर सड़कों पर निकल रहे थे। अलग-अलग सामाजिक समूह के लोग निकल रहे थे कि हम आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। मुझे लगता है कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ और ये उत्साह इसलिए था कि जब देश में अग्रेंज थे इस देश को जाति धर्म के नाम पर बांट कर सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रहे थे। जब 75 वर्ष का हम ये आंकलन करते हैं और जब सवाल पूछते हैं क्या कुछ बदला देश में? क्या आज हमारे देश में जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर देश को बांटकर सत्ता हासिल नहीं की जा रही है, तो उत्तर आता है कि वही आज भी हो रहा है जो 75 साल पहले हो रहा था। 75 साल में इस देश में किसी पार्टी ने कभी इस पर काम नहीं किया कि हमारे देश के लोग, हमारे देश की जनता, हमारे देश का सिटिजन क्वांट सिटिजन कैसे बने। 75 साल में सभी पार्टियों ने अपने-अपने तरह की दुकान बनायी। किसी ने जाति के नाम पर भीड़ इकट्ठा किया, किसी ने धर्म के नाम पर भीड़. इक्कट्ठा किया, किसी ने क्षेत्र के नाम पर भीड़ इकट्ठा किया और जब वो भीड़ बन गया तो उसका काम बड़ा आसान हो गया कि जब चुनाव का समय आए तो कह दो जाति खतरे में है, जब चुनाव का वक्त आए तो कह दो धर्म खतरे में है, जब चुनाव का वक्त आए कहो क्षेत्र खतरे में है और वो भीड़ अपने आप उनके साथ खड़ा हो जाएगा। तो फिर जो मूल समस्या है, उस मूल समस्या पर काम करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिस तरह से जाति धर्म में बांट कर अंग्रेज लूट रहे थे आज उसी तरह से सत्ता में बैठे लोग देश को जाति धर्म में बांट कर लूट रहे हैं। आखिर आज जो कुछ भी दिल्ली में आपने वाक्या देखा आज ऐसा क्यूं हो गया और अचानक अभी क्यूं हुआ। ये पूरा का पूरा एक sequence है। जब अरविंद केजरीवाल जी ने आज से कुछ

दिन पहले कहा कि अब जरूरत है 130 करोड़ लोगों को इकट्ठा करने की। अगर इस देश को नम्बर वन बनाना है तो अब जिस तरह से आजादी की लड़ाई ये मजहब, पंथ, जाति से ऊपर उठकर लड़ी गई तो आजादी मिली। उसी तरह से अगर भारत को नम्बर वन बनाना है तो अब ये जाति, धर्म, पंथ से ऊपर उठकर लड़ना पडेगा। जो इन्होंने कहा तो जो लोग इस देश को जाति धर्म के नाम पर बांट रहे हैं उनको लगा कि मेरा सत्ता अब खिसकने वाला है। क्या होता है कि जब कोई प्रशासक या कोई बाहुबली अपने कुछ पहलवान रखता है। तो अभी केन्द्र सरकार के पास पहलवान है ईडी, सीबीआई, इन्कम टैक्स। उन्होंने अपने पहलवान को तैयार किया कि पहलवान तैयार हो जाओ अब फिर कोई देश जोडने की बात कर रहा है जाकर उसको नेस्तानाबूत करो। उनके सारे पहलवान लग गए। लेकिन कुछ मिल तो रहा नहीं था। भई मुख्यमंत्री जी के ऑफिस में पहले भी छापा पड़ चुका है। शुंगलू कमेटी की बात कर रहे थे। कई तरह की जांच पहले हो चुकी है और अरविन्द केजरीवाल जी तो 2011 से आज तक grill होते रहे हैं। उनके खिलाफ तो कुछ मिलने वाला नहीं। एल/संजय तो अब एक दिन हमारे शिक्षा मंत्री डिप्टी सीएम साहब का न्यूज छप गया न्यूयार्क टाइम में, अब प्रधानमंत्री जी बौखला गये। प्रधानमंत्री बोले अब तो हद ही हो गयी। अब ये न्यूज छपा है, कल देश में छपेगा कि दिल्ली के शिक्षा में जो बदलाव हुए हैं, उसकी चर्चा न्यूयार्क टाइम्स कर रहा है तो दिल्ली के शिक्षा मॉडल मनीष जी का फोटो ज्यों ही न्यूयार्क टाइम्स में छपा, आपने सीबीआई को कहा भाई अब जो कुछ भी है, कल का ये न्यूज नहीं बनना चाहिए। तुम जाओ मनीष सिसोदिया के घर पर छापा मारो ताकि न्यूयार्क टाइम्स नहीं छपे, सीबीआई का छापा छपे। अब जब कभी भी कोई सीबीआई

अपना सब्जेक्ट वर्क करता है। वो कहता है जी मेरे पास कोई सब्जेक्ट वर्क नहीं है। कुछ मिल ही नहीं रहा है। बोले मिले न मिले, न्यूज तो बनेगा। हमें न्यूज बनाना है। हमारे पास पूरा तंत्र तैयार है, पूरा तंत्र है। तुम जाओ हम पूरे देश को समझा देंगे कि वो भ्रष्ट हैं। अब सीबीआई वाले आए, सीबीआई वाले 16 घंटे मनीष भाई के घर में छापा मारा, एक एक चीज जांच कर लिया, सबकुछ देख लिया। शाम को गया, बोला कुछ नहीं मिला। अब जब कुछ नहीं मिला तो पूरा तंत्र तैयार किया गया कि अब बताना क्या है। जनता को क्या समझाना है और कंफ्यूजन बहुत था कि सीबीआई जाने के बाद एक और न्यूज आई कि लूक आउट नोटिस सर्कुलेट हो गया कि कहां हैं, मिल नहीं रहे हैं। अब देखिये वो इतने झुंजलाए हुए थे, कहा नहीं नहीं, कुछ भी करो बदनाम करना है। सीबीआई ने कहा कि मैं तो घर में देख कर आया हूं कि वो तो घर में हैं, मैं कैसे लूक आउट नोटिस जारी करूं, वो कहा नहीं, वहां मंत्री कार्यालय से प्रधानमंत्री जी ने कहा कि न्यूज छपवा दो। सारी एजेंसी को कह दिया कि लुक आउट नोटिस, एक ब्रेक-अप न्यूज आ गया लुक आउट नोटिस। अब सीबीआई को जवाब देना है न कोर्ट में, कहा नहीं नहीं हमने कोई लुक आउट नोटिस जारी नहीं किया। फिर कहा सीबीआई फेल हो गया, अब ईडी को भेजते हैं। अब ईडी को दूसरे पहलवान को तैयार किया, अब तुमको जाना है, तुम हमारा ऐसा पहलवान हो कि तुम अभी बता रहे थे न कि ओनस जो होता है वो एक्यूज को ही प्रूव करना होता है। बड़ा बहुत बड़ा पावर दे दिया है। बोला तू तो मेरा हमेशा अपराजेय पहलवान है। तुम तो पराजित हो ही नहीं सकते, तुम जाओ भई अब ईडी गया। सीबीआई के पास तुमको कुछ मिला, कुछ बताओ ताकि हम भी जाएं उसपे तो मेरा तो कोई होमवर्क नहीं है। बोला

भाई कुछ नहीं मिला, बोला कुछ नहीं मिला तो मेरी बड़ी बेज्जती हो जाएगी। कुछ है ही नहीं जाऊं कैसे। न्यूज पहले आ गयी। न्यूज इसलिए आ गयी कि ईडी को तैयार किया और यहां प्रेस रिलिज आ गया कि ईडी जा रहा है। ईडी गया सीबीआई से पूछने के लिए कि कुछ है, बोला कुछ नहीं है। बोला मेरे जांच में तो कुछ है नहीं, कुछ तो करने जाऊंगा। फिर अगले दिन फिर एक घंटा न्यूज आया नहीं नहीं, ईडी नहीं जा रही। ईडी कोई एफआईआर नहीं किया।

अब देखिये फिर पूरा तंत्र तैयार हुआ कि भ्रष्टाचार है, भ्रष्टाचार है, भ्रष्टाचार है पूरे बीजेपी के पैनलिस्ट क्योंकि मैं अपने पार्टी का स्पोक्स पर्सन भी हूं। मैं टी.वी. पर जाता हूं तो सभी पैनलिस्ट ने कहा भ्रष्टाचार है, सब भ्रष्टाचार है बोला क्या भ्रष्टाचार है भाई तो किसी ने कहा कि 8 हजार करोड़ का भ्रष्टाचार है, तो हमने कहा भाई मेरे अपने विधान सभा में प्रोटेस्ट हो रहा था, उसमें कहा डेढ़ लाख करोड़ का भ्रष्टाचार है, बोला नहीं नहीं, उनको तो क्या पता। ऐसे ही कुछ बोल दिया। उनको जानकारी नहीं है। वो तो हमारे कार्यकर्ता हैं, उनको ठीक से ट्रेंड नहीं किया था तो इसलिए कह रहा है कि डेढ़ लाख का भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा अच्छा ठीक है वो कन्फ्यूज थे कोई बात नहीं है।

फिर एक प्रवक्ता ने कहा कि भाई 500 करोड़ का भ्रष्टाचार है। उससे पहले बीजेपी के पहले अध्यक्ष रहे मेरे सांसद हैं मनोज तिवारी जी, उन्होंने कहा कि 8 हजार करोड़ का भ्रष्टाचार है। जो पांच सौ करोड़ वाला बोला, उसको मैंने पूछा कि भाई आपके मनोज तिवारी जी तो कह रहे हैं कि 8 हजार करोड़ का भ्रष्टाचार है। बोले यार वो पार्ट टाइम नेता हैं, वो सेलिब्रेटी दूसरे हैं, अच्छा गाना गाते हैं, नेता अच्छे नहीं हैं, वो पढ़ते लिखते ठीक से नहीं हैं। उनको

सीरियस में नहीं लो आप। उस हिसाब तो 500 करोड़ का है। अच्छा 500 करोड़ का है।

फिर एक सीरियस प्रवक्ता था उसने कहा कि ये भ्रष्टाचार जो है वो 140 करोड़ का है तो हमने कहा भाई देखो आप तो सीरियस पढ़े लिखे प्रवक्ता हो मैं आपको मानता हूं। आपका एक और नेता कह रहा था कि वो 500 करोड़ का है। बोला नहीं पढ़ा लिखा मैं हूं उसको जानकारी नहीं हैं। हमने कहा चलो भाई आपका क्या बेसिस है। एलजी साहब ने कहा है इसीलिए मैं कह रहा हूं। मैंने पढ़ा हुआ है एलजी साहब का नोट, उन्होंने कहा है इसलिए बात सच है। हमने कहा चलो थोड़ी पढ़ी लिखी बात तो किया किसी व्यक्ति ने और एक अथोंटिक आदमी का नाम लिया।

फिर एक प्रवक्ता आया, बोला बहुत भ्रष्टाचार है, बहुत भ्रष्टाचार है, बहुत भ्रष्टाचार हुआ। हमने पूछा क्या हुआ, बोला 40 करोड़ का भ्रष्टाचार है। हमने कहा एक आपके बहुत पढ़े लिखे प्रवक्ता ने कहा है कि वो 140 करोड़ का भ्रष्टाचार है। बोला उनको जानकारी नहीं है, मेरे पास पूरा सबूत है कैसे भ्रष्टाचार है। मैंने कहा सबूत क्या है। उन्होंने एयरपोर्ट का उदाहरण दिया, जिसके बारे में विस्तार से सौरभ भाई ने बता दिया था, मैंने कहा बता भी देंगे। हमने कहा वो भी नहीं हैं। फिर उसके बाद हमने कहा भाई सीबीआई तो कुछ और ही कह रही है। अब देखिये जितने प्रवक्ता थे। झूठ की मीनार खड़े करोगे, जब सच से सामना होगा तो मीनार ढह जाएगा।

पूरे देश को पता चल गया कि एक पैसे का भ्रष्टाचार नहीं है। चूंकि सीबीआई को जब बहुत प्रेशर दिया गया तो उसने कहा कि एक करोड़ का

भ्रष्टाचार है, उसमें दो शराब की कम्पनी है। एक शराब की कम्पनी ने दूसरे शराब की कम्पनी को अकाउंट में पैसे ट्रांस्फर किये। बोले मनीष जी कहां से आ गये तो बोला नहीं नहीं, कहीं पर उनका फोटा देखा था उसके साथ, इसीलिए आ गए। मैंने कहा यारपूरे दिन हम साधारण विधायक हैं, जहां जाते हैं वहीं लोग फोटो खींच लेते हैं। हम तो आइडेंटिफाई नहीं करते हैं। हां फोटो तो बहुत सारे हैं नाम ले लेंगे तो उनके सारे लोग आ जाएंगे। अगर फोटो से होता तो प्रधानमंत्री कब का क्रिमिनल साबित हो चुके होते। तो मेरा ये कहना है कि उसमें एक पैसे का भ्रष्टाचार नहीं था। क्या ये पूरे देश की जनता को समझ में आ गया। अब देखिये मैं एक बात मानता हूं कि दिनकर जी का एक कविता था, जिसमें कहते थे कि:

''जब नाश मनुष पर छाता है पहले विवेक मर जाता है।''

वो न्यूयार्क टाइम की खबर को वो रोकना चाहते थे, उसके लिए इतना बड़ा बवाल किया। हो गया उल्टा कि अब न्यूयार्क टाइम्स की खबर, मैं छत्तीसगढ़ गया था, वहां के ट्राइवल एरिया में गया। उन्होंने भी कहा कि मनीष सिसोदिया जी आप बहुत अच्छा काम कर रहे हो। वो न्यूयार्क टाइम्स में छपा है तो एक पेपर की खबर को रोकना चाहते थे, पूरे देश में पता चल गया और आप किस तरह से देश को गुमराह कर रहे हैं, वो भी पता चल गया तो ऊपर वाला कुछ न कुछ तो देखता है। जब पाप बहुत बढ़ जाता है तो इसी तरह से कोई न कोई शक्ति आती है।

अब मसला आता है कि उनको लगा कि ये भी अब फेल हो गया तो अब क्या करें तो उनका एक हथकंडा है कि विधायकों को खरीदो। अब हमारे

पास भी आए और कहा कि भाई साहब देखो ये आम आदमी पार्टी का कोई "यूचर नहीं है अब। हमने कहा अच्छा तो कहां" यूचर है, तो बोला वही समझाने तो आया हूं आपको कि अब आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी। मैं आपको एक बड़ा ऑफर देने आया हूं कि ये आप 20 करोड़ रुपये ले लो अगर अपने साथी जोड़ लोगे तो 25 करोड़ मिल जाएगा और जिसको जोड़ोगे, उसको 20 करोड़ मिलेगा। हमने कहा अच्छा फिर और उसके बाद हमारे बहुत सारे विधायक संपर्क में हैं और अगर आपने ना कह दी तो मनीष सिसोदिया का वो हाल देखा है न आपने, जब मनीष सिसोदिया जी का ये हाल हो सकता है तो आपका क्या होगा। हमने कहा भाई वो बेकसूर हैं। शिक्षा में इतना अच्छा काम किया, आप मानोगे न कि स्कूलों में अच्छा काम हुआ। मेरे बगल में ही स्कूल है और पहले कुछ नहीं था अब इतना बढ़ियां अब हो गया। बच्चे इतना खुश होते हैं, मैं जाता हूं, देखता हूं पढ़ाई लिखाई। बड़ा अच्छा लगता है। हमने कहा बेकसूर आदमी जो अच्छा काम कर रहा है उसको क्यों फंसा रहे हो, बोला मुझे पता है ये फर्जी केस है और मैं यही समझाने आया हूं कि जब उनके साथ हो सकता है तो आपके साथ भी हो सकता है। हमने कहा देखो दोस्त हम लोग 2011 में अपना घर, परिवार, नौकरी छोड़ करके आंदोलन करने आये थे और जंतर मंतर रामलीला मैदान में सालों हम सोये हैं। अब इस देश को एक उम्मीद जगी है। 75 साल में पालिटिकल पार्टियों से जनता का भरोसा उठ गया था, हम उस उम्मीद को नहीं टूटने देंगे। अपनी जान दे देंगे लेकिन जनता ने जो भरोसा किया है, उस भरोसे को नहीं हटने देंगे और मैं क्या मेरे जितने भी विधायक हैं, ऐसा करने की हिमाकत भी नहीं करना। तो मैं ये कहना चाह रहा हूं अध्यक्ष महोदया कि पूरे देश में आज भारतीय जनता पार्टी सीरियल किलर

की तरह काम रही है। जितनी चुनी हुई सरकारें हैं, आज ऐसे सात-आठ स्टेट की सरकार को उन्होंने खत्म कर दिया। अब वो दिल्ली तक आ गये थे तो हमने उनको कहा भई कि ये जो आपका है, प्रधानमंत्री जी को मैं आज भी सजेशन देता हूं कि ये जो आपका ऑपरेशन लोटस है, उसको दिल्ली के विधायक को न करो फोकस, वरना पूरे देश में हो जाओगे आप बोगस। मैं ये कहना चाह रहा हूं अध्यक्ष महोदय कि आज जब मैं किसी भी सरकारी स्कूल में जाता हूं, जब मैं बच्चों की आंखों में चमक देखता हूं तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा होता है कि आज जो मनीष सिसोदिया जी ने काम किया है, आज उस घर में भी दीये जले जिस घर में अंधेरा था।

मैं तीर्थयात्रा ले जाते हुए मैं एक वाक्या बताता हूं आपको। मैं तीर्थ यात्रा पर ले जा रहा था रामेश्वरम हमारे यहां के बहुत सारे लोग बुजुर्ग जा रहे थे। एक महिला मेरे पैर पकड़ कर रोने लगी। मुझे बड़ा अजीब लगा, बुजुर्ग थी। मैंने कहा अम्मा क्या हो गया आपको। बोली बेटा मैं जहांगीरपुरी में अपने एक मंदिर के आगे फूल बेचती हूं। मैं तो आज तक दिल्ली के मंदिर नहीं जा पाया। केजरीवाल मुझे रामेश्वरम दर्शन करा रहा है। ये तो मेरे लिए सपना है। केजरीवाल मेरा बेटा है। जो अपना बेटा नहीं करा पाया, वो केजरीवाल ने कराया, तब गर्व से सीना चौड़ा होता है।

माननीया अध्यक्षः चलिये कंप्लीट कीजिए।

श्री संजीव झाः एक बार।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिए।

श्री संजीव झाः उसमें एक वाक्या के साथ खत्म करना चाहता हूं कि एक बार मैं चुनाव प्रचार में जा रहा था। एक बुजुर्ग आए और वो बहुत रो रहे थे और उन्होंने कहा कि आपने तो हमारे लिए ऐसा काम किया, जो कोई भगवान ही कर सकता है। हमने कहा क्या किया, मुझे पता नहीं था। उन्होंने कहा मेरा बेटा रेहड़ी लगाता था। रात को आ रहा था, उसको बस से ठोकर लगी स्पाइनल कोड खराब हो गया और उसको हमारा जो 'फरिश्ते' योजना है, उसमें मैक्स में उसको भर्ती हुई। डेढ़ महीना तक हॉस्पिटलाइज रहा। 60-70 लाख का उसका बिल था और उसका ईलाज हुआ, वो ठीक होकर घर आ गया। समझिए अगर वो 'फरिश्ते' योजना नहीं होती तो वो गरीब का बेटा नहीं बचता। तो मैं ये कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदया कि आज अगर ऐसी सरकार जो दिल्ली में काम कर रही है, इसको पलट दीजिए, अगर अरविंद केजरीवाल देश के प्रधानमंत्री होते तो कहते शाबाश जो काम दिल्ली में हो रहा है, वो काम पूरे देश में होना चाहिए, देश आगे बढ़े। 130 करोड़ लोग इस देश में कैसे आगे बढ़े, उसपर जो काम करे, उसको गले लगाना चाहिए। उसको इस तरह से परेशान नहीं करना चाहिए। बस इतना ही कहकर अपनी बात खत्म करना चाह रहा हूं कि जब आज जो अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं। यही काम जो आजादी के समय भगत सिंह करते थे, महात्मा गांधी करते थे तो उन पर भी ऐसे ही केस लगता था। तो आज इस देश को भगत सिंह मिल गया है, तुमको जितने अत्याचार करना है, कर लो अब भगत सिंह और उसकी टीम 130 करोड़ लोगों को इस देश को विश्व का नंबर वन देश बनाकर रहेगा। जय हिन्द, जय भारत।

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद। भावना गौड़ जी।

श्रीमती भावना गौड़: धन्यवाद अध्यक्ष महोदया, एक बहत ही महत्वपूर्ण विषय पर सदन में चर्चा हो रही है। अध्यक्ष महोदया, मुझे लगता है कि इतिहास अपने आपको दोहराता है। आज हमारी आंखो के सामने राष्ट्रीय जीवन का वह जगमगाता एक पृष्ठ उभर रहा है जब नंद वंश के अत्याचारों से ग्रस्त जनता को संरक्षण देने के लिए आर्य श्रेष्ठ चाणक्य ने पावन प्रतिज्ञा की और कालांतर में एक ऐसे राज्य की स्थापना की, जिसमें देश के भीतर स्वर्ण युग की स्थापना की।

अध्यक्ष महोदया, आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली का पहला भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने के साथ-साथ पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन के लिए प्रतिबद्ध है। हम भारत के लोग, भारत की राजधानी दिल्ली जैसा कि भारत का दिल कहा जाता है। दिल्ली की जनता ने दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार को एक नहीं, तीन-तीन बार प्रचंड बहुमत से जीताकरके भेजा। पहली बार 28 सीटें दी, दूसरी बार 67 सीटें दीं और तीसरी बार 62 सीटें आम आदमी पार्टी की झोली में डाल करके इस बात को साबित कर दिया कि दिल्ली में रहने वाला आम आदमी, आम आदमी के द्वारा बनाई गयी सरकार को ही पसंद करता है। परंतु, अध्यक्ष महोदया, जब से हम जीतकर के आए हैं, केन्द्र में बैठी मोदी सरकार को कहीं न कहीं हम हजम नहीं हो रहे। मेरा एक प्रश्न कुछ पंक्तियों के माध्यम से बीजेपी के लोगों से है:

सहिष्णुता की सुगंध पर इतनी घबराहट क्यों है,
विकास देखने से हुई इनको इतनी छटपटाहट क्यों हैं,
माना कि आपके हाथ में दिल्ली की सत्ता नहीं रही,

जो किया सो पाया, इन सब में इतनी हड़बड़ाहट क्यों हैं।

ये प्रश्न है हमारा भारतीय जनता पार्टी की सरकार से।

अध्यक्ष महोदया, मैं महसूस करती हूं कि कोई भी संविधान या कोई भी संवैधानिक संस्थाएं चाहे वो अपने आप में कितनी भी अच्छी हों, निश्चित तौर पर वो खराब हो जाएंगी, यदि उनकी बागडोर अच्छे, नेक लोगों के हाथों में नहीं होंगी। अध्यक्ष महोदया, राजनैतिक महात्वाकांक्षा कोई अपने आप में बुरी बात नहीं है लेकिन यदि बीजेपी व्यक्तिगत आकांक्षा की पूर्ति के लिए दिल्ली को राजनैतिक अस्थिरता के कगार के ऊपर खड़ा कर दे तो ये शायद अपने आप में ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदया, कई बार तो ऐसा लगता है कि दिल्ली में अन-डिक्लीयर्ड एमरजेन्सी लगी हुई है। केन्द्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने आपको संस्कारी कहती है, अपने आपको अनुशासित कहती है, अपने आपको सिद्धान्तों वाली पार्टी कहती है लेकिन अध्यक्ष महोदया ये भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, इनके कार्यकर्ता अपने आप में एक अजीब स्वप्न देखते हैं और इनका सपना है कि पूरे भारतवर्ष में जितने भी राज्य हैं उनमें विपक्ष की भूमिका खत्म हो जाये। इस तरह का स्वप्न देखते हैं भारतीय जनता पार्टी के लोग और साथ ही साथ एक स्वप्न और देखते हैं कि पूरा का पूरा भारत और इसमें स्थापित राज्य मोदीमय हो जाये। इस तरह का स्वप्न देख रहे हैं। तो अध्यक्ष महोदया मैं आपको बताना चाहूंगी कि शायद बीजेपी के पदाधिकारियों ने संविधान को नहीं पढ़ा। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को नहीं पढ़ा। भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने संविधान नहीं पढ़ा, लोकतंत्र की परिभाषा उनको नहीं मालूम तो इसको मैं सिर्फ एक ही शब्द में ये बात कहूंगी

कि लोकतंत्र को इन्होंने अगर जाना होता, संविधान को अगर इन्होंने पढ़ा होता तो शायद उन्हें इस चीज की जानकारी होती कि पक्ष और विपक्ष को मिलाकरके लोकतंत्र में सरकारों का गठन होता है। विपक्ष की भूमिका कदापि खत्म नहीं होती। तो अध्यक्ष महोदया, मैं आपको बताना चाहूंगी कि इस सपने को पूरा करने के चक्कर में भारतीय जनता पार्टी बहुत सारे BB क्रम कर रही है। ऑपरेशन लोटस चलाते हैं। अब में सदन को ये बताना चाहूंगी कि ऑपरेशन लोटस का अर्थ क्या होता है। अध्यक्ष महोदया, ऑपरेशन लोटस बीजेपी की उस स्ट्रेटजी के लिए गढ़ा हुआ एक शब्द है जिसमें सीटें पूरी ना होने के बावजूद सरकार बनाने की कोशिश की जाती है। इसे ऑपरेशन लोटस कहते हैं और इसके साथ-साथ बीजेपी उन राज्यों को अपना टारगेट बनाती है जहाँ बीजेपी सत्ता में नहीं है या उनकी सीटें कम है। वहाँ-वहाँ ऑपरेशन लोटस चलाया जाता है। अध्यक्ष महोदया, कम सीटें होने की वजह से भी कहीं-कहीं पर बीजेपी सत्ता में नहीं है। यह केन्द्र में बैठी हुई सरकार का जनता के फैसले के खिलाफ अपने आप में एक षडयंत्र है। अध्यक्ष महोदया, महाराष्ट्र में शिंदे के साथ मिलकर एक सक्सेसफुल प्रयोग भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने किया। आसाम में हेमन्त बिस्वा शर्मा जो पहले कांग्रेस के अन्दर होते थे, बीजेपी ने कांग्रेस में होते हुए हिमन्त बिस्वा शर्मा के ऊपर एक वॉटर घोटाले का वहाँ पर बताया कि भई ये मंत्री ऐसा है, ये व्यक्ति ऐसा है जिसने पानी का घोटाला किया और कुछ समय पश्चात् हेमन्त को बीजेपी में शामिल किया और उसे वहाँ का मुख्यमंत्री बना दिया। ऐसे बीजेपी के BB क्रम जो हैं उनका व्याख्यान मैं सदन में खड़े होकरके कर रही हूं। अध्यक्ष महोदया, उत्तराखंड के विधायकों को धमकाकर वहाँ की सरकार गिराने का काम अगर किसी ने किया तो बीजेपी ने किया।

मध्य प्रदेश में तोड़फोड़ की, जाँच की, खरीद-फरोख्त की धमकी देकर उन्होंने अपनी सरकार बनायी। मैं मुकुल राय जी का भी व्याख्यान इस सदन के माध्यम से करना चाहूंगी।

माननीया अध्यक्षा: कम्प्लीट कीजिये।

सुश्री भावना गौड़: मुकुल राय को सम्मन भेजा ई0डी0 ने। एक हफ्ते बाद उन्हें अपनी पार्टी में शामिल किया और उन्हें राष्ट्रीय उपाधयक्ष बनाने का काम बीजेपी ने किया। अध्यक्ष महोदया, मुझे लगता है कि बीजेपी इस समय बहुत विचलित है क्योंकि ये प्रयोग वो मनीष सिसोदिया जी के साथ में नहीं कर पायी। उन्होंने सीबीआई को भेजकर सारी जाँच करवा ली पर मनीष जी टूटे नहीं। मनीष जी ने कहा, मैं अपने सिद्धान्तों के साथ खड़ा हूं। मैं दिल्ली की जनता के साथ खड़ा हूं। मैं दिल्ली के बच्चों के साथ खड़ा हूं। मैं दिल्ली की शिक्षा के साथ में खड़ा हूं। मैं अरविंद केजरीवाल जी के साथ में खड़ा हूं। मैं अपनी पार्टी के साथ में खड़ा हूं। तुम मुझे नहीं तोड़ पाओगे क्योंकि मैं कंधे से कंधा मिलाकर दिल्ली में रहने वाले हर शख्स के साथ में खड़ा हूं। ऐसे हैं माननीय मनीष जी। अध्यक्ष महोदया, अब तक बीजेपी ने जिन-जिन लोगों को तोड़ा उन्होंने किसी ने भी बाहर आकर व्याख्यान नहीं दिया लेकिन मैं इस बात पर गर्व महसूस करती हूं कि माननीय मनीष जी अकेले एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने बीजेपी की साजिश से पहले देश के सामने यह सार्वजनिक कर दिया कि मुझे बीजेपी ने इस तरह का प्रस्ताव भेजा है कि आप आम आदमी पार्टी में शामिल हो जायें हम आपको दिल्ली का सीएम बना देंगे। अध्यक्ष महोदया, दो मिनट और लूंगी आपके। अध्यक्ष महोदया, बीजेपी का ऑपरेशन लोटस

इस समय दिल्ली में ऑपरेशन बोगस में तब्दील हो गया है। मैं बताना चाहूंगी अध्यक्ष महोदया, ये ऑपरेशन लोटस दक्षिण भारत में नहीं चल रहा। केरल में, तेलंगाना में, आंध्र में वहाँ तो काजू की खेती होती है, कमल की खेती नहीं होती और उसका कारण भी है। आंध्र प्रदेश में, केरल में वहाँ की जमीन तो बहुत दलदली है और मुझे लगता है कि इस तरह से अगर लोटस पैदा होने लग गये, कमल पैदा होने लग गया तो थोड़े दिन बाद भारत इसका निर्यात करने लग जायेगा। इस तरह की खेती हो रही है लेकिन साउथ इण्डिया के अन्दर इनका जोर नहीं चल रहा है। वहाँ पर कमल की खेती नहीं हो रही है। वहाँ केवल और केवल काजू की खेती होती है। अध्यक्ष महोदया, ये तो दिल्ली के लोग है और दिल्ली की सरकार है जहाँ ऑपरेशन लोटस, ऑपरेशन बोगस के रूप में तब्दील हो गया है। दिल्ली की सरकार और दिल्ली के लोग, दिल्ली के विधायक हम सभी अपनी पार्टी के सच्चे सिपाही है। हम सभी विधायक देश के लिए लड़ेंगे।

माननीया अध्यक्षः कम्प्लीट करिये।

सुश्री भावना गौड़ः और दिल्ली की जनता के लिए काम करेंगे। बीजेपी की धमकी, उनकी जाँच, उनकी सीबीआई, उनकी ई0डी0 से हम लोग डरने वाले नहीं है। मैं केन्द्र में बैठी बीजेपी की सरकार को कहना चाहूंगी कि आपने शिंदे और उनके विधायकों को तोड़ लिया। आपने कर्नाटक के विधायकों को धमका कर तोड़ लिया। आपने उत्तराखण्ड, अरूणाचल प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश के विधायकों को तोड़ लिया पर जनाब ये दिल्ली की सरकार है, आम आदमी की सरकार है, आम आदमी पार्टी की सरकार है, अरविंद केजरीवाल की सरकार है। मनीष जी ने उनके नापाक इरादों का खुलासा किया है। हम

सब विधायकों ने बीजेपी के नापाक इरादे, उनकी असलियत, उनकी कोशिश सबको नाकाम करने का काम किया है। दिल्ली का शिक्षा मॉडल, दिल्ली का स्वास्थ्य मॉडल, उनके अन्तर्गत किये हुए काम अपने आप में अनुकरणीय है। दुनिया के अन्दर उनको ख्याति प्राप्त हुई है। न्यूयार्क टाइम्स के अन्दर जो खबर छपी अध्यक्ष महोदया बीजेपी को उससे परेशानी हो गयी जबकि 2013 में मोदी इज राइज इन इण्डिया।

माननीया अध्यक्षः भावना जी, आप अपनी बात को कम्पलीट कीजिए।

सुश्री भावना गौड़ः इसकी खबर न्यूयार्क टाइम्स में छपी तब मोदी जी को कोई परेशानी नहीं हुई और मुझे लगता है अध्यक्ष महोदया अगर न्यूयार्क टाइम्स मोदी जी की खबर को छापें ही ना तो उसके अन्दर हमारी क्या गलती हो सकती है। अध्यक्ष महोदया, हमें अभी तक कोई आपत्ति नहीं है बस केवल सन्देश है इस सदन के माध्यम से मोदी जी भारत कर्म प्रधान देश है। काम कीजिए और सिर्फ काम कीजिए। जनता आपको सर आँखों पर बैठाने के लिए तैयार है। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी कोस्वीकार किया है । दिल्ली में तीन टेन्योर से हम चुनाव लड़ते आ रहे हैं और प्रचण्ड बहुमत से जीतते आ रहे हैं। दिल्ली को जीतने के बाद में पंजाब की जनता ने हमें प्रचण्ड बहुमत से जिताकर भेजा। हिमाचल की जनता दिल्ली जैसी सरकार चाहती है। गुजरात की जनता अरविंद केजरीवाल जैसा मुख्यमंत्री चाहती है और अरविंद केजरीवाल भारत को नम्बर-1 बनाने का स्वप्न देखते हैं और अध्यक्ष महोदया इस अभियान की शुरूआत हो चुकी है। भ्रष्टाचार मिटाना बीजेपी का मुद्दा नहीं है। अरविंद जी जिस तरह का विकास कर रहे हैं उनके विकास के कार्यों को रोकना अपने आप में बीजेपी ने अपना लक्ष्य बनाया है। अरविंद केजरीवाल जी का यह विकास

का रथ जो अब चल चुका है अब ये किसी के रोकने से रूकने वाला नहीं है। आखिरी बात कहकरमैं अपनी बात को विराम दूंगी।

कोई हमें पसन्द करे या न करे।

कोई हमें पसन्द करे या न करे।

हमें दोनों ही बातें पसन्द है।

कोई हमें पसन्द करे या न करे।

हमें दोनों ही बातें पसन्द है क्योंकि

जो हमें पसन्द करेगा हम उसके दिल में रहेंगे और

जो हमें नापसन्द करेगा हम उसके दिमाग में रहेंगे। लेकिन रहेंगे जरूर।

बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदया। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। बहुत-बहुत शुक्रिया।

माननीया अध्यक्षः श्री सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे माननीय मंत्री श्री कैलाश गहलोत जी के रिजोलूशन पर बोलने का मौका दिया। मैं उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदया, मेरे साथियों ने जिस प्रकार से ऑपरेशन लोटस के बारे में विवरण दिया, व्याख्यान किया मैंने अभी व्हाटस्अप के माध्यम से दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर को भेजा कि भई इस पर कोई पीएचडी मिल सकती है क्या। भई ऑपरेशन लोटस इनका एक काबिले तारीफ प्लान है। पूरे देश में कई सरकारें गिरी। कई जगह जहाँ इनके विधायक नहीं भी थे। मतलब पूरे विश्व में पहली ऐसी पार्टी है जो बिना विधायक

के सरकार बना लेती है। तो ये तो बिल्कुल पीएचडी वाला मसला है। तो मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के उस प्रोफेसर को एक रिक्वेस्ट किया है कि भाई कन्सीडर करो कि सू-मोटो लेकर माननीय मोदी जी को पीएचडी दिया जाये कि बगैर विधायक का सरकार का बनाना हो तो कैसे बनाना है। साथियों अच्छा किया न। डि0लिट0 नहीं पहले पीएचडी दे दें। और अभी बड़े डिटेल में साथियों ने सारी बातें रखी। ये मसला असल में ये है कि आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल के राजनीति में आने के पहले पहले राजनीति का क्या करेक्टर हुआ करता था। सत्ता में आओ, पैसा बनाओ फिर चुनाव लड़ो, ये एक सर्किल था। एक सरकार दिल्ली में आयी केजरीवाल जी के नेतृत्व में जिसने कहा कि मूलभूत समस्याओं का समाधान करके देंगे और इस प्रोसेस में दो बातें हो गयी। पहली बात हिन्दूस्तान की जनता को एहसास हो गया कि हो तो सकता था। शिक्षा की समस्याओं का समाधान हो तो सकता था। ना कांग्रेस के हाथों हुआ, ना भाजपा के हाथों हुआ। तो दोधारी तलवार चली और भाजपा और साथ में कांग्रेस को भी आम आदमी पार्टी के उत्थान से, माननीय अरविंद केजरीवाल जी के उत्थान से बहुत घातक नुकसान हुआ। शिक्षा में जिस प्रकार से दिल्ली के स्कूलों के अन्दर ऐसे काम हुए जहाँ मकड़े के जाले हुआ करते थे, जहाँ बच्चे नहीं जाया करते थे, जहाँ ये अभिशाप बन गया था कि कोई सरकारी स्कूल में पढ़ता है तो वो एक गरीबी का निशानी बन गया था कि जिसके पास कुछ भी नहीं है वो सरकारी स्कूल जायेगा। तो ये जो कायाकल्प हुआ भारतीय राजनीति के अन्दर जिसमें कि सभी एक्सपोज हो गये। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस हो। ये दोनों एक्सपोज हुए जो केजरीवाल जी ने दिल्ली में काम करके दिखाया तो ना सिर्फ केजरीवाल जी ने भारतीय राजनीति के अन्दर समस्याओं का समाध

ान कैसे होता है वो करके दिखाया बल्कि ऐसा करके उन सबको एक्सपोज कर दिया कि वो चाहते ही नहीं थे, उनकी मंशा ही नहीं थी। उनकी मंशा थी देश की जनता गरीब रहे, देश की जनता अनपढ़ रहे और इन सरकारों को बार–बार लाती रहे। तो जो सेट पैटर्न ऑफ पॉलिटिक्स था उसको अनसेट किया अरविंद केजरीवाल ने और इसी कारण से अरविंद केजरीवाल जी आज सबके लिए मुसीबत बनकर खड़े हुए हैं। अध्यक्ष महोदया, जिस प्रकार से अभी पिछले हमारे साथियों ने कहा कि कैसे मेक इण्डिया नम्बर–1, उस दिन अरविन्द जी ने बकायदा ये भी कहा था कि भई हम सिर्फ आम आदमी पार्टी वालों को नहीं बुला रहे हैं। हम भाजपा वालों को भी कह रहे हैं, हम कांग्रेस वालों को भी कह रहे हैं। अब जो अरविंद जी की जो स्ट्रेटजी होती है उसमें उनके पास जवाब नहीं होता है। हमने ये कहा ही नहीं कि भई हम आम आदमी पार्टी वालों को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

तो दो बड़ी बातें जो पिछले दिनों हुई हैं जिसके कारण मोदी जी के होष्ठा उड़े हुए हैं और उसका परिणाम है जो मनीष जी के ऊपर, जो हम सब के ऊपर एक प्रयत्न कर रही है बीजेपी मेक इंडिया नंबर वन आज की तारीख में किसी भी पॉलिटिकल पार्टी ने, किसी भी पॉलिटिकल नेता ने सोचा ही नहीं था कि किस प्रकार से देश को शिक्षित करें, किस प्रकार से स्वास्थ्य सेवाओं को ठीक करें, बिजली को ठीक करें, पानी को ठीक करें, वूमन सिक्योरिटी को ठीक करें और किस प्रकार से हम देश को आगे ले जाने का पूरा मॉडल स्थापित करें। ये पहली बार देश में हुआ है और दूसरी बड़ी बात क्या हुई कि जो गुजरात मॉडल, गुजरात मॉडल, गुजरात मॉडल चल रहा था, अभी पिछले दिनों जब अरविंद जी ने वहां एक खुले में जो बातचीत की किस प्रकार से

गुजरात पुलिस के लोगों ने आकर के बातें बताई कि आज की तारीख में 10 साल पहले, 15 साल पहले, 20 साल पहले उनकी सेलेरी हुआ करती थी 1700 रूपया, अब जाकर हुई 11 हजार रुपया। खुले में ये बहुत बड़ी बात है कि जो अभी सरकारी सर्विस में आदमी है वो व्यक्ति अरविंद जी को आकर बोल रहा है कि अरविंद जी, हमारी सेलेरी अभी 11 हजार रुपया है, हाथ जोड़कर विनती करता हूं आपकी सरकार आ जाये तो हमारी सेलेरी ठीक कर देना। जब सरकारी विभाग के लोग, पुलिस के लोग इस बात को मानने लगे हैं कि भई इनकी सरकार आ रही है तो समझ लीजिये कि सरकार आ गयी। ये कभी भी कोई भी सरकारी कर्मचारी अपनी नौकरी को नुकसान में नहीं करेगा, अपने आप को दांव पर नहीं लगायेगा। उससे इनकी नींद हराम हो गयी कि जैसा विशेष ने उस दिन कहा कि जो इनका फोकस है जो फलक्रम है जो अर्थक्वेक का सेंटर है जो ऋतुराज ने कहा, जो गुजरात है अब गुजरात में जाकर के आपने इनको डिस्टेब्लाईज कर दिया। तो नेचुरल सी बात है जब मोदी जी 24 के बाद घर जायेंगे तो कहां जायेंगे, ये तो चिंता करनी थी। भई झोला लेकर जब जायेंगे तो आप गुजरात तक घुस गये और गुजरात में जाकरके इनको आपने गुजरात से निकालने का आपने जो फरमान जारी कर दिया। लेकिन अब ये अगर तनिक सा भी इनमें मैं कह रहा हूं कि अगर तनिक सा भी इनमें देश के प्रति प्रेम होता तो क्या करते ये? जो अरविंद जी ने, मनीष जी ने जो देश के अंदर एक शिक्षा का मॉडल आया जिसका आप प्रचार-प्रसार बगैर किये हो रहा है, कैसे विदेशों के अंदर न्यूयॉर्क टाईम्स में मनीष जी ने दिखाया बकायदा दो न्यूज़ दिखाया एक न्यूज़ उनका छपा कि किस प्रकार से कोरोना काल में इन्होंने देश के अंदर ऐसा मातम का माहौल बनाया। दूसरा न्यूज़ ये छपा कि भई किस

प्रकार से दिल्ली के शिक्षा मॉडल के सहारे पूरे भारत में शिक्षा क्रांति का माहौल बन रहा है। तो इनको लकीर लंबी खींचनी चाहिये थी। तो छोटे बुद्धि वाले हैं, छोटे मत वाले हैं, छोटे दिल वाले हैं कि भई इनकी लकीर जो है छोटी करो, मनीष जी की लकीर छोटी करो कि भई कैसे शिक्षा का मॉडल इसका पनप रहा है, इसको छोटी करो तब जाकरके हमारी लकीर बड़ी होगी। अब दो बार मतलब बड़ा आश्चर्य होता है कि इतने बड़े बहुमत से जीता प्रधानमंत्री दो बार चाहता तो अपना नाम अमर कर लेता हर क्षेत्र में। करना ये चाहिये था कि अरविंद जी को, मनीष जी को आगे बिठाकर पूरे देश के मुख्यमंत्रियों को इकट्ठा करते और कहते भाई एक दूसरे के गुड प्रैक्टिसिस से सीखो, अगर शिक्षा मॉडल यहां का अच्छा है तो इसको पूरे भारत में लागू करते हैं। अगर भारत माता से तनिक प्यार होता तो ये करते। ये कर क्या रहे हैं? उधर न्यूयॉर्क टाईम्स में खबर छपी है, देश का नाम रोशन हो रहा है और उसी वक्त ये सीबीआई को भेज देते हैं। तो हमारी बहन ने कहा कि वो जीजा को भेज दिया, कह रहे वे फूफा को भेजेंगे। हम उसको पहले कहते हैं न कि तोता सोखा मैना को भेजते हैं ये। मजाक बना रखा है इन्होंने सबका। और 31 जगहों पर रेड करने के बाद इनको धेला न मिला और ऐसी बेईज्जती इनकी हुई है पहले लुकआउट नोटिस, फिर वापस। फिर ईडी, फिर वापस। मतलब मजाक बना रखा है। अध्यक्ष महोदया, और एक बात मैं साथियों से कहना चाहता हूं कि जो कांग्रेस है वो इसको समझ में नहीं आ रहा कहें तो क्या कहें। कांग्रेस एक तरफ कह रही है कि जी दुरूपयोग कर रहे हैं ये सीबीआई, ईडी का, लेकिन नहीं नहीं आम आदमी पार्टी वालों पर ठीक कर रहे हैं। तो कांग्रेस के लिये गर्म-गर्म दूध हो गया है न ये निगलते बन पा रहा है न उगलते बन

पा रहा है। इतिहास का पहला अरेस्ट हुआ सत्येंद्र जैन साहब का, एक धेले का रिकवरी नहीं, एक धेले का सबूत नहीं, और पीएमएलए के जो सख्त प्रावधान हैं शुक्र है कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने इसको स्वीकार कर लिया है देखने के लिये, हमारे साथी बंद हैं।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट करें।

श्री सोमनाथ भारतीः लग रहा है जैसे फ्रीडम स्ट्रगल में हमारे साथियों ने जेल के अंदर समय बिताया उस प्रकार से हमारे साथी समय बिता रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से सारे संस्थानों को कमजोर कर रही है, कोई संस्थान हो, हर संस्थान का मिस्यूज, एब्यूज जितना बड़ा इन्होंने किया उतना किसी ने नहीं किया। और एक नया ईस्ट इंडिया कंपनी का स्थापना हुआ है अडानी के रूप में। ढाई लाख करोड़ का कर्जा अभी लिया है। अरविंद केजरीवाल जी ने जिस प्रकार से शिक्षा के अंदर, स्वास्थ्य के अंदर बदलाव करके जनता के लिये सुविधायें लाने का प्रयत्न किया है उसको हम भारतवाद कह रहे हैं।

माननीया अध्यक्षः बात पूरी कीजिये।

श्री सोमनाथ भारतीः एक कांग्रेस है जो परिवारवाद करती रही, और एक भाजपा वाले हैं, मोदी जी हैं उनके नेतृत्व में चल रही है वो दोस्तवाद कर रहे हैं, 10 लाख करोड़ का कर्जा माफ कर दिया, 5 लाख करोड़ का टैक्स माफ कर दिया लेकिन केजरीवाल जी अगर 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दे रहे हैं तो पेट में दर्द हो रहा है। अध्यक्ष महोदया, चूंकि ये जो 4 विधायकों के साथ इन्होंने प्रयत्न किया उसमें मैं भी एक था। इनको समझ में नहीं आ रहा कि करें तो क्या करें। अब ये कहते हैं कि सोमनाथ जी मान लो कहना,

अब देखो मनीष जी के साथ ये हो रहा है, आप फायदे में रहोगे अगर हमारा कहना मान लोगे। अगर औरों को साथ में लेकर आये तो 25 करोड़, नहीं तो 20 करोड़। On a lighter note मैंने कहा भाई ये तो नाइंसाफी है। महाराष्ट्र वालों को 50 करोड़ और हमको सिर्फ 25 करोड़, आधा क्यों? कहते हैं वो पूर्ण राज्य है तुम्हारा तो आधा राज्य है।

माननीया अध्यक्षः कंप्लीट कीजिये सोमनाथ जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदया, बहुत दुख होता है, शुक्र है भगवान का कि अरविंद जी के नेतृत्व में जो सरकारें, ये आम आदमी पार्टी की जो सरकारें बन रही हैं संख्या अद्‌भुत है उसमें, दिल्ली में 62 हैं, पंजाब में 92 हैं, परमात्मा ने भी सोच समझ करके फैसला किया कि भैया खूब भर के दो, तब सरकारें चलेंगी आम आदमी पार्टी की। लेकिन ये डरा के, धमका के, मैंने देखा कि पैसा और सत्ता का दुरूपयोग इस प्रकार से कर रहे हैं, प्रजातंत्र को शर्मसार कर रहे हैं, संविधान को शर्मसार कर रहे हैं, बाबा अम्बेडकर के सपने को शर्मसार कर रहे हैं, शहीद भगत सिंह के सपने को शर्मसार कर रहे हैं। ये धृष्टता, इस प्रकार का आचरण इस देश के सामने है कि एक को सत्ता सौंपी केजरीवाल जी को तो केजरीवाल जी ने किस प्रकार से परिवर्तन ला दिया और दूसरे को सत्ता सौंपी तो इसने किस प्रकार से प्रजातंत्र को शर्मसार किया। आखिरी बात, जब हमने कहा कि भई गलत आदमी के पास आये हो, गलत पार्टी के विधायकों के पास आये हो, सफल नहीं होओगे तो कहा सोमनाथ जी, जिस प्रकार से मनीष जी के पास ईडी और सीबीआई का तंत्र गया है उनको तंग करने के लिये, हमारे पास वो आपके लिये भी तैयार है। हमने कहा भई कर लो। न वहां एक धेला मिला, न जैन साहब के यहां एक धेला मिला,

न हमारे किसी विधायक के यहां एक धेला आपको मिलेगा। गारंटी दे रहा हूं। कह रहा है आप कर कुछ भी लो सरकार तो हम गिरा के रहेंगे। मुझे बहुत दुख हुआ और इसी कारण से हमने देश के आगे बात रखने का प्रयत्न किया कि भई देखिये किस प्रकार से प्रजातंत्र का चीरहरण, दिन दहाड़े प्रजातंत्र का गला घोंट रहे हैं और अपनी ताकत का नाजायज फायदा उठाकर इस प्रकार की हरकत कर रहे हैं। साथियों ने कहा शराब घोटाला, शराब घोटाला, शराब घोटाला, क्या है शराब घोटाला? डेढ लाख करोड़ का है, 8 हजार करोड़ का है, 11 सौ करोड़ का है, 144 करोड़ का है कि एक करोड़ का है, कुछ नहीं है? यही तो फैसला कर लो। मुझे वो कह रहे थे कि भई वो कहां मिले, कब मिले, कैसे मिले मैंने कहा पहले तुम ये बताओ कि तुम्हारे घोटाले का साईज क्या है? जिस दिन तुम घोटाले का साईज बता दोगे, उस दिन हम बता देंगे। हमारे पास प्रमाण है।

माननीय सदस्यः चलिये, बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री सोमनाथ भारतीः मैं जो संकल्प हमारे मंत्री साथियों ने रखा, उसका समर्थन करता हूं और कहना चाहता हूं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार को कि इस प्रकार की हरकतें न करे, जो दिल्ली सरकार की केजरीवाल जी की गवर्नेंस में जो एक्सीलेंस है इसको पूरे देश के मुख्यमंत्रियों के सामने रखिये, अच्छे प्रैक्टिसिस सब अपनायें, देश तभी महान बन पायेगा और तभी भारत माता की जय जय हो पायेगी। धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद आपका, दुर्गेश पाठक जी।

श्री दुर्गेश पाठकः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदया। आज एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर हम सारे लोग यहां इकट्ठे हुए हैं। आज जब देश के अंदर सरकारें गिराई जा रही हैं, सरकारें तोड़ी जा रही हैं, विधायकों को खरीदा जा रहा है, ऐसी स्थिति में दिल्ली के अंदर आपने सदन बुलाया और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा हो रही है इसके लिये बहुत बहुत धन्यवाद, बहुत बहुत साधुवाद आपको। पूरे देश के अंदर जब से 2014 से मोदी जी की सरकार आई है एक पूरा पैटर्न है कि जहां पर उनकी सरकार नहीं बनती, जहां पर उनके विधायक नहीं जीतते, जहां उनकी सरकार में बहुमत कम होता है, वहां किस तरह से सरकार बनायी जाये। बिल्कुल अभी तरोताजा केस महाराष्ट्र का हुआ। महाराष्ट्र में मैं आपको अखबारों की दो क्लिपिंग दिखाना चाहता हूं। एक संजय काका पाटिल साहब हैं जिन्होंने कहा कि अब मेरे पीछे ईडी कुछ नहीं कर सकती क्योंकि अब मैं बीजेपी का एमपी हो गया हूं। वहीं दूसरी तरफ हर्षवर्धन पाटिल साहब हैं उन्होंने कहा मुझे रातों को बड़ी अच्छी नींद आती है क्योंकि मैंने अब बीजेपी ज्वाईन कर ली । इसी तरह से कई और विधायक हैं प्रताप जी हैं, इनके ऊपर 175 करोड़ रूपये का मनी लांड्रिंग का केस चल रहा था। ये बीजेपी में अभी शिंदे साहब वाले ग्रुप के साथ आ गये, अब इनके ऊपर ईडी का कोई केस नहीं है। इसी तरह से यशवंत जाधव जी, अर्जुना राव, भावना गाविल, ये सारे लोग ऐसे हैं जिनके ऊपर ईडी के केस चल रहे थे, जिनके ऊपर ईडी के छापे पड़ रहे थे, जिनके ऊपर मनी लांड्रिंग का केस था, कोई सुगर का मिल चलाता था, किसी का उसमें पैसा बकाया नहीं दिया, करोड़ों-करोड़ों रूपये का भ्रष्टाचार इन्होंने किया, ईडी की रेड हुई और उसके बाद ये सारे लोग बीजेपी के अंदर शामिल हो गये। इसी तरह से आज आसाम के मुख्यमंत्री हैं हिमंत

बिस्वा शर्मा जी, शारदा स्कैम एक हुआ, करोड़ों रुपये का स्कैम हुआ, उसमें उनका नाम आया, तब वो कांग्रेस में हुआ करते थे उसके बाद वो बीजेपी में शामिल हो गये, उनको ईडी का धमकी देकर, उनको सीबीआई की धमकी देकर उनको बीजेपी ज्वाईन करवा लिया गया, आज वो असम में बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं। आपको ध्यान होगा कुछ साल पहले 2017 में प्रधानमंत्री जी ने एक शब्द कहा था, एक स्टेटमेंट कहा था कि अपनी जुबान संभाल कर बोलना, आप सबकी जन्मपत्री मेरे पास है। इस देश के प्रधानमंत्री को शायद ये पता नहीं था जब वो दिल्ली के अंदर घुसे कि यहां जन्मपत्री में थोड़ी दिक्कत हो गयी। यहां जन्मपत्री में स्कूल लिखा है, अस्पताल लिखा हुआ है और किसी गलत आदमी ने उनके मिस्गाइड कर दिया और वो चले गये मनीष सिसोदिया जी के ऊपर छापा मारने। सीबीआई की रेड हुई, 14 घंटे रेड हुई, मिला कुछ नहीं। ये एक ऐसी घमंडी पार्टी है जिसको ये लगता है कि उसके पास ताकत है तो वो कुछ भी कर सकती है। मुझे ध्यान है, हम उस जनरेशन से आते हैं हम सारे, पूरा देश क्रिकेट देखता है, ऐसा ही एक घमंड था आस्ट्रेलिया का जब वो पूरी दुनिया के अंदर घूम के सारे देशों को हराकर हिंदुस्तान आये और हिंदुस्तान के अंदर जब वो बता रहे थे कि पिछले 5-7 सालों से वो कोई टेस्ट मैच ही नहीं हारे, तो हिंदुस्तान के अंदर आये, टेस्ट मैच हुआ, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की जोड़ी ने उनका पूरा कबाड़ा कर दिया। तो मोदी जी का भी जो पूरा कबाड़ा हो गया इस पूरे सिस्टम में, वो हमारे राहुल द्रविड़ और लक्ष्मण साहब ने कर दिया, अब तो हमारे पास हरभजन सिंह जी भी हैं। तो तीनों ने मिलकर इनका काम खराब कर दिया। लेकिन सबसे दुर्भाग्य की बात ये है कि जब से ये एपीसोड चल रहा है मीडिया लगातार ये पूछ रहा

है कि भई सबूत क्या है, सबूत क्या है, सबूत क्या है। ओ/केबी अगर ये 'ऑपरेशन लोटस' सफल हो गया होता तो मीडिया ये कहता अमित शाह का चक्रव्यूह देखिए, अमित शाह की चाणक्य नीति देखिए, किस तरह से केजरीवाल अपने विधायकों को नहीं संभाल पायें, किस तरह से पार्टी टूट गई। लेकिन आज मीडिया का भी रोल, बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आज के समय में प्रश्न ये पूछा जा रहा है कि सबूत क्या है। मैं बहुत संक्षेप में अपनी बात रखना चाहता हूं। जबकि सच्चाई ये है कि आज जनता दो प्रश्न पूछ रही हैं और मुझे ऐसा लगता है कि मीडिया को भी इन्हीं 2 प्रश्नों पर चर्चा करनी चाहिए। मेरे से पहले साथियों ने भी ये बात रखी। इन्होंने कहा जी शराब घोटाला हो गया। सबने पूछा भई क्या है इस शराब घोटाले के अंदर, तो मनोज तिवारी जी आये, उन्होंने कहा जी 8 हजार करोड़ रुपये का घोटाला हो गया, थोड़ी देर बाद साहिब सिंह वर्मा जी के पुत्र आये, उन्होंने कहा 10 हजार करोड़ का घोटाला हो गया, उसके बाद गौरव भाटिया जी आये, उन्होंने कहा तुम दोनों छोटे नेता हो, मैं थोड़ा बड़ा नेता हूं, तो 15 हजार करोड़ का घोटाला हो गया, शहजाद पूना जी वाले आये, उन्होंने कहा मैं तुमसे ज्यादा बड़ा नेता हूं, तो 20 हजार करोड़ का घोटाला हो गया, संबित पात्रा जी आये, उन्होंने कहा हम, तुम चारों से ज्यादा बड़ा मैं नेता हूं, तो 25 हजार करोड़ का घोटाला हो गया, आदेश गुप्ता जी आये, उन्होंने कहा कि मैं तो प्रदेश अध्यक्ष हूं तो छोटी बात तो कह ही नहीं सकता, तो उन्होंने कहा जी डेढ़ लाख करोड़ का घोटाला हो गया। सच्चाई तो ये है कि सी.बी.आई. का जो, ये सारी कहानियां हैं, एक्शन तो उस पर होगा जो सी.बी.आई. ने अपने डॉक्यूमेंट में लिखा है, जो सी.बी.आई. ने अपने एफ.आई.आर. में लिखा है और सी.बी.आई.ने अपने एफ.आई.आर. में ये लिखा

कि जो 32 या 40, जितनी भी कम्पनियों को शराब के ठेके मिले, उसमें से कोई एक कम्पनी ने एक दूसरी कम्पनी को एक करोड़ रूपये बैंक ट्रांस्फर किये हैं, तो ये भ्रष्टाचार कैसे हो गया?

तो सबसे पहला प्रश्न तो ये है कि चर्चा इस पर होनी चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी किस तरह से एक पूरी एक झूठ की कहानी बनाने की कोशिश कर रही है और उनको ये लग रहा है कि ये कहानी बोलते रहेंगे, कहानी बोलते रहेंगे तो कुछ लोग तो मान ही जायेंगे। दूसरा एक प्रश्न जो बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है और मुझे लगता है कि इस देश में हर किसी को ये पूछना चाहिए, मनीष सिसोदिया जी के ऊपर ई.डी. के रेड हुए एक सप्ताह हो गया, आज लगभग एक हफ्ता बीत गया, इनके साथ-साथ इनके घर पर 14 घंटे की रेड हुई, इनके गांव वाले घर पर 14 घंटे की रेड हुई, 31 और जगहों पर सी. बी.आई. की रेड हुई, एक हफ्ता हो गया, इनका फोन भी ले लिया गया, इनका लैपटॉप भी ले लिया गया, सारी फाइलें ले ली गई। एक हफ्ते से ज्यादा समय हो गया, आज ये पूरा देश पूछ रहा है, आज ये देश जानना चाहता है कि एक हफ्ते बाद मिला क्या? ये तो धर्म बनता है सी.बी.आई. का, सच्चाई तो ये है कुछ भी नहीं मिला। और कल हम सारे लोग, पूरी दिल्ली की जनता भी जाएगी भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर, ये प्रश्न पूछने कि बताइये एक हफ्ते के दौरान आपको क्या मिला? एक हफ्ता समय बीत गया और आप बतायें कि क्या मिला?

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए।

श्री दुर्गेश पाठकः बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः चलिए जी। राजेश गुप्ता जी। राजेश गुप्ता जी नहीं हैं?

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्षा जी, हम सब कुछ दिनों से लगातार सुन रहे हैं 'ऑपरेशन लोटस', ऑपरेशन शब्द जब हम इससे पहले सुनते थे तो दिमाग में आता था कि कोई बीमार होता है तो उसको ठीक करने के लिए उसका ऑपरेशन करना पड़ता है, उसे ठीक करते हैं, लेकिन यहां तो बीमार खुद ही ऑपरेशन कर रहा है। ये बी.जे.पी. बीमार, जलती-भुनती पार्टी, ये भारत जैसे स्वस्थ देश का, जो तेजी से बड़ा हो रहा है, तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसके छोटे-छोटे अंगों में जाकर, जिसे आप प्रदेश कह सकते हो, एक ऑपरेशन चलाती है उस संविधान की आत्मा को मारने के लिए, उस शरीर को मारने के लिए।

जब भारत के संविधान निर्माताओं ने इस देश के संविधान को रखा, तो बाबा साहेब अम्बेडर एक बार जर्मनी में गये और उनसे पूछा गया कि भारत में बहुत गरीबी है, उस वक्त और ज्यादा गरीबी थी, बहुत सारी असमानताएं हैं, अलग-अलग भाषाएं हैं, आपको कैसे लगता है कि इतना बड़ा मुल्क जो लगभग यूरोप जैसा है, इतना बड़ा है, वो एक साथ रह पायेगा? तो बाबा साहेब ने कहा कि जो मैंने संविधान की शुरूआत की है उसमें ये नहीं कहा कि मैं भारत का राष्ट्रपति, यहां से भी शुरूआत नहीं की कि मैं भारत का प्रधानमंत्री, मैं भारत का सांसद, मैं भारत का विधायक, शुरूआत की, हम भारत के नागरिक क्योंकि इस हिंदुस्तान की ताकत हिंदुस्तान के नागरिकों में है, जिनका विश्वास ये है कि जब वो एक-एक वोट देते हैं तो सरकार बनती है। इस उम्मीद के साथ वोट देते हैं कि सरकार ने जो वादे करे हैं वो उन्हें पूरा करेगी। वो वादे दरअसल सपने हैं उनके, जो वो सरकार के रूप में देखती है लेकिन ये 'ऑपरेशन लोटस', ये उन वादों के बिल्कुल खिलाफ काम करता है। जहां कहीं भी कोई

सरकार बनी हुई हो, जिन वादों के साथ में लोगों ने विधायकों को चुना हो, वो बिहार में बनती है, ये तोड़कर अपना बना लेते हैं, इस बार खैर इनको अपनी दवाई का स्वाद थोड़ा सा मिला है वहां पर। इन्होंने मध्य प्रदेश में वो ही करा, इन्होंने अरूणाचल प्रदेश में वो ही करा, इन्होंने हरियाणा में वो ही करा, इन्होंने गोवा में वो ही करा और महाराष्ट्र का जीता जागता उदाहरण आपके सामने है, अभी कुछ ही दिन हुए हैं बल्कि ये कहना चाहिए कि वो एपिसोड तो अभी जारी है, अभी सुप्रीम कोर्ट उसे देख रहा है कि उसमें क्या होना चाहिए और क्या नहीं होना चाहिए।

बड़ा ही एक दुर्भाग्यपूर्ण माहौल, जहां पर लोग एक दूसरे से मजाक में ये पूछते हैं, आपको फोन आया, कमाल हो गया, एक मजाक की चीज बनकर रह गई है। जिन विधायकों का, सांसदों का सम्मान होता था या होना चाहिए, आज एक मजाक की चीज बना दिया गया कि दूसरी पार्टी के बड़े नेता विधायकों को फोन करके नए-नए लालच देते हैं, किसी को मंत्री पद का, किसी को पैसे का, किसी को हनीट्रैप में फंसाते हैं, किसी को ई.डी. पीछे लगाते हैं, किसी के पीछे सी.बी.आई. लगाते हैं, सारा षड़यंत्र रचना कि कैसे भी करके इनकी सरकार बन जाए। और झूठ ऐसा, महाराष्ट्रा में एक झूठ आपने सुना कि हिंदुत्व के लिए वो सरकार बनी। अरे भई जब ये सरकार नहीं बनी थी महाराष्ट्रा की तो एन.सी.पी. के साथ में सुबह 5 बजे शपथ ले रहे थे ना, तब तो शिवसेना के खिलाफ ले रहे थे, तब कौन सा हिंदुत्व था? ये कोई हिंदुत्व के साथ नहीं है, इनका मकसद सिर्फ सत्ता है, सिर्फ पैसा है। पैसा आता है, फिर विधायकों को खरीदने में लगाते हैं। 20 खोखा, 50 खोखा, खोखा पार्टी और खोखली पार्टी। ये विचारों से खोखली पार्टी है इसलिए खोखों की बात करती है।

हर पिक्चर में हम लोग देखते हैं कि ढाई घंटे विलेन बहुत मजे लेता है, नाच गाना सब कुछ, पैसा-वैसा सब उसके पास होता है, बस बी.जे.पी. का वही काल चल रहा है अभी, मजे ले रहे हैं, हंस रहे हैं, फंसा रहे हैं लोगों को, लेकिन ये बात समझ नहीं रहे कि हीरो की एंट्री हो चुकी है। दिल्ली में 2013 में हीरो की एंट्री हो गई थी और हीरो के साथ में जिस हीरो के दोस्त को इन्होंने खरीदने की कोशिश की, समझाने की कोशिश की कि आप हमारे साथ आ जाए, हम आपको मुख्यमंत्री बना देंगे, तो इनको ये पता होना चाहिए कि ये दोनों हीरो मिलकर और इनके साथ में जो वानर सेना आप देख रहे हो, हम शिवसेना नहीं है, हम वानर सेना है, इनकी लंका पक्का फुंकने वाली है। ये दिल्ली में पहले एक बार फेल हो चुके थे, फिर फेल हुए हैं और मैं लिखकर देता हूं कि ये गुजरात में भी इनके साथ यही होने वाला है। ये जितना मर्जी कोशिश कर लें, इनका वहां पर कोई बचाने वाला है नहीं।

माननीया अध्यक्षः कम्पलीट कीजिए।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्षा जी, मैं आज एक बात कहना चाहता हूं, अपने, हमारे साथियों को, ये जो भाजपा के साथी हैं, ये चर्चा करना नहीं चाहते थे तो भाग गये लड़-झगड़कर, मैं तो कहता हूं, मैं इनको एक ऑफर करना चाहता हूं आज। भई हम पर खोखे-वोखे तो हैं नहीं, हमारी पार्टी के पास में, मेरे पास में भी नहीं हैं। लेकिन मैं इनकी पार्टी के विधायकों से कहता हूं, ये जो 8 हैं और पूरे हिंदुस्तान में जो हैं, ये आयें, हमें जॉइन कर लें, हम भैया खोखा तो दे नहीं सकते, 20 खोखा, 50 खोखा, लेकिन एक गारंटी है कि 20 करोड़ इनको दुआएं दिलवा देंगे, 20 करोड़ मुस्कुराहट दिलवा देंगे उन बच्चों की जिनके

लिए मनीष सिसोदिया लगातार सुबह से लेकर रात तक हमारे साथ में काम करते आये हैं। क्या करेंगे पैसे का, कहां लेकर जाएंगे? लेकिन वो मुस्कुराहटें जो अरविंद केजरीवाल ने, मनीष सिसोदिया ने यहां कमाई हैं, जो इन विधायकों ने सुबह से शाम तक जो दिन-रात लगे रहते हैं, इन्होंने बनाई हैं, ये हम उनको जरूर दिलवा देंगे, हमारे साथ रहें, हम उनको खुला ऑफर दे रहे हैं, विधान सभा में बैठकर दे रहे हैं, टी.वी. पर दे देंगे कि हमारे साथ आयें, हम इनको कई खोखों की मुस्कुराहट इनको वहां पर दिलवायेंगे।

माननीया अध्यक्षः चलिए, बहुत-बहुत धन्यवाद राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः अभी मैडम 2 मिनट दे दीजिए।

माननीया अध्यक्षः समय की बहुत कमी है, राजेश गुप्ता जी बस, धन्यवाद।

श्री राजेश गुप्ताः ठीक है जी।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय मंत्री, गोपाल राय जी।

माननीय श्रम मंत्री (श्री गोपाल राय): आदरणीय अध्यक्ष महोदया, सुबह से सदन दिल्ली के अंदर 'ऑपरेशन लोटस', लिकर पॉलिसी, भ्रष्टाचार, माननीय शिक्षा मंत्री के ऊपर सी.बी.आई. के छापे की चर्चा कर रहा है। सात दिन से लगातार भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के झूठ पर झूठ, झूठ पर झूठ, झूठ पर झूठ बोलने के सारे हथकंडे फेल हो गये। मैं इस सदन को बधाई देना चाहता हूं और दिल्ली के शिक्षा मंत्री, माननीय मनीष सिसोदिया जी को बधाई देना चाहता हूं। आज उनके सदन में बोलने के बाद सभी भाजपाई बोलने में असमर्थ हो गये, तो देश का शिक्षा मंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री आज सामने आने

के लिए मजबूर हो गया, ये इस सदन की जीत है और दिल्ली सरकार के कामों की जीत है। आज देश का केन्द्रीय शिक्षा मंत्री सामने आकर के, क्या बोलने सामने आयें, कह रहे हैं कि ये दिल्ली का जो सारा शिक्षा का काम है, ये ढकोसला है, ये खोखला है। सात दिन से क्या टेप-रिकॉर्ड बज रहा था, शिक्षा की हम बात नहीं कर रहे, लिकर पॉलिसी की बात करो, शिक्षा की हम बात नहीं कर रहे, घोटाले की बात करो, शिक्षा की हम बात नहीं कर रहे, बेईमानी की बात करो। आज सात दिन से जब झूठ बोलते, बोलते, बोलते, मुझे लगता है मोदी जी ने सर्वे जरूर कराया होगा कि ये सात दिन से जो हम झूठ बोल रहे हैं इसका जनता के ऊपर क्या असर हो रहा है। देश की जनता का तो जो असर हो रहा है, हो रहा है, असली सर्वे गुजरात में हुआ होगा कि जो हम लोग दिन रात पानी पीकर के अरविंद केजरीवाल की सरकार और दिल्ली के शिक्षा मंत्री- मनीष सिसोदिया को गालियां दे रहे हैं, इसका गुजरात में क्या होने वाला है। इनको ऐसा लग रहा था कि अगर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री को उठाकर के ई.डी. जेल में बंद कर देगी, आम आदमी पार्टी के लोग डर जायेंगे, गुजरात जाना छोड़ देंगे। इनको लग रहा था शिक्षा मंत्री के ऊपर सी.बी.आई. के छापे डालेंगे, आम आदमी पार्टी के लोग गिड़गिड़ाने लगेंगे। अध्यक्ष महोदया, ये नहीं जानते, तुमने दिल्ली के शिक्षा मंत्री के ऊपर छापे डाले, अगले दिन तुम्हारे गुजरात में सीना तानकर खड़ा था, ये आम आदमी पार्टी है। और अध्यक्ष महोदया, मैं ये भी कहना चाहता हूं, बात केवल अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के लोगों की नहीं है, जिस दिन से मनीष सिसोदिया के ऊपर इन्होंने छापा डाला है, गुजरात के अंदर 25 सालों से इन्होंने जिस तरह से डराकर के गुजरात के लोगों को चुप कर रखा था,

आज गुजरात ने चुप्पी छोड़ दी है, गुजरात का पुलिस का अधिकारी, पुलिस का कर्मचारी सरेआम खड़ा होकर के आज केजरीवाल-केजरीवाल बोलने लगा है। आज इस सर्वे का नतीजा है, शराब नीति चली गई, भ्रष्टाचार चला गया, बेईमानी चली गई, आज देश का केन्द्रीय मंत्री, मेरे ख्याल से जब से वो शिक्षा मंत्री बनें, पहली बार देश के सामने आये मीडिया में, ये बताने के लिए नहीं कि केन्द्र सरकार ने शिक्षा के जगत में क्या अच्छा काम किया है, ये बताने के लिए नही आये कि उनकी सरकारों ने देश के अंदर अलग-अलग जगहों पर क्या अच्छा काम किया, आज देश का शिक्षा मंत्री ये बताने आया कि दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था चौपट है। ये तो पूरी दुनिया को पता चल गया है कि दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था कैसी है।

अध्यक्ष महोदया, सब लोगों के मन में एक प्रश्न है, आखिर ये जो सरेआम देश के अंदर दिल्ली में 'ऑपरेशन लोटस' चलाने की कोशिश कोई आखिरी कोशिश तो है नहीं, ये जो देश के अंदर केन्द्र सरकार एकतरफा, चारों तरफ, महाराष्ट्र को निशाने पर ले रखा है, कर्नाटका ले लिया, झारखंड ले लिया, बिहार ले लिया, मध्य प्रदेश ले लिया, ये जो पूरे देश के अंदर चुनी हुई सरकारों पर एकतरफा छापा मारा जा रहा है, ई.डी. दौड़ रही है, सी.बी.आई. दौड़ रही है, तमाम जो एजेंसियां हैं, दौड़ रही हैं, इसके पीछे कारण क्या है? क्योंकि लोगों को समझ में नहीं आ रहा है। आमतौर पर तो ये बात समझ में आ रही है कि सरकार देश की सरकारों को अपनी मुट्ठी में लेना चाहती है लेकिन केन्द्र की सरकार तो इन्हीं के पास है, देश के अंदर अरूणाचल प्रदेश में सरकार भा.ज.पा. की है, असम के अंदर भा.ज.पा. की है, गोवा के अंदर भा.ज.पा. की है, गुजरात के अंदर भा.ज.पा. की है हरियाणा के अंदर भाजपा की है,

हिमाचल के अंदर भाजपा की है, कर्नाटका के अंदर भाजपा की है, मध्य प्रदेश के अंदर भाजपा की है, महाराष्ट्र के अंदर अब भाजपा की है, मणिपुर में भाजपा है, मेघालय में भाजपा है, मिजोरम में भाजपा है, नागालैंड में भाजपा है, पांडिचेरी में भाजपा है, सिक्किम में भाजपा है, त्रिपुरा में भाजपा है, उत्तराखंड में भाजपा है, उत्तर प्रदेश में भाजपा है। पूरी केन्द्र की सरकार इतने राज्यों की सरकार से अगर इनका पेट नहीं भर रहा, तो दो चार और सरकारें आ जायेंगी तो क्या इनको फर्क पड़ जायेगा। अध्यक्ष महोदया, इसके पीछे थोड़ा और गहरा राज है। पूरा देश आजादी का 75वां वर्षगांठ मना रहा है, देश के अंदर हिंदुस्तान की आजादी के लिए हंसते हंसते लोगों ने फांसी के फंदे को चूमा था, ये सपना देखा था और हिंदुस्तान के लोग भी ये सोचते थे कि आजादी के 75 साल बाद हम कहां खड़े होंगे। अध्यक्ष महोदया, 75 साल बाद इस देश के अंदर आज देश की अर्थव्यवस्था सबसे कमजोर स्थिति में पहुंच चुकी है। आज सामने जो ये ईडी, ईडी, सीबीआई खेल रहे हैं इसके पीछे पर्दे के अंदर इस देश की जो अर्थव्यवस्था है जिस तरह से कमजोर हुई है आज हम सब जानते हैं, एक डालर की कीमत आज 80 रूपये के बराबर हो गयी है। अगर मोटी भाषा में कहें तो इस देश के अंदर अगर 80 रूपये दें हम, 80 रूपये देने के बाद एक डालर की औकात है आज हमारे देश की। इस अर्थव्यवस्था को, इस कमजोर स्थिति में पहुंचाने के लिये जिम्मेदार जो व्यक्ति है उस व्यक्ति का नाम नरेंद्र मोदी है और आज देश के प्रधानमंत्री के पास इसका समाधान नहीं है, इसका समाधान है तो उसका समाधान देने वाले व्यक्ति का नाम अरविंद केजरीवाल है। लोग सोच रहे हैं आज इतनी बेचैनी क्यूं है? देश के अंदर इन्होंने नोटबंदी लागू की, देश की अर्थव्यवस्था पर कुठाराघात किया, देश के अंदर अतार्किक

तरीके से इन्होंने जिस तरह से जीएसटी का सिस्टम लागू किया, देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर किया, देश के अंदर जिस तरह से इन्होंने कोरोना काल के अंदर मैनेजमेंट किया, देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर किया, लेकिन उसी समय एक देश के अंदर, इसी राज्य दिल्ली के अंदर अरविंद केजरीवाल ने जो सिस्टम बनाया है आज दिल्ली की अर्थव्यवस्था भी मजबूत है, दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था भी मजबूत है, दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम भी मजबूत है। आज अरविंद केजरीवाल ने विपरीत परिस्थितियों में देश के अंदर आगे बढ़ने का रास्ता क्या हो सकता है, संकट मोदी ने पैदा किया है, समाधान अरविंद केजरीवाल के पास है, इसलिये इनको डर लगता है। बात केवल मनीष सिसोदिया जी के ऊपर छापे की नहीं है, सत्येंद्र जैन जी के ऊपर भी ईडी डालकर के, गिरफ्तार करके इन्होंने जेल में बंद किया हुआ है। इसलिये मामला घोटाले का है ही नहीं। फर्जी एफआईआर करके जिस तरह से मनीष सिसोदिया के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश की, वह आज जगजाहिर हो चुकी है। सत्येंद्र जैन जी को जिस तरह से फर्जी क्रसों में फंसाया गया, बार बार जांच की गयी, जब कुछ भी नहीं मिला, जबर्दस्ती उठाकर के जेल के अंदर बंद किया गया। लेकिन बात केवल सत्येंद्र जैन जी और मनीष सिसोदिया जी की नहीं है, हमने आपने सबने देखा कि किस तरह से देश के प्रधानमंत्री को दर्द होता है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के अंदर शिक्षा पर बजट इतना खर्चा करते हैं, अरविंद केजरीवाल स्वास्थ्य पर इतना बजट खर्चा करते हैं, दिल्ली के लोगों को बिजली देते हैं, पानी देते हैं, देश के प्रधानमंत्री के पेट में दर्द हुआ कि इतना सबकुछ जनता के देने के बाद भी अगर दिल्ली की अर्थव्यवस्था मजबूत है, इसी दिल्ली के मॉडल के दम पर पंजाब के लोग अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा हुए और सबसे

बड़ा जो डर है कि अगर इसी मॉडल के साथ काम होता रहा तो मैं जिम्मेदारी से कहना चाहता हूं देश में आने वाली क्रांति से पहले गुजरात में इस विधान सभा चुनाव में क्रांति होने जा रही है। दर्द वहां से पैदा हो रहा है। इसलिये अध्यक्ष महोदया, ये जो पूरी लड़ाई चल रही है, देशभर में जो हमले हो रहे हैं, अपनी कमजोरियों को छुपाने के लिये हमले हो रहे हैं। महाभारत की कथा हम सब जानते हैं, महाभारत की कथा में जब भीज़्म से मुकाबला करने की औकात नहीं बची तो शिखंडी को सामने लाया गया। आज अरविंद केजरीवाल के कामों की, अरविंद केजरीवाल के मॉडल की, अरविंद केजरीवाल के रास्ते की, अरविंद केजरीवाल के समाधान निकालने की जद्दोजहद और जिद्द की, जब कोई रास्ता नहीं बचा है तो ये सीबीआई और ईडी के मुखौटे के सामने खड़ा होकर के हमले कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदया, पूरे देश में चिल्ला रहे हैं फ्रीबी, फ्रीबी, फ्रीबी डर क्यूं लग रहा है तुम्हें, हिन्दुस्तान का संविधान बना आजादी के बाद से संविधान की प्रस्तावना में लिखा गया कि भारत के लोगों को आगे बढ़ाने के लिये, उनको आर्थिक, सामाजिक समता का रास्ता दिखाने के लिये भारत का संविधान बना है। तुम अपने दोस्तों को फ्रीबी करते हो, पैसे देते हो तब फ्रीबी नहीं होता। तुम अपने दोस्तों को सबकुछ करते हो कुर्बान कर रहे हो इस देश को तब फ्रीबी नहीं होता है, उनका पिछलग्गू बनकर के विदेश में यात्रायें करते हो और उनका बिजनेस साईन कराते हो पीछे बैठ करके, तब फ्रीबी नहीं होता। इस देश के करोड़ों लोग जिनकी मेहनत से इस मुल्क की संचालन की व्यवस्था चलती है, जिनकी कुर्बानी से ये देश आजाद हुआ, जिनके दम पर ये देश सुरक्षित है, जिनके दम पर खेतों में काम करने से हमारे पेट में अन्न आता है, उसके लिये सरकार करती है तो फ्रीबी होती है। तुम्हारी

औकात नहीं है, तुम जब पैदा नहीं हुए थे तब भी ये देश था, तुम नहीं रहोगे तब भी ये देश रहेगा। अरविंद केजरीवाल और इस सरकार का संकल्प है हम जिनके दम पर यहां आये हैं उनके दम पर खुलेआम काम करेंगे, देश के लिये काम करेंगे, देश की जनता के लिये काम करेंगे, तुम्हें अगर दर्द है तो तुम अपना समाधान निकालो, हमारा रास्ता आगे बढ़ने का है, देश के लोगों की सेवा करने का है और वो सेवा का काम हम करते रहेंगे। रही बात तुम्हारी ईडी की, तुम्हारे खोखों की तो खोखे तुम्हारे पहले भी दिल्ली के अंदर काम नहीं आये थे, खोखे तुम्हारे आज भी दिल्ली के अंदर काम नहीं आयेंगे, जितने खोखे दिखाओगे दिल्ली वाले एक बार खोखे देंगे न, तो दिल्ली में 8 सीट जो बची हैं न, वो भी अगली बार नहीं बचेंगी। खोखे दिखाना बंद करो, पहले भी तुमने गलतियां की थीं, पहले जब गलतियां की थीं तो 68 सीट आई थीं, आज फिर गलती कर रहे हो इसलिये यहां पर जितना चोट दोगे, अरविंद केजरीवाल गुजरात वालों के दिलों में उतना घर बनायेंगे, इसलिये मैं कहना चाहता हूं कि राजनीतिक तौर पर भी जो तुम्हें सलाह दे रहा है एक बार दोबारा समीक्षा कर लो वर्ना तो मैदान में हम भी हैं, मैदान में आप भी हो, आम आदमी पार्टी वो पार्टी है, आंदोलन वो आंदोलन है जब-जब हमें राख में मिलाने की कोशिश होती है, चिंगारी ऐसी निकलती है कि बड़े बड़े भस्म हो जाते हैं। कांग्रेस को यही घमंड था, इसी घमंड में कांग्रेस मुल्क से खत्म हो गयी और ये देश वो देश है ईस्ट इंडिया कंपनी जब 1757 में इस देश के अंदर बंगाल के अंदर अपना किला खूंटा गाड़ी थी उसने धीरे धीरे, धीरे धीरे सौ साल के अंदर पूरे देश को अपने कब्जे में ले लिया, पूरे देश के अंदर ईस्ट इंडिया कंपनी का राज कायम हो गया, मराठाओं को कब्जे में ले लिया, मुगलों को कब्जे में ले

लिया, सभी राजाओं को, सभी लोगों को, सभी जमींदारों को पेंशन पर रख दिया। जब अंग्रेजों को लगा कि इस देश के अंदर हमारा एकछत्र कायम हो गया है, ये वही मां भारती है जो ऐसे बेटे-बेटियों को पैदा करती रही है और करती रहेगी जब 1857 में पूरे देश के अंदर अंग्रेजों को लगा कि पूरा देश हमारी मुट्ठी में है उसी मुट्ठी की राख से 1857 की जंग-ए-आजादी पैदा हो गयी और ईस्ट इंडिया कंपनी को खत्म कर दिया इस मुल्क से। आज आपको घमंड हो रहा है कि पूरा देश हमारी मुट्ठी में आ रहा है। अध्यक्ष महोदया, मैंने बहुत प्रधानमंत्री देखे हैं लेकिन इतना असुरक्षित प्रधानमंत्री हमने कभी नहीं देखा, कभी नहीं देखा। और वो असुरक्षित प्रधानमंत्री इतना असुरक्षित प्रधानमंत्री है कि उसे केवल अरविंद केजरीवाल से डर नहीं लग रहा है, उसे भाजपा के अंदर भी अगर कोई अच्छा काम करता है तो उससे भी डर लगता है और उसका सबसे जीता जागता प्रमाण है नितिन गडकरी को पार्लियामेंटबोर्ड से बाहर करना। अपने चारों तरफ षडयंत्रों में जीने वाला प्रधानमंत्री आज चारों तरफ से घिरा हुआ है, हर व्यक्ति से डरता है लेकिन सबसे ज्यादा डरता है वो अरविंद केजरीवाल से। इसलिए डरता है कि इस प्रधानमंत्री के पास केवल देश को संकट में डालने का रास्ता है और अरविंद केजरीवाल के पास पूरे देश के अंदर अक्रला नेता है जिसके पास समाधान देने का रास्ता है इसलिये उसे डर लग रहा है। लेकिन इस देश को समाधान चाहिये, इस देश के नौजवानों को समाधान चाहिये, छात्रों को समाधान चाहिये, किसानों को समाधान चाहिये, व्यापारियों को समाधान चाहिये और इसलिये जितना दमन करने की कोशिश हो रही है लोग उतना ही अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के साथ खड़े हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदया, मैं इतनी बात कहना चाहता हूं, अपने सभी माननीय साथी विधायकों को नमन

करना चाहता हूं और इस बात के लिये आपको बधाई देना चाहता हूं कि मां भारती ने आपको ऐसे समय में पैदा किया है जब देश संकट की तरफ जा रहा है, समाधान देने की जिम्मेदारी और पुकार पूरा देश कर रहा है। मैं आपसे कहना चाहता हूं जितना आज आपने किया है उससे ज्यादा करने के लिये, कुर्बानी देने के लिये तैयार रहो, हम जेल में रहेंगे लेकिन समझौता नहीं करेंगे, ये हमारा नारा है। अध्यक्ष महोदया, पुलिस के साये में, जेलों के सींखचों में से आजादी का रास्ता निकला था। नये भारत के निर्माण का रास्ता भी पुलिस के साये में, एजेंसियों के छापे में और जेल के सींखचों के बीच से निकलेगा, हमें भरोसा है। हमें इस बात का भरोसा है कि देश टकटकी लगाये पूरे देश में निगाहें दौड़ा रहा है। कभी छोटी सी उम्मीद जिस बिहार के अंदर प्रचंड बहुमत की सरकार समर्थन से बनी हुई सरकार के पाला बदलवाकर के नीतिश कुमार जी के साथ इन्होंने सरकार बनाई, हमने देखा जिस दिन नीतिश कुमार जी ने भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बनाई, लोगों के चेहरों में चमक आ गयी कि शायद इस अंधकार के बीच से कुछ निकलेगा। इस देश के अंदर लोग तलाश रहे हैं। राज्य-दर-राज्य तलाश रहे हैं, किसी को लगता है कि शायद बंगाल से कुछ निकल जाये, किसी को लगता है कि शायद तेलंगाना से कुछ निकल जाये, पूरा देश तलाश कर रहा है। देश संकट में है, देश असहायबोध महसूस कर रहा है, देश के लोगों के अंदर इस बात की एक हीनभावना पैदा हो रही है कि हमारे देश का क्या होगा, क्या इसी दिन के लिए हमारे लाखों वीरों ने अपनी कुर्बानी दी थी। लोगों के मन में एक असहायता, एक हीनभावना पैदा हो रही है। दोस्तों मैं कहना चाहता हूं हम पद से एक विधायक हो सकते हैं, एक मंत्री हो सकते हैं, मुख्यमंत्री हो सकते हैं लेकिन

उससे बड़ी जिम्मेदारी है जिसके लिये लोगों ने आपको इस सदन तक पहुंचाया था, देश के लिये जीने की, देश के लिये मरने की लोगों ने आपकी आंखों में एक चमक देखी थी। विधायकी चली जाये, चली जाये, परवाह मत करना, मंत्रीपद चला जाये, चला जाये, परवाह मत करना, सरकार रहे या चली जाये परवाह मत करना, लेकिन एक बात का संकल्प लो कि हम जियेंगे तो देश के लिये जियेंगे, और मरेंगे तो देश के लिये मरेंगे, इससे हम समझौता नहीं करेंगे। कुदरत का ये नियम है जब सारे खिड़की-दरवाजे बंद हो जाते हैं तो छोटी सी रोशनी की किरण आने के लिये एक छेद वो कर देती है। शायद कुदरत को ये मंजूर था, देश में जिस तरह से आजादी के बाद लगातार सबसे लंबे समय तक कांग्रेस ने हुकूमत किया, जिस तरह से भ्रष्टाचार अपने चरम पर गया, उस भ्रष्टाचार के गर्भ से अन्ना आंदोलन पैदा हुआ। उस अन्ना आंदोलन से मुझे याद है आज केवल अडंगे नहीं डाले जा रहे हमारे सामने, जब जंतर मंतर से रामलीला मैदान का आंदोलन चल रहा था सरकार के नाम अलग थे, मंत्री अलग थे, सत्ता का ये अहंकार तब भी था। उस सत्ताने भी षडयंत्र करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। आंदोलन को जब उन्होंने कुचलने की कोशिश की, आंदोलन के गर्भ से आम आदमी पार्टी पैदा हो गयी। पहली बार जब हम 28 सीट जीतकर आये इन्होंने उसे खत्म करने की, तोड़ने की, खरीदने की कोशिश की, हम 68 सीट जीत करके आये। उसके बाद इन्होंने सारा खेल किया, 21 विधायकों का अभी हमारे साथी जिक्र कर रहे थे, टीवी में चलता था आज सरकार गयी, ये विधायक की सदस्यता गयी, वो विधायक की सदस्यता आयी। हर 6 महीने में मीडिया में भी एक दौर चलता है केजरीवाल बदल गया। आम आदमी पार्टी ये तो नहीं थी जिसके लिये आई थी। आम आदमी पार्टी बदल गयी, ये दौर

चलता है 6 महीना। छमाही दौर आता है लेकिन हर दौर में, हर बाधा से वो जितना हमें परेशान करते गये, हम उतना ही ज्यादा काम करते गये, यही मापदंड है हमारी सरकार का। इसलिये अध्यक्ष महोदया, मैं केवल एक ही बात कहना चाहता हूं आखिरी बात कि भारतीय जनता पार्टी वालों, हिटलर तुम्हारे आदर्श हैं, ये मैं जानता हूं। हिटलर के प्रचार मंत्री होते थे उनका नाम था गोएबल्स, उनका एक सिद्धांत था एक झूठ को सौ बार बोलो तो पब्लिक उसे सच मान लेती है, जमाना बदल गया मोदी जी, हिटलर साहब तो आत्महत्या करके दुनिया से विदा हो गये। सिद्धांत भी विदा हो गया, जितना ही झूठ बोलोगे तुम्हारी उतनी ही कब्र खुदती जाएगी और यकीन मानो अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के लोगों से जितना टकराओगे, एक-एक कील ठुकती जा रही, ठुकती जा रही है, ठुकती जा रही है और तुमने अगर ऐसे ही अपना अभियान चलाए रखा तो कई राजनीति विज्ञान के पंडित कह रहे है 2024 तो नहीं, लेकिन उसके बाद केजरीवाल ही देश का प्रधानमंत्री बनेगा। मैं स्वागत करता हूं ऐसे ही कील ठोकते जाओ, सीबीआई थोपो, सारे मंत्रियों को गिरफ्तार करो, विधायको को गिरफ्तार करो और तुम्हारे सलाहकार इजाजत दें तो अरविंद केजरीवाल को भी एक दिन गिरफ्तार करो। दावे से कह रहा हूं, 2024 का प्रधानमंत्री अरविंद केजरीवाल बनेगा, इसको रोक नहीं पाओगे। अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत शुक्रिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद, माननीय मुख्यमंत्री जी।

माननीय मुख्यमंत्रीः आदरणीय अध्यक्ष महोदया, सबसे पहले मैं देश के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं कि ये न्यूयोर्क टाइम्स में जो खबर छपी, ये न्यूयोर्क टाइम्स का फ्रंट पेज है और आप देखोगे पूरा का पूरा लगभग 80

परसेंट फ्रंट पेज, 18 अगस्त को हमारे देश के एक स्कूल की फोटो उसमें छपी है 9जी बसें की फोटो है। हमारे बच्चे कितने सुंदर लग रहे हैं इसमें न्यूयोर्क टाइम्स में। और उसके नीचे मनीष सिसोदिया जी की फोटो छपी है लिखा है मनीष सिसोदिया Delhi Education Minister ये पूरे देश के लिये गर्व की बात है, 130 करोड़ भारतीयों के लिये गर्व की बात है, सबका सीना चौड़ा हो गया, जिस दिन ये खबर छपी थी। मैं समझता हूं पूरे देश में अगर आप पूछो की केन्द्र सरकार में शिक्षा मंत्री कौन है मुझे नहीं लगता की किसी को भी पता होगा। अगर आप पूछो कि उत्तर प्रदेश का शिक्षा मंत्री कौन है, किसी को नहीं पता होगा। मैं एक वो देख रहा था सोशल मीडिया पर एक ये टीवी वाले कई बार बच्चों से पूछते हैं, एक बच्चे से पूछा, बेटा केन्द्र का शिक्षा मंत्री कौन है, बोला मनीष सिसोदिया, उससे पूछा उत्तर प्रदेश का शिक्षा मंत्री कौन है बोला मनीष सिसोदिया, उससे पूछा राजस्थान का शिक्षा मंत्री कौन है बोला, इस देश में एक ही शिक्षा मंत्री है और अब तो ऐसे लगता है जैसे पूरी दुनिया में एक ही शिक्षा मंत्री है। अमेरिका वालों से पूछा कौन शिक्षा मंत्री तो वो भी कह रहे है भई मनीष सिसोदिया। तो ये हर भारतीय के लिये गौरव की बात थी, बहुत गर्व की बात थी सब लोगों को बहुत अच्छा लगा। ये खबर छपी थी 18 अगस्त को और उसी के एक हफ्ते बाद 25 अगस्त को इसी अखबार ने, अमेरिका के इसी अखबार में ये एक और खबर छपी थी, “Modi’s India is where global democracy dies.” मोदी के भारत में जनतंत्र की हत्या हो रही है। इसी के एक हफ्ते बाद exactly 25 अगस्त को ये खबर छपी है। बहुत तकलीफ होती है जब दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी अखबार में अगर देश के खिलाफ कोई खबर छपती है, भारत के खिलाफ कोई खबर

छपती है, हर भारतीय के दिल में बहुत पीड़ा होती है। इस किस्म की खबर अगर छपती है तो बहुत तकलीफ होती है। आज देश में, दिल्ली सरकार शायद अकेली सरकार है जो ऐसे-ऐसे काम कर रहे हैं जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है, पूरी दुनिया के अंदर आज देश का नाम रोशन कर रहे हैं। जैसे डोनाल्ड ट्रंप साहब की वाइफ आई थी, वो मिलेनिया ट्रंप मैंने पता किया चारों तरफ से, हर जगह अपने पति के साथ, अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ जाया करती थी दुनिया के हर देश में। मैंने पता किया भई कहाँ-कहाँ गई जहां वो स्कूल देखने गई हो। अभी तक कहीं पूरी दुनिया में कोई स्कूल देखने नहीं गई, जब दिल्ली में आई तो बोली हम दिल्ली सरकार के आम आदमी पार्टी के स्कूल मैं देखकर आऊंगी। ये तो गर्व की बात है, पूरे देश के लिये गर्व की बात थी। यूएन के Former Secretary General बान की मून साहब दिल्ली आए specially दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक देखने के लिये आए। और ये खबर कि वो दिल्ली आकर मोहल्ला क्लीनिक देखने के, ये पूरी दुनिया के सारे अखबारों में छपी। सारे देशों के सारे अखबारों में ये खबर छपी कि बान की मून और नॉर्वे की former Prime Minister दोनों दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक देखने के लिये आए हैं। फिर अभी सिंगापुर की सरकार ने मेरे को कहा जी कि आप बहुत अच्छा काम कर रहे हो हम आपके लिये पूरी दुनिया के मेयर बुलाएंगे और उन सारे मेयर को आकर आप बताओ की आप कैसे अच्छा काम कर रहे हो, उनको सिखाओ। ये तो देश के लिये कितने गौरव की बात है कि हमारे देश के किसी आदमी को बुलाया गया कि सिंगापुर, पूरी दुनिया के मेयर को हमें सिखाने का मौका मिलता। पूरा देश इसकी वजह से बड़ा खुश है। लेकिन जितनी राष्ट्र विरोधी ताकतें हैं, जितने लोग इस देश से नफरत करते

हैं, इस देश की तरक्की से नफरत करते हैं, इस देश के विकास से नफरत करते हैं, जो लोग नहीं चाहते ये देश तरक्की करे, 75 साल के अंदर इस देश को, घोटकर रखा गया, vested interest के द्वारा उन सारे लोगों ने अब षड्यंत्र करके मिलकर ये किया कि इनको बंद करो, अब अगर ये इसी तरह से आगे बढ़ते रहे तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी। और इन लोगों ने मिलकर एक षड्यंत्र रचा कि दिल्ली की सरकार गिराई जाये, दिल्ली की सरकार खत्म की जाए। ये दिल्ली की सरकार जब तक खत्म नहीं करेंगे तब तक ये इसी तरह से अच्छा काम करते रहेंगे। ये जितनी राष्ट्र विरोधी ताकतें हैं, सारे इकट्ठे हो गए हमारे खिलाफ, सारों ने इकट्ठा होकर ये षड्यंत्र रचा। षड्यंत्र रचकर सबसे पहला काम इन्होंने किया मनीष सिसोदिया के ऊपर एक झूठा आरोप लगाया। बोला मनीष सिसोदिया शराब में पैसे खा गया। हमने बार–बार इनसे पूछा जी क्या पैसे खा गया, क्या घोटाला है? तो सच तो सच होता है, सच एक होता है, झूठ कई होते हैं उसके। तो इनका एक आदमी बोला जी डेढ़ लाख करोड़ रुपये का शराब घोटाला हो गया। डेढ़ लाख करोड़ तो दिल्ली का बजट ही नहीं है इतना शराब घोटाला कहाँ से हो गया। फिर इनका एक प्रवक्ता था, एक बड़ा सीनियर लीडर एक डिबेट में बैठा था, वो कहता है 8 हजार करोड़ रुपये का घोटाला हो गया। तो मैं देख रहा था, सौरभ उसके साथ था, सौरभ ने पूछा घोटाला क्या है, तो वो कुछ कागज लेकर बैठा था बोला घोटाला, उसको समझ ही ना आए घोटाला क्या है। मेरे ख्याल से वो बता नहीं पाया घोटाला। फिर उसके बाद इनके दो बड़े नेताओं ने एक प्रेस कॉँफ्रेंस की, बोले 1100 करोड़ का घोटाला हो गया, 1100 करोड़ का घोटाला क्या हो गया भई। उनसे पूछा क्या घोटाला हो गया तो वो भी कुछ इधर–उधर की। फिर एलजी साहब

ने एक रिपोर्ट बनाकर भेजी बताते हैं, अखबार वाले कहते हैं, ये मीडिया वाले कहते हैं जिसमें लिख रखा है 144 करोड़ का घोटाला हो गया। और अब सीबीआई ने जो एफआईआर करी है उसमें लिखा है एक करोड़ का घोटाला हुआ है। और घोटाला क्या है सीबीआई की एफआईआर में उसमें लिखा है कि एक शराब वाले ने दूसरे शराब वाले के बैंक अकाउंट में एक करोड़ रुपये जमा कराये। उसमें मनीष का क्या लेना-देना यार एक शराब वाले ने दूसरे को एक करोड़ रुपये जमा कराये, बैंक के अकाउंट में। ये क्या घोटाला है, घोटाला क्या है ये समझ ही नहीं आ रहा अभी तक। ये अभी आज हैं नहीं आठों, आठों को अगर आप अलग-अलग कमरे में बिठा देते और एक-एक से पूछते बताओ घोटाला क्या है, तो पांच को तो पता ही नहीं होता, घोटाला क्या है। तीन अगर कुछ बताते तो ये कुछ बताता, ये कुछ बताता और ये कुछ बताता क्योंकि झूठ तो अलग-अलग होता है ना। सच एक होता है, सच क्या है। कोई घोटाला नहीं हुआ, सबसे transparent पोलिसी थी कोई घोटाला नहीं हुआ। ये सब झूठे आरोप लगा रहे हैं। आरोप लगाकर इन्होंने एफआईआर कर दी मनीष सिसोदिया के खिलाफ, अगले दिन रेड करने इनके घर पहुंच गए, 14 घंटे तक रेड की। कितने कमरे हैं आपके यहां, 4-5 कमरे हैं। 4-5 कमरे में दो-तीन टॉयलेट हैं, रसोई है। सारा घर छानमारा इन्होंने। इतना गहन जांच की, दीवारों को यूं-यूं करके देखा, खोखली तो नहीं है दीवार, इसमें तो जेवर नहीं रख-रखे जो पिक्चरों में दिखाते हैं। फिर वो उन्होंने गद्दे भी फाड़-फाड़ कर देखे। गद्दों में तो नहीं रख-रखे तकिये फाड़-फाड़कर देखे इनके सारे कपड़े, अलमारी फलाना, ढिकाना। सारा कर-कराके शाम को निकल गये, अठन्नी भी नहीं मिली, चवन्नी भी नहीं मिली। अन अकाउंटिड चवन्नी भी नहीं मिली, कोई जेवर नहीं मिले,

कोई पैसा नहीं मिला, कोई जमीन–जायदाद के कागज नहीं मिले, कोई incriminating documents नहीं मिले, कुछ कोई दस्तावेज, कुछ नहीं मिला, मतलब। मैं पूछ रहा था इनसे की 30–35 लोग आए थे, उनके खाने का खर्चा भी नहीं निकला रेड के अंदर। रेड का खर्चा भी नहीं निकला और वो चले गये। आज 7 दिन हो गए, 8 दिन हो गए रेड को, अभी तक कुछ पता नहीं चला की भई इनके यहां क्या निकला। कुछ नहीं निकला इनके यहां, पूरी की पूरी फर्जी रेड थी। जब रेड खत्म हो गई तो हम सोच रहे थे क्यों कर रहे हैं। अगले दिन मनीष सिसोदिया जी के पास इनका कोई आदमी संदेश भेजता है। ये लोग संदेश भेजते हैं, बोले जी ऊपर से है ये, टॉप से। वहां से संदेश ये है कि आप केजरीवाल का साथ छोड़ दो, आम आदमी पार्टी तोड़कर कर दो–चार एमएलए और ले आओ। हम आपको आम आदमी पार्टी की सरकार अब गिराने जा रहे हैं बहुत जल्दी ऑपरेशन लोटस चालू है दिल्ली के अंदर। आपको हफ्ते–दस दिन के अंदर दिल्ली का मुख्यमंत्री बना देंगे। दूसरा बोले ये सारे तुम्हारे सीबीआई और ईडी के केस खत्म कर देंगे। तो इसने कहा ये सीबीआई, ईडी के केस में तो कुछ है नहीं, सारा फर्जी केस है। कल तुम जांच–वांच भी कर के ले गए कुछ भी नहीं मिला तुम्हें, मैंने धेला नहीं कमाया, कुछ किया नहीं। तो केस तो तुम करते रहो मेरे को क्या डर है। वो बोले मंत्री–वंत्री सीएम बनने का मेरे को ख्वाब नहीं, मेरे को तो शिक्षा मंत्री बनकर खुश हूं, बड़ी बात है। सीएम की कुर्सी ठुकराना कोई हंसी–खेल थोड़े ही है। नहीं तो आदमी तो सीएम की कुर्सी के लिये पता नहीं इतिहास में कितने बड़े–बड़े बवंडर हुए हैं, कितने बड़े–बड़े। तो सीएम की कुर्सी ठुकरा दी इन्होंने। मैंने पिछले जन्म में कुछ पुण्य किये होंगे जो ऐसे डिप्टी सीएम और शिक्षा मंत्री मिले। उसके

बाद जब ये नहीं चला तो फिर आप लोगों के पास आए। मेरे पास अभी तक 12 एमएलए आ चुके हैं। एक-एक एमएलए को आकर कहते हैं भई 20-20 करोड़ रुपये ले-ले और टूटकर आ जा, दो-चार को और लाएगा तो तेरे को 25 करोड़ देंगे और नहीं तो जैसे इस मनीष सिसोदिया का हाल किया है तेरे ऊपर भी रेड करेंगे, तेरे को गिरफ्तार करेंगे, सीबीआई और ईडी छोड़ देंगे तेरे खिलाफ। भाई साहब सलाम करता हूं आप सबको, कोई नहीं टूटा, एक भी नहीं तोड़ पाए ये अभी तक। सारे आरोप झूठे हैं इनके। तो जो पता चला उनको एमएलएज को इन्होंने कहा भई 40 एमएलए हमें चाहिये, 40 एमएलए तोड़ने हैं, 20-20 करोड़ रुपये एक को देंगे, 800 करोड़ रुपये इन्होंने कहीं रख-रखे हैं, दिल्ली में 'ऑपरेशन लोटस' इस नाम से चल रहा है, 'ऑपरेशन लोटस-दिल्ली' के नाम से इनका पूरा ये ऑपरेशन है। 800 करोड़ रुपये इन्होंने कहीं रख-रखे हैं, बीस-बीस करोड़ के हिसाब से। सब ये पूछ रहे हैं कि ये 800 करोड़ रुपये कहां है, किसके हैं। आज इस सदन में मैं बताऊंगा ये पैसे किसके हैं। आज मैं खुलासा करूंगा ये 800 करोड़ रुपये किसके हैं। लोग बता रहे हैं जी गुजरात के पहले, अभी-अभी थोड़ी देर पहले खबर आई है। एलजी साहब ने अब स्कूलों पर भी इन्कवायरी शुरू कर दी। तो कह रहे हैं भई स्कूलों के, बेसिकली तो रोकना है, स्कूल रूक जाएं, अस्पताल रूक जाएं, जितने अच्छे काम हो रहे हैं वो रूक जाएं। जनता को तकलीफ हो रही है, तो सब कह रहे हैं ये गुजरात की वजह से हो रहा है, गुजरात में जैसे-जैसे हमारा ग्राफ बढ़ता जा रहा है पागलपन छाया हुआ है गुजरात में। लोग दुखी हो चुके हैं इन लोगों से, जहां जाते हैं हर गांव पूरे के पूरे गांव आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ते जा रहे हैं, किसी ने सोचा नहीं था। लोग तो कहते थे इनका गढ़ है, कोई गढ़-वढ़

नहीं है, गढ़ टूट रहा है अब, इनका किला ढ़ह रहा है। तो लोग तो यही कह रहे हैं जी इस दिसम्बर में सरकार बनने के बाद गुजरात में इनके 27 सालों की आप इंक्वायरी कराओगे, तब तक ये इंक्वायरी करा रहे हैं दिल्ली के अंदर। अगर आज हम गुजरात चुनाव अनाउंस कर दें ना भई गुजरात चुनाव हम नहीं लड़ेंगे, ये सारी इंक्वायरी बंद हो जाएगी, सारी ईडी बंद, ये सीबीआई बंद, सब खत्म। उसी की वजह से हो रहा है ये। कई सरकार गिरा चुके हैं अभी तक ये देश में। गोवा की सरकार गिराई, कर्नाटक की सरकार गिराई, महाराष्ट्र की सरकार गिराई, आसाम की सरकार गिराई, मध्यप्रदेश की सरकार गिराई, बिहार की सरकार गिराई, अरूणाचल प्रदेश की सरकार गिराई, मणिपुर की सरकार गिराई, मेघालय की सरकार गिराई। शहर में एक सीरियल किलर आया हुआ है, जो एक के बाद, एक के बाद मर्डर करता जा रहा है, एक के बाद एक मर्डर करता जा रहा है। जनता सरकार चुनती है, ये सरकार गिरा देते हैं। मतलब जनता को तो रौंद रखा है। महाराष्ट्र में जनता ने एक सरकार चुनी, गिरा दी, गोवा में जनता ने एक सरकार चुनी, गिरा दी। जनता के पीछे पड़े हैं और सब जगह पैटर्न एक ही है। अभी जैसे महाराष्ट्र में भी हम लोगों ने देखा, जितने टूटकर इधर से उधर गए, बताते हैं सबके पीछे सीबीआई, ईडी पड़ी थी। सीबीआई और ईडी उनको बुला रही थी। जैसे ही वो इधर से उधर गए सीबीआई, ईडी के केस बंद। सेम पैट्रन हर जगह यही चल रहा है। पहले ये सीबीआई, ईडी के केस लगाते हैं चार–पांच के खिलाफ तो दूसरे वाले सारे डरकर जिन्होंने गलत काम कर रखे होते हैं वो सारे डर कर फिर उनको मैसेज भेजते हैं भई तुम्हारा भी यही हाल कर देंगे, तो सारे इनके पास आ जाते हैं फिर ये तोड़ लेते हैं फिर ये सरकार गिरा देते हैं सेम पेटर्न है वो जो सिरियल कीलर का पेटर्न होता

है आपने वेबसीरीज़ देखी होंगी आजकल काफी आ रही हैं। जैसे सिरियल कीलर का पेटर्न होता है ना वैसे सेम पेटर्न इन्होंने दिल्ली में किया कि सीबीआई, ईडी भेजी पहले सत्येन्द्र के खिलाफ भेजी फिर मनीष के खिलाफ भेजी अब आपको डरा रहे हैं कि तुम्हारा भी यही हाल कर देंगे, सत्येन्द्र वाला हाल कर देंगे, तुम्हारा मनीष वाला हाल कर देंगे, डराकर ये दिल्ली में आम आदमी पार्टी को तोड़ना चाहते हैं लेकिन हमने कुछ गलत कर ही नहीं रखा तो हम सीबीआई, ईडी से क्यों डरें। हम कहते हैं कि भई कर लो। हमें जेल जाने से डर नहीं, इनमें से आधे से ज्यादा तो जेल जा चुके। तो कर लो जो करना है कर लो हमारे को क्या फर्क पड़ता है। अभी तक 277 एमएलए खरीद चुके हैं ये लोग, 277 एमएलए पिछले कुछ सालों के अंदर ये लोग खरीद चुके हैं। दिल्ली में अभी रेट 20 करोड़ का था, महाराष्ट्र में सुनते थे 50 करोड़ है दिल्ली वालों को पता नहीं क्यों।

...व्यवधान...

श्री अरविंद केजरीवाल (माननीय मुख्यमंत्री): दिल्ली में कह रहे हैं पर मान लो 20 भी मान लो 20 करोड़ के हिसाब से खरीदा तो 277 एमएलए के लिये इन्होंने साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किये और दिल्ली के लिये 8 सौ करोड़ रख रखे हों तो 63 सौ करोड़ रुपये, 63 सौ करोड़ रुपये इन्होंने ऑपरेशन लोटस में खर्च किये ये पैसा कहां से आया, ये पैसा किसका है? 63 सौ करोड़ रुपये खर्च कर दिये इन लोगों ने एमएलए खरीदने-खरीदने में ये किसका पैसा है इसका मैं आज खुलासा करना चाहता हूं। आज देश का हर आदमी मंहगाई से बड़ा परेशान है। 2014 में डीज़ल का दाम था 54 रुपये अब हो गया 90 रुपये, पेट्रोल का दाम था 2014 में 60 रुपये अब हो गया

110 रुपये, सीएनजी 37 रुपये थी 75 रुपये पहुंच गई, एलपीजी 410 रुपये की थी 1053 रुपये का एक सिलेंडर हो गया, वनस्पति ऑइल 70 रुपये का था 170 रुपये हो गया और नमक 7 रुपये का था 15 रुपये हो गया हर चीज़ के दाम बढ़ गये, डबल-ट्रीपल हो गये। एक आम आदमी बेचारा तनख्वाह बढ़ी नहीं है घर कैसे चलाये, चलाये तो कैसे चलाये वो। ये जितनी जीएसटी, ये जितनी मंहगाई हो रही है, इतना जीएसटी लगा दिया इन लोगों ने ये सारा पैसा कहां जा रहा है? ये सारा पैसा दो चीज़ों में जा रहा है, एक अपने अरबपति दोस्तों के कर्जे माफ़ करते हैं और दूसरे ये एमएलए खरीदते हैं इन दो चीज़ों में जा रहा है। महाराष्ट्र की सरकार गिरानी थी तो छाछ पर जीएसटी लगा दी, दही पर जीएसटी लगा दी, शहद पर जीएसटी लगा दी, गेंहू पर जीएसटी लगा दी, चावल पर जीएसटी लगा दी। अगर अपने एक दोस्त का कर्जा माफ करना होता है पेट्रोल के दाम बड़ा देते हैं, दूसरे दोस्त का कर्जा माफ़ करना होता है डीज़ल के दाम बड़ा देते हैं अगर गोवा की सरकार गिरानी होती है यहां पर जीएसटी बड़ा देते हैं जितना पैसा जीएसटी और मंहगाई की वजह से हो रहा है, पेट्रोल का दाम बढ़ रहा है, डीज़ल का दाम बढ़ रहा है इसका अधिकांश पैसा केवल और केवल अरबपति दोस्तों के कर्जे माफ करने में और ये एमएलए खरीदने के अंदर जा रहा है। अब ये कह रहे हैं झारखंड की सरकार गिरने वाली है, देख लेना शर्तिया तौर पर मैं कह रहा हूं अगले 10 दिन के अंदर कहीं ना कहीं जीएसटी या पेट्रोल या डीज़ल के दाम ना बढ़ जायें तो, बढ़ेंगे और वो सारा पैसा जो है वो एमएलए खरीदने के लिये जायेगा इनका, जा रहा है। आज मैं देश की जनता से कहना चाहता हूं हमारे देश की जनता जरूरत पड़े तो देश के लिये बलिदान करने को तैयार है। आज मैं देश की जनता से

पूछना चाहता हूं कि क्या आप इस तरह से इनके अरबपति दोस्तों के लिये इस तरह से पैसा लुटाते रहोगे क्या? क्या आप एमएलए खरीदने के लिये अपने बच्चों के पेट काटते रहोगे? आज अगर हमारी सेना को पैसे की जरूरत पड़े, हमारे देश के लोग एक टाइम की रोटी नहीं खायेंगे सेना के लिये कुछ भी कर देंगे लेकिन क्या इनके अरबपति दोस्तों के लिये हम ये करने के लिये तैयार हैं। आज एक तरह से कई लोगों को मैं जानता हूं कई परिवार ऐसे हैं पहले डेढ़ किलो दूध लिया करते थे दिन का अब वो कम करके एक किलो कर दिया जब से ये मंहगाई हो रही है जब से ये जीएसटी लगा है। कई परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक टाइम की सब्जी लेनी बंद कर दी है अब नमक से रोटी खा लेते हैं। तो एक तरह से गरीब का खून चूस के और वो पैसा ये अरबपति दोस्तों को दे रहा है। इस देश के अंदर एक आदमी की सत्ता की हवस को पूरा करने के लिये ये सारा का सारा पैसा इस्तेमाल किया जा रहा है, क्या देश के लोगों को ये मंजूर है? हम भारत को नम्बर-1 देश बनाना चाहते हैं, हमारा मकसद है, हमारा सपना है पूरे देश के लोगों का सपना है कि भारत दुनिया का नम्बर-1 देश बनना चाहिये। भारत दुनिया का नम्बर-1 देश कैसे बनेगा? जब हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलेगी, सब बच्चों को पढ़ाना पड़ेगा, स्कूल खोलने पड़ेंगे, अस्पताल बनाने पड़ेंगे, सड़कें बनानी पड़ेंगी ये सारा काम करना पड़ेगा लेकिन जितने लोग काम कर रहे हैं इस देश के अंदर उन सारे लोगों को अगर आप काम नहीं करने दोगे, उनको रोकोगे, उनके पीछी सीबीआई, ईडी छोड़ दोगे तो फिर देश आगे कैसे बढ़ेगा। ये इतनी पीसी करते हैं। आपने देखा होगा कि इनकी कोई एक प्रेस कान्फ्रेंस काम से रिलेटिड होती है। सारी पॉलिटिकल, गाली-गलौच, इसके खिलाफ उसके खिलाफ और हमारी प्रेस कान्फ्रेंस

देख लो, 90 परसेंट हमारी प्रेस कान्फ्रेंस काम से रिलेटिड होती है, स्कूल बना दिया जी, अस्पताल बना दिये जी, अब इतने मोहल्ला क्लीनिक खोल दिये जी, अब ये काम कर दिये। हम केवल काम के ऊपर करते हैं, ये केवल और केवल शुद्ध राजनीति करते हैं। जैसे अभी मैंने देखा कि कुछ कहते हैं कि इनके स्कूल बड़े खराब हैं, चलो हमारे खराब हैं तुम अपने दिखा दो, तुम तो दिखाओ। आज वो जो आसाम के चीफ मिनिस्टर ने लिखा कुछ कि मैंने कहा ठीक है जी मैं आ जाता हूं आसाम में, जवाब ही नहीं दे रहा वो। मैंने कहा जी मैं आ जाता हूं, आपसे सीख लेते हैं हम अगर आपने कोई अच्छा काम करा है आसाम के ऊपर, हमारे को तो कोई ईगो नहीं है हम सीख लेते हैं आपसे, आप हमसे सीखो हम आपसे सीखेंगे तभी तो देश तरक्की करेगा। ये कहते हैं हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं, जितने भ्रष्टाचारी हैं उनके खिलाफ कर रहे हैं, ये लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं है। ये लड़ाई एक आदमी के स्वार्थ की लड़ाई है, एक आदमी की सत्ता की हवस की लड़ाई है। 15 अगस्त को लाल किले पर खड़े होकर उन्होंने कहा पूरे देश को कि मैं भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ रहा हूं, देशवासियो मुझे आपका साथ चाहिये। साहब अगर आप भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ते तो आपको देशवासियों का साथ मांगने की जरूरत नहीं पड़ती। इसका मतलब आप जानते हैं कि देश आपके साथ नहीं है, आप ये जो नौटंकी कर रहे हो इसका मतलब है देश आपके साथ नहीं है आपको मांगना पड़ रहा है। दिल्ली में मैंने भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ी, मैंने तो कभी नहीं कहा दिल्लीवासियो को, दिल्लीवासी खुद ही मेरे साथ हो रहे हैं। मैंने तो नहीं कहा दिल्लीवासियो मेरे को आपका साथ चाहिये। अभी कोई कल बता रहा था एक ऑफिस में बैठा था सरकारी ऑफिस में दिल्ली में हमारा कोई वॉलियन्टिर,

बोला वहां भी एक अंदर अफसर काफी लेट कर रहा था, एक घंटे से बिठा रखा था तो वो आपस में बात कर रहे थे दो-चार लोग बैठे थे, कहते इस अफसर को पता नहीं है अभी केजरीवाल को मैंने ट्वीट कर दिया ना, इसकी नाक में दम कर देगा। जनता को भरोसा है, हमें साथ मांगने की जरूरत नहीं पड़ रही। पंजाब के अंदर अभी हमने जिस तरह से भ्रष्टाचार के खिलाफ वार छेड़ा हुआ है, भगवंत मान ने तो कभी नहीं कहा मेरे को आपका साथ चाहिये। आपको पता है आपके साथ देश की जनता नहीं है इस गंदगी में, देश की जनता देख रही है कि आप भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ रहे आप अपने स्वार्थ की लड़ाई लड़ रहे हैं, आप अपनी सत्ता की हवस की लड़ाई लड़ रहे हैं। मैं आज आपको पांच मुद्दे देता हूं अगर आपकी लड़ाई भ्रष्टाचार की लड़ाई है, इन पांच में से एक के ऊपर आप जांच कराकर दिखा दो मैं मान जाऊंगा। गुजरात मैं जाता हूं, आजकल गुजरात में इतने पेपर लीक होते हैं, इतने पेपर लीक होते हैं इतने पेपर और सारे इनके आदमी कराते हैं, सारे इनके आदमी कराते हैं, जनता तंग आ चुकी है, बच्चे तंग आ चुके हैं, सुसाइड कर रहे हैं, पेपर रोज़ लीक हो रहे हैं और इनके लोग करा रहे हैं एक भी आदमी पेपर लीक के मामले में जेल नहीं गया। मैं चैलेंज करता हूं अगर हिम्मत है तो एक आदमी को दिसम्बर के चुनाव के पहले आप जेल भिजवा कर दिखा दो। तो लड़ाई आपकी भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं है, भ्रष्टाचार के तो आप बेनिफिशियरी हैं। इतना नशा गुजरात के अंदर बिक रहा है। बताते हैं इनके दोस्त का एक पोर्ट है वहां पर कम से कम 10 हज़ार करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़ी जा चुकी होंगी, हिम्मत है तो सीबीआई, ईडी वहां भी करके दिखा दो। बता रहे हैं 22 हज़ार करोड़ रुपये का नशा इनके दोस्त के यहां नशा पकड़ा गया,

कोई सीबीआई नहीं कोई ईडी नहीं, चोर ये ही नज़र आता है इनको। मैं इनको चैलेंज करता हूं जहरीली शराब से अभी 50 से ज्यादा आदमी मर गये, इनके आदमी जहरीली शराब बेचते हैं गुजरात के अंदर। मैं चैलेंज करता हूं एक आदमी के खिलाफ सीबीआई, ईडी करके दिखा दें, नहीं करेंगे। अभी प्रधानमंत्री बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने गये, उद्घाटन करने के पांच दिन के बाद वो धंस गया। इससे बड़ी बेइज्जती नहीं हो सकती देश की, इससे बड़ी बेइज्जती देश की नहीं हो सकती। मेरे यहां दिल्ली में अगर कोई होता ना, ऐसी-तैसी कर देता मैं उसकी और इन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया, उसके खिलाफ सीबीआई, ईडी नहीं है। बता रहे हैं उसको दो चार ठेके और दे दिये बोले शाबाश, बहुत अच्छा काम किया, उसको बता रहे हैं चार ठेके और दे दिये। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे धंस गया उसकी कोई सीबीआई, ईडी नहीं है। 10 लाख करोड़ रुपये के अपने अरबपति दोस्तों के इन्होंने कर्जे माफ़ कर दिये उसमें कई लोगों ने बीजेपी को चैक में डोनेशन दे रखी है, इससे बड़ा सबूत रिश्वत का हो सकता है। भई तुमने उससे डोनेशन ली और डोनेशन लेकर उसके कर्जे माफ़ कर दिये इससे बड़ा रिश्वत का सबूत क्या होगा। हिम्मत है तो ज़रा सीबीआई, ईडी पांच केस दे दिये मैंने आज, कहोगे तो 50 और दे देंगे। तो लड़ाई भ्रष्टाचार की नहीं है, लड़ाई स्वार्थ की है, लड़ाई सत्ता हथियाने की है, जनता को तंग करने की है। पिछले कुछ दिनों से ये चल रहा है कि इन्होंने इतने आदमी, इतने एमएलए तोड़ लिये, मेरे पास कई फोन भी आ रहे हैं लोगों के कि जी सब ठीक है ना, दो-चार कितने गये, बहुत फोन आ रहे हैं मेरे पास। तो अध्यक्ष महोदया मैं इस सदन के अंदर Confidence motion लाना चाहता हूं दिल्ली की जनता को दिखाने के लिये कि उन्होंने जिन लोगों को चुना है वो एक-एक हीरा

है। ये मर जायेंगे, कट जायेंगे लेकिन ये टूटने वाले नहीं हैं, एक भी आदमी नहीं टूटा Confidence motion इस सदन के अंदर लाना चाहता हूं ताकि जनता के सामने ये साबित हो जाये कि बीजेपी का ऑपरेशन लोटस दिल्ली में आकर ऑपरेशन कीचड़ बन गया, बहुत-बहुत शुक्रिया।

माननीया अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद अब माननीय परिवहन मंत्री संकल्प को पारित करने के लिये इसकी विषय वस्तु सदन के सामने प्रस्तुत करेंगे।

श्री कैलाश गहलौत (माननीय परिवहन मंत्री): अध्यक्ष महोदया, मेरा ये अनुरोध है कि सदन में प्रस्तुत निम्नलिखित संकल्प को पारित कर दिया जाये। "The Legislative Assembly of NCT of Delhi in its sitting held on 26th August, 2022 resolves that this House notes that the elected govt. of Delhi has performed exceedingly well on all parameters of social welfare schemes. This House further notes that the work done by the Govt. of Delhi in different field especially in the field of Education and Health has been recoganized and appreciated not only in India but the world over. This House further notes that the work done by the Govt. of Delhi in the field of Education in the last 7 years is much more than what has been acheived by the previous governments since independence. It is borne out by the fact that the work done in the field of education has been recoganized even by the foreign Press as is evidenced by the front page story of New York Times recently which also carries photo of Sh. Manish Sisodia, Education Minister on front page. This House further notes that the concept of 3 tier system of

health, infrastructure and Mohalla Clinics introduced by this government has found resonance across the country and being appreciated all over as a revolution in the field of health. The former Secretary General of United Nations Sh. Kofi Annan has praised the concept of Mohalla Clinics and had termed the initiative as successful and impressive which is consistent with the goal of universal health coverage. This House further notes that the Delhi was the first state to come out with Electric Vehicle Policy 2 years ago and is leading all other states in terms of new electric vehicle as percentage of the total vehicles registered during the last 2 years. This House congratulates the govt. lead by Sh. Arvind Kejriwal for all the development works being done in different field during the last 7 years. This House further notes with deep concern the activities of some forces which are bent upon to create an environment which is not conducive to the ongoing good development works. This Houseexhorts the govt. to continue the good work without getting demotivated by the enemical forces.

माननीया अध्यक्षः अब श्री कैलाश गहलौत माननीय परिवहन मंत्री द्वारा नियम–90 के तहत प्रस्तुत संकल्प सदन के सामने है

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

संकल्प स्वीकार हुआ।

माननीया अध्यक्षः अब माननीय सदस्यगण, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में विश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है यदि सदन सहमत हो तो इसे सोमवार दिनांक 29 अगस्त, 2022 को विचारार्थ लिया जा सकता है। मुझे लगता है कि सदन इससे सहमत है। अतः सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 29 अगस्त, 2022 प्रातः 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 29 अगस्त, 2022 प्रातः 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की गई।)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।